निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, सोमवार 3 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 166 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

हजारीबाग पदमा कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने बैंड प्रतियोगिता में लहराया परचम

बिहार में बिछेगा उद्योग-धंधों का जाल : मोदी

डॉ पंकज कुमार सिन्हा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी अभियान के तहत आज रविवार को नवादा पहुंचे। चुनावी संबोधन में उन्होंने बिल्कुल मगही अंदाज में यहां के लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने मंच पर पहुंचते ही भारत माता की जय और हड़िया सुरुज मंदिर के पावन भूमि के हम प्रणाम करहिए, यही शब्द लोगों को दिल को छू गया। मोदी यहीं पर रुके नहीं, उन्होंने नवादा के संकट मोचन की पावन भूमि और बिहार केसरी डॉक्टर श्री कृष्णा सिंह की जन्मस्थली का चर्चा करना भी नहीं भूले। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा। उद्योग धंधों का जाल बिछाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर उपस्थित नवादा जिले के साथ-साथ फतेहपुर, वजीरगंज, बिहार शरीफ, राजगीर और बरबीघा के एनडीए प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कि एक और जहां एनडीए सरकार विकास की ओर बिहार को आगे ले जा रही है वहीं कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल मिलकर फिर से बिहार को जंगल राज में धकेलना का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ श्री कृष्ण की जन्मस्थली से आज बिहार के विकास को नहीं भूल सकता है फिर से विकास की गति को और रफ्तार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे साथ नीतीश बाबू बिहार में काफी अच्छी प्रगति कर रहे हैं। अब किसानों को डायरेक्ट उनके खाते में राशि बगैर कोई कट कमीशन के जा रहा है। कांग्रेस के ही एक प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि हम केंद्र से एक रुपये भेजते हैं तो लाभुक तक मात्र 15 पैसा ही पहुंच पाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास की चर्चा करते हुए कहा कि जंगल राज के शासन, नरसंहारों का दौरा था। वहीं क्राइम, करप्शन के दौर को बिहार भूल नहीं सकता है। महागठबंधन के लोग जितने भी प्रयास कर लें, उन्हें सत्ता नहीं मिल पाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप यह याद कर लें कि चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस और राजद के बीच काफी धक्का मुक्की होगी क्योंकि जब कांग्रेस ने जंगल राज वाले राजकुमार को मुख्यमंत्री नहीं घोषित कर रहा था तो उनसे बदला लेने के लिए राष्ट्रीय जनता दल ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ ही प्रत्याशी खड़ा कर दिया। यह सत्ता लोलुप परिवार आपस में ही तकरार कर रहा है। एक बिहार में भ्रष्टाचार का परिवार है तो दूसरी दिल्ली में भ्रष्टाचार वाली पार्टी की परिवार है। उन्होंने कहा कि विकसित बिहार के संकल्पों को पूरा करने के लिए एकजुट होकर एनडीए को वोट दें ताकि जंगल राज की स्थापना बिहार में नहीं हो सके। उन्होंने जंगल राज की चर्चा और नरसंहारों के बारे में लोगों को बताया और कहा कि वह दौर याद कर लोग आज भी सिहर उठते हैं। उन्होंने कहा कि गांव की विकास के लिए सशक्ति योजनाएं बनाई जाएगी। महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को 10000 रोजगार के लिए दिए गए हैं, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी विकास की गारंटी देता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एनडीए सरकार के 11 वर्षों के भीतर छोटे किसानों के लिए भी केंद्रीय कृषि नीति बनाई गई जिसके तहत किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 6000 रुपए दिए गए जो सीधे उनके खाते में पहुंच गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 6 करोड़ से अधिक लाभुकों को इसका लाभ मिल चुका है। उन्होंने भीड़ से अपने-अपने मोबाइल निकालने को कहा और लाइट जलाने की बात कही। फिर मोदी ने कहा कि जब आपके हाथ में खुद लाइट है तो अब लालटेन की क्या जरूर रह गई है।

अस्पताल में महिला और उसके पेट में पल रहे बच्चे की मौत

अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लापरवाही के कारण मां और उसके पेट में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। घटना के पीछे का कारण ओटी रूम में ओटी बेड से मरीज का गिरना बताया जा रहा है। परिजन जहां अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगा रहे हैं तो वहीं अस्पताल प्रबंधन ने मरीज के परिजनों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चांदनी कुमारी और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बीती रात चांदनी कुमारी को प्रसव पीड़ा हुई थी। उसे ओटी रूम में ले जाया गया था जहां वह ओटी बेड से ही फर्श पर गिर गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में आकर जमकर हंगामा किया और तोड़फोड़ की। इधर परिजनों ने आरोप लगाया है कि ओटी कमरे में डॉक्टर नहीं था। नर्स के सहारे बच्चों का जन्म हो रहा था। नर्स की लापरवाही के कारण ही महिला ओटी बेड से ही फर्श पर गिर गई जिसके कारण मां और बच्चे दोनों की मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार ने घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मरीज के परिजनों की लापरवाही की वजह से मरीज फर्श में गिर गई थी। उसके परिजन उसे जबरन निजी अस्पताल में ले गए। उस दौरान उसकी मौत हो गई जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। अगर महिला के परिजन मरीज को नहीं ले जाते तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। मृतक हजारीबाग के सदर थाना अंतर्गत कहानी बाजार की रहने वाली थी।

संक्षिप्त समाचार

घाटशिला में आज से चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगे सीएम हेमंत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के घाटशिला उपचुनाव को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी भी चरम पर पहुंच गई है। घाटशिला सीट पर झामुमो की ओर से सोमेश सोरेन मैदान में हैं। उनके समर्थन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन स्वयं प्रचार की कमान संभालेंगे। दोनों नेता 3 नवंबर से गांव-गांव दौरा कर जनता से संवाद करेंगे और सरकार की उपलब्धियों तथा जनकल्याण योजनाओं को जनता के बीच रखेंगे।

विवाद सुलझाने गए व्यक्ति की हत्या

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कुंडा थाना क्षेत्र में बीती रात सखुआ जंगल के पास हुई इस वारदात में करणी बाग निवासी 40 वर्षीय कारू रावत की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कारू रावत दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद को शांत कराने पहुंचे थे तभी अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। जानकारी के मुताबिक सखुआ जंगल के समीप दो गुटों में किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा था। कारू रावत मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाने लगे लेकिन स्थिति बिगड़ती चली गई।

हादसे में सदर अस्पताल की लिपिक की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। झुमरी तिलैया में दर्दनाक सड़क हादसे में सदर अस्पताल की लिपिक सुलोचना कुमारी (55 वर्ष) की मौत हो गई। यह हादसा तिलैया थाना क्षेत्र के महाराणा प्रताप चौक के पास हुआ। वह अपने बेटे के साथ बाइक से घर लौट रही थीं उसी दौरान रांची-पटना रोड पर महाराणा प्रताप चौक के पास अचानक एक गाय सड़क पर आ गई। बेटे ने गाय को बचाने के लिए बाइक मोड़ने की कोशिश की लेकिन संतुलन बिगड़ गया और सुलोचना कुमारी नीचे गिर पड़ीं। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सीएम हेमंत सोरेन ने पूर्व मंत्री बेबी देवी के ससुर को दी श्रद्धांजलि

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज रविवार को पूर्व मंत्री स्वर्गीय जगरनाथ महतो के चंद्रपुरा प्रखंड के अलारगो गांव स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां पूर्व मंत्री स्वर्गीय जगरनाथ महतो के पिता एवं पूर्व मंत्री बेबी देवी के ससुर दिवंगत नेमनारायण महतो के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्मृति शेष नेमनारायण महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने परिजनों से मुलाकात भी की। 21 अक्टूबर 2025 को पूर्व मंत्री स्वर्गीय जगरनाथ महतो के पिता एवं पूर्व मंत्री बेबी देवी के ससुर नेमनारायण महतो का निधन हुआ था।

17 साल बाद असिस्टेंट प्रोफेसरों की पदोन्नति प्रक्रिया शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में 17 साल के लंबे इंतजार के बाद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों के असिस्टेंट प्रोफ़ेसरों की पदोन्नति प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम उच्च शिक्षा व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि अब राज्य के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर भी विश्वविद्यालयों में प्रति कुलपति सहित प्रशासनिक पदों पर आवेदन करने के पात्र बन गए हैं। जेपीएससी की इस प्रक्रिया से सबसे ज्यादा राहत 2008 बैच के असिस्टेंट प्रोफ़ेसरों को मिली है, जिनका प्रमोशन सालों से लंबित था। रांची विश्वविद्यालय ने इस दिशा में 144 असिस्टेंट प्रोफ़ेसरों के नाम जेपीएससी को भेजे हैं। जानकारी के मुताबिक, पूरे झारखंड में फिलहाल दो प्रोफ़ेसर ऐसे हैं, जो उपकुलपति पद के लिए आवेदन देने की पात्रता रखते हैं। शिक्षक संघ ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे विलंब से सही लेकिन सही दिशा में कदम बताया है। झारखंड राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ राजकुमार ने कहा कि जेपीएससी को यह फैसला बहुत पहले ही लेना चाहिए था। हालांकि देर से आया है लेकिन इससे लंबे समय से रुकी हुई पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू हो पाई है। कुछ लोगों को तत्काल फायदा जरूर मिलेगा लेकिन देरी के कारण कई असुविधाएं भी उत्पन्न होगी। उन्होंने आगे बताया कि 2008 के बैच के शिक्षकों के लिए यह फैसला राहत लेकर आया है। प्रमोशन मिलने से उनका प्रोफ़ेसर पद का रास्ता साफ हुआ है।

पलामू में सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। रविवार से पलामू में सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत हुई। खेल महोत्सव के पहले दिन हाफ मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम समेत कई हस्तियों ने भाग लिया। पलामू के शिवाजी मैदान से लेकर पुलिस लाइन तक मैराथन की दौड़ हुई। सांसद खेल महोत्सव 14 दिसंबर तक चलेगा और उसी दिन विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण किया जाएगा। हाफ मैराथन के लिए पलामू और गढ़वा में 10 हजार से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। खेल महोत्सव में फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कराटे, कबड्डी, खोखो समेत कई प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विजेता प्रतिभागियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलेगा। इस संबंध में पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने बताया कि खेल महोत्सव के माध्यम से प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास है। खेल महोत्सव के माध्यम से पलामू और गढ़वा के इलाके के युवाओं को जोड़ना है। खेल महोत्सव से जुड़े हुए आयोजन पलामू और गढ़वा में होने हैं। वहीं रविवार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई जिसे पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम ने संबोधित किया। इस मौके पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक राष्ट्रीय पदयात्रा होनी है। इस पदयात्रा में प्रत्येक जिले से दो-दो प्रतिभागी भाग लेंगे। सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय पदयात्रा को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। राष्ट्रीय एकता समेत कई बिंदुओं पर निबंध लेखन और रील्स बनाना है।

अफ्रीका में फंसे झारखंड के मजदूरों के वतन वापसी का रास्ता साफ

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूरों के वतन वापसी का रास्ता साफ हो गया है। 4 नवंबर को सभी मजदूर ट्यूनीशिया से फ्लाइट पकड़ेंगे और 5 नवंबर को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एयरपोर्ट पर उतरेंगे। दरअसल ये सभी मजदूर निजी प्रेम कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम करने के लिए ट्यूनीशिया गए थे लेकिन इन मजदूरों को पिछले तीन-चार महीने से न तो वेतन दिया जा रहा था और ना ही किसी तरह की सुविधाएं। इसके बाद मजदूरों ने 30 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अपनी व्यथा बताते हुए सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद सरकार हरकत में आई और मजदूरों को स्वदेश वापस लाने की प्रक्रिया तेज हुई।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, युवक-युवती की मौत

सड़क सुरक्षा नियमों का करें पालन : अमरेंद्र कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिले में रविवार की सुबह मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक युवक और एक युवती की मौत हो गई। घटना बालूमाथ थाना क्षेत्र के ओल्हेपाट गांव के पास घटी है। मृत युवक की पहचान टंडवा निवासी अनुज उरांव और युवती की पहचान लवागड़ा हेरहंज निवासी पूनम कुमारी के रूप में हुई है। दोनों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। दरअसल लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बालू गांव में शनिवार को जतरा मेला का आयोजन किया गया था। पूनम कुमारी और अनुज उरांव मेला देखने गए थे। मेला की समाप्ति के बाद रात में दोनों गांव में ही रुक गए थे। रविवार की सुबह मोटरसाइकिल पर सवार होकर दोनों बालूमाथ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान ओल्हेपाट गांव के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पर सवार युवक और युवती की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के निर्देश पर पुलिस की टीम 108 एंबुलेंस के साथ घटनास्थल पर पहुंची और दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद डॉक्टर संजय सिद्धार्थ ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डॉ संजय सिद्धार्थ ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों की मौत हो चुकी थी। बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस घटना में युवक और युवती की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। फिलहाल दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वाहन चलाने के दौरान हमेशा सावधानी बरतें। तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने से बचें। जब भी मोटरसाइकिल पर सवारी करें तो हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने से दुर्घटना की संभावनाएं काफी कम हो जाती हैं। इधर घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को भी दे दी गई है। मृतक युवती के परिजन अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि युवती शनिवार को ही घर से जतरा मेला देखने के लिए निकली थी।

घर में मिली मां-बेटे की लाश

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बलियापुर थाना क्षेत्र के प्रधानखंता पंचायत स्थित चरकी डूंगरी टोला में शनिवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक ही घर से मां और बेटे के सड़े-गले शव बरामद हुए। दोनों कई दिनों से घर से बाहर नहीं निकले थे। जब घर से तेज दुर्गंध आने लगी, तो ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर का मंजर देख सभी दंग रह गए। थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घर का दरवाजा तोड़ा गया। अंदर 52 वर्षीय नोमो गोराई का शव आंगन में पड़ा था जबकि 32 वर्षीय कालीपद गोराई का शव अंदर चौकी पर मिला। दोनों शव कई दिनों पुराने होने के कारण सड़ चुके थे और पूरे मोहल्ले में दुर्गंध फैल गई थी। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेज दिया।

मोकामा की घटना बिहार में व्याप्त जंगलराज का प्रतीक : जेएमएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मोकामा में हुई दुलारचंद यादव की सरेआम हत्या को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार में व्याप्त जंगलराज का उदाहरण करार दिया है। इस मामले में मोकामा के पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर झामुमो प्रवक्ता मनोज पांडेय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मनोज पांडेय ने कहा कि इसमें प्रशंसा करने का नहीं बल्कि बिहार की सरकार, वहां के मुख्यमंत्री, पुलिस प्रमुख और चुनाव आयोग से यह सवाल पूछने का वक्त है कि पुलिस की चौकसी के बावजूद कैसे इतनी बड़ी घटना घट गई? उन्होंने कहा कि जब चुनावी प्रक्रिया शुरू होने से पहले हथियार जमा करा लिए जाते हैं तो जदयू नेता के काफिले में हथियार कहां से आये, वहां के पूर्व विधायक अनंत सिंह खुद एक मीडिया में कह रहे है कि 40 गाड़ियों के काफिले के साथ वह थे, 30 गाड़ी आगे बढ़ गईं तब यह घटना घटी। क्या चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों को यह दिख नहीं रहा है। मनोज पांडेय ने कहा कि विरोधियों के नेताओं को गोली मरवा कर ये लोग अब कार्रवाई कर रहे हैं, यह प्रशंसा का नहीं दुर्भाग्य की बात है। जंगलराज का इससे बड़ा नमूना क्या हो सकता है। खुलेआम विधि व्यवस्था को चुनौती दी जा रही है। उन्होने कहा कि जिसकी हत्या की गई, वह समाज के एक बड़े तबके का नेतृत्व करते थे और बिहार चुनाव में एक राजनीतिक दल के उम्मीदवार का समर्थन कर रहे थे। ऐसे में अपराध रोकने में विफल पटना पुलिस अब अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर शाबाशी लेना चाहती है जिसकी कोई जरूरत नहीं है। सवाल तो यह उठना चाहिए कि आखिर पुलिस ने उस घटना को रोकने के लिए कोई कदम क्यों नहीं उठाया था, खुलेआम हथियार लहराए जा रहे थे तो क्या यह विधि व्यवस्था पर सवाल नहीं था।

गुरु नानक देव की जयंती पर निकाली गई प्रभात फेरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में रविवार की सुबह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से भरी नजर आई। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती के अवसर पर रांची में सिख समाज की ओर से भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। शहर की गलियां 'वाहे गुरु' के जयघोष और शबद-कीर्तन से गूंज उठी। इस अवसर पर हर आयु वर्ग के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भोर होते ही सिख संगतें अपने-अपने इलाकों से एकत्र हुईं और हाथों में निशान साहिब लिए प्रभात फेरी की शुरुआत की। प्रभात फेरी रांची के प्रमुख इलाकों रातू रोड, लालपुर, स्टेशन रोड, हरमू रोड और मेन रोड से होती हुई अंत में गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने मत्था टेका और गुरु नानक देव के उपदेशों को याद किया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने गुरु वाणी का कीर्तन किया, सतनाम वाहे गुरु का उच्चारण करते हुए पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रभात फेरी में शामिल लोगों के उत्साह का आलम यह था कि ठंडी सुबह की परवाह किए बिना बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे पारंपरिक पंजाबी परिधान में सजे हुए नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह जल और चाय की सेवा की गई। साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं की ओर से लंगर का आयोजन किया गया लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। गुरुद्वारा परिसर में पहुंचने के बाद अखंड पाठ साहिब का आरंभ हुआ और संगतों ने गुरु वाणी का रसपान किया। बच्चों द्वारा गुरुवाणी कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिसने वातावरण को और अधिक भावपूर्ण बना दिया। श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव के संदेशों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। बता दें कि प्रकाश पर्व हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन को सिख समाज प्रकाश पर्व के रूप में मनाता है क्योंकि इसी दिन गुरु नानक देव जी का अवतरण हुआ था। प्रकाश पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि गुरु के विचारों, समानता, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प है। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रभात फेरी का उद्देश्य समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश देना है। गुरु नानक देव ने अपने जीवन में जात-पात, भेदभाव और अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने निरंकार ईश्वर एक है का संदेश दिया और 'नाम जपो, कीर्तन करो, वंड छको' के सिद्धांत को जीवन का आधार बताया।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

मर्सी अस्पताल में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का हुआ आगमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मर्सी अस्पताल, गिरिडीह में आज गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का आगमन हुआ। उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार से जायजा लिया निरीक्षण के दौरान अस्पताल के निदेशक श्री विश्वजीत सिंह, नीरज शाहबादी साहिल सलूजा, रणजीत गोंड एवं अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. पी. एच. मिश्रा उपस्थित रहे। सभी ने सांसद महोदय को अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं, आधुनिक उपकरणों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी।

सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने अस्पताल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की और कहा कि मर्सी अस्पताल जैसे आधुनिक संस्थान गिरिडीह जिले के लिए गर्व की बात हैं। इससे जिले के लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा अपने ही शहर में मिल रही है, जिससे ग्रामीण मरीजों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती कार्यक्रम के दौरान अस्पताल प्रबंधन ने अपने प्रेरणास्रोत श्री अमित गौंड को भी श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को भावपूर्वक याद किया सांसद ने अस्पताल के भर्ती मरीजों से भी मुलाकात की। उन्होंने उनके इलाज, मिल रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं के बारे में संतुष्टि व्यक्त की। अंत में निदेशक मंडल ने सांसद का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया और यह संकल्प दोहराया कि मर्सी अस्पताल आने वाले समय में गिरिडीह और आस-पास के इलाकों के लिए सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगा।

वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने लगाया रक्तदान शिविर, 57वीं बार रक्तदान कर बनाया उदाहरण

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। 2 नवंबर को वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन द्वारा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर थैलेसीमिया एवं रक्त की कमी से पीड़ित मरीजों की मदद के उद्देश्य से लगाया गया था।

शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष "ब्लड मैन" निर्मल जैन ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विनीत अग्रवाल द्वारा उनकी 57वीं बार एवं जनसंपर्क सचिव राजेश जैन द्वारा 38वीं बार रक्तदान करके किया गया।

इसके बाद अरमानुल हक, अभय दीपक, अरविंद, रूपम, यकीन, विवेक, अवधेश सहित कई रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मानवता का संदेश दिया। विशेष रूप से गुड्डू कुमार ने अपनी 22वीं बार रक्तदान करते हुए एक थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे की जान बचाई जिसका ब्लड ग्रुप ड-नेगेटिव था। ब्लड बैंक में यह ग्रुप उपलब्ध नहीं था, ऐसे में उनका रक्तदान जीवनदायी साबित हुआ। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष निर्मल जैन ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि 'रक्तदान एक ऐसा पुण्य कार्य है जिससे हम किसी को जीवन दे सकते हैं — यही सबसे बड़ा मानव धर्म है।' शिविर को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष विनीत अग्रवाल, जनसंपर्क सचिव राजेश सेठी एवं शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

बरही विधायक ने किया दौरवा-कुंडवा मुख्य मार्ग के पथ निर्माण का शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत दौरवा-कुंडवा मुख्य मार्ग के बासुदेव के दुकान से जगदीश उरांव के घर तक 1.650 किलोमीटर पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

इससे पहले ग्रामीणों ने विधायक का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। जिसके बाद विधायक श्री यादव ने नारियल फोड़कर शिलापट्ट का अनावरण किया। इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों, विद्यार्थियों और जतरा मेला आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। बीते दिनों हुई भारी बारिश से क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए विधायक ने तुरंत अनुशंसा कर सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाई। यह मार्ग न केवल आदिवासी जतरा मेला स्थल को जोड़ता है, बल्कि दौरवा, कुंडवा और पांचमाइल के सैकड़ों ग्रामीणों का दैनिक आवागमन इसी रास्ते से होता है। अब तक खराब सड़क के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था, विशेषकर स्कूली बच्चों और मरीजों को भारी परेशानी होती थी। विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क ही विकास की सबसे बड़ी कड़ी होती है। यह सड़क बन जाने से क्षेत्रवासियों को न केवल सुगम आवागमन मिलेगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। हमारी प्राथमिकता है कि बरही प्रखंड के हर गांव तक पक्की सड़क पहुंचे। जनता की सुविधा के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, प्रमुख मनोज रजक,स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, उपमुखिया रोहित यादव, वार्ड सदस्य मोनी टोप्पो, सेवानिवृत्त रेंजर दिलीप एक्का, पूर्व उपमुखिया प्रतिनिधि जगदीश उरांव, सोमर उरांव, वरिष्ठ समाजसेवी परमेश्वर यादव, अरुण कुमार सिंह, अरुण प्रजापति, अशोक बाड़ा, गुलेंद्र यादव, रामप्रवेश यादव, प्रकाश यादव, शिवकुमार प्रसाद, महेश यादव, तुलसी यादव, दिनेश यादव, दयानंद यादव, उमेश राम, राजेंद्र यादव, बुधन उरांव, कैलाश पंडित, राजेश यादव, प्रदीप पासवान, महादेव बाड़ा, जगदीश मेहता, राहुल यादव, हीरालाल यादव, संतोष मेहता, प्रदीप यादव सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी : बीएसएफ जवानों का हुआ भव्य स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के तहत पूर्णिया जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों में 11 नवम्बर को मतदान संपन्न होगा। निष्पक्ष, भयमुक्त एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। पर्याप्त संख्या में सैनिक बल और पुलिस बल की तैनाती की जा रही है, ताकि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष माहौल में संपन्न हो सके।

इसी क्रम में रविवार को बीएसएफ की टीम का पूर्णिया आगमन हुआ। रुपौली प्रखंड के आदर्श मध्य विद्यालय बिरौली में स्कूली बच्चों ने बैंड बाजों की धुन पर फूल-मालाओं और चंदन तिलक से जवानों का गर्मजोशी से स्वागत किया। विद्यालय परिसर में देशभक्ति का वातावरण गूंज उठा।

इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों और ग्रामीणों ने सभी से भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जवानों की मौजूदगी से जनता में सुरक्षा का भरोसा और उत्साह दोनों बढ़ा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जिले के संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा मतदान के दिन ड्रोन कैमरों से भी हालात पर नजर बनी रहेगी। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि पूर्णिया जिले में मतदान का उत्सव शांति और लोकतांत्रिक मयार्दा के साथ संपन्न हो।

बरही में सड़क हादसे में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत, मानसिक रूप से विक्षिप्त होने की आशंका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत करियातपुर नईटांड़ के पास अहले सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बरही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया।

पोस्टमार्टम के उपरांत, मृतक की पहचान नहीं हो पाने के कारण पुलिस ने शव को हजारीबाग शीतगृह भेज दिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त था और आसपास के क्षेत्रों में भिक्षा मांगकर जीवन यापन करता था।

चौपारण में अनोखी सामाजिक पहल : अहमद अंसारी बने रामचंद्र भुइयाँ, परिवार सहित अपनाया नया धर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के मध्यगोपाली गांव में रविवार को एक अनोखी सामाजिक और धार्मिक घटना सामने आई, जब ग्राम निवासी अहमद अंसारी ने अपने पूरे परिवार सहित स्वेच्छा से हिंदू धर्म अपनाया। वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुए इस संस्कार समारोह में अहमद अंसारी का नया नाम रामचंद्र भुइयाँ रखा गया।

धर्म दीक्षा कार्यक्रम का संचालन ब्राह्मण संतोष पांडेय ने किया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुद्धिकरण, हवन और यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न कराए। इस अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों — बेटी, दामाद और नाती-पोतों — ने भी विधिवत संस्कार के साथ धर्म ग्रहण किया।

रामचंद्र भुइयाँ (पूर्व में अहमद अंसारी) ने कहा, ह्महमारा यह निर्णय पूरी तरह स्वेच्छा से लिया गया है। हिंदू धर्म की भक्ति भावना, संस्कार और जीवन मूल्य हमें प्रेरित करते हैं। अब हम भगवान राम और कृष्ण की आराधना में जीवन समर्पित करेंगे।ह्व

इस अवसर पर ब्राह्मण संतोष पांडेय ने बताया कि पूरी प्रक्रिया वैदिक परंपरा के अनुसार की गई और परिवार को नए संस्कारों व परंपराओं की जानकारी दी गई ताकि वे नए जीवन में सहजता से आगे बढ़ सकें।

स्थानीय प्रशासन ने भी पुष्टि की कि यह धर्म परिवर्तन स्वेच्छा से हुआ है और इसमें किसी प्रकार का दबाव नहीं था। कार्यक्रम के आयोजन में विहिप जिला गौरक्षा गौशाला संपर्क प्रमुख शेखर गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, तथा विहिप प्रखंड मंत्री मुनेश्वर गुप्ता की अहम भूमिका रही।

मौके पर मुखिया जानकी यादव, मोहन यादव, बैजनाथ साव, मिथुन गुप्ता, शत्रुघ्न सिंह, राजेश भुइयाँ, बलराम यादव, गणेश भुइयाँ, सीताराम साव, रामदेव साव सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने ढोल-नगाड़े बजाकर चिपकाया इश्तेहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बरही थाना क्षेत्र के धनवार गांव में रविवार को पुलिस ने कंप्लेन केस संख्या 1737/24 के तहत फरार अभियुक्त के घर पर ढोल-नगाड़े बजाते हुए न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार चिपकाया।

जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई अभियुक्त मो. इजहार मियां के पुत्र अब्दुल कलाम, निवासी धनवार, के खिलाफ की गई है, जो मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था।

इस संबंध में थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश के आलोक में यह कार्रवाई की गई है ताकि अभियुक्त शीघ्र आत्मसमर्पण करे या पुलिस गिरफ्त में आए। इश्तेहार चिपकाने की प्रक्रिया के दौरान एसआई दीपक कुमार समेत बरही थाना के कई पुलिस कर्मी मौके पर मौजूद थे।

ओवैसी का गरजता संदेश, 'अब सीमांचल ठगा नहीं जाएगा'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमौर/पूर्णिया। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को अमौर प्रखंड के विष्णुपुर हाई स्कूल मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार की सियासत पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सीमांचल के लोगों को हमेशा चुनाव के वक्त याद किया जाता है, लेकिन विकास के नाम पर अब तक उन्हें सिर्फ खोखले वादे ही मिले हैं।

ओवैसी ने जदयू और राजद दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि 'सीमांचल के विकास की बातें हर बार की जाती हैं, मगर नतीजा वही ढाक के तीन पात रहा।' उन्होंने भीड़ की ओर इशारा करते हुए कहा कि अब वक्त आ गया है जब सीमांचल अपने हक की आवाज खुद उठाए और अपनी ताकत खुद तय करे। अख्तरुल ईमान के समर्थन में उमड़ी जनसभा में ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम विधायक ने अपने क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। 'नदियों के इस जाल में अब विकास की चाल भी तेज हुई है,' उन्होंने कहा। उन्होंने रसेली घाट और खाड़ी पुल पर चल रहे निर्माण कार्यों का ज़िक्र किया तथा अभयपुर में बन रहे महानंदा ब्रिज को सीमांचल की जीवनरेखा बताया।

ओवैसी ने जनता से अपील की कि वे ऐसे नेतृत्व को चुनें जो उनके मुद्दों को विधानसभा में मजबूती से उठा सके। उन्होंने साफ कहा — 'मुसलमान अब किसी के झांसे में आने वाले नहीं हैं। दशकों से हमारे वोट का इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए हुआ, लेकिन बदले में हमें सिर्फ उपेक्षा मिली। अब आर-पार की लड़ाई होगी, मुसलमानों को अपना हक खुद लेना होगा।'

जनसभा स्थल पर प्रशासन की कड़ी निगरानी रही। भीड़ के बढ़ते जनसैलाब के बीच सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती गई। ओवैसी के भाषण पर हर नारा 'इंकलाब जिंदाबाद' की गूंज में तब्दील हो गया।

हथिया में विधायक मनोज यादव ने किया नाई भवन का उद्घाटन, कहा –

'नाई समाज परिचय का नहीं, पहचान का प्रतीक है'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण। हथिया में नव-निर्मित नाई भवन का भव्य उद्घाटन रविवार को विधायक मनोज यादव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय नाई महासभा इकाई, बसरिया प्रक्षेत्र द्वारा आयोजित समारोह में विधायक यादव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें जननायक कपूरी ठाकुर की प्रतिमा भेंटकर सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक यादव ने कहा कि 'नाई समाज को किसी परिचय की जरूरत नहीं है। यह समाज सदियों से अपनी कर्मशीलता, सेवा और संगठन के लिए जाना जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि 'मैं कल भी आपके साथ था, आज भी हूं, और भविष्य में भी समाज के हर सुख-दुख में साथ रहूंगा।' इस मौके पर प्रदेश सचिव रमेश ठाकुर, जिला अध्यक्ष छेदी ठाकुर, सुरेश चंद्रवंशी, बालेश्वर ठाकुर, बैनाथ ठाकुर, बिरजू ठाकुर, प्रदीप शर्मा, गौतम ठाकुर, भरत शर्मा, प्रयाग ठाकुर, छोटन ठाकुर, राजेंद्र ठाकुर, सुरेश शर्मा, तपेश्वर ठाकुर, सुबोध ठाकुर, जयकरन ठाकुर, प्रकाश ठाकुर, सीताराम ठाकुर, भागीरथ ठाकुर, महेंद्र ठाकुर, रामचंद्र ठाकुर, पप्पू ठाकुर, राजेंद्र ठाकुर सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बिहार चुनाव को लेकर चौपारण सीमा पर सख्ती, चोरदाहा चेकपोस्ट पर वाहनों की सघन जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार की सुबह चौपारण प्रखंड स्थित चोरदाहा चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग, हजारीबाग की ओर से विशेष जांच अभियान चलाया गया।

सीमा क्षेत्र होने के कारण प्रशासन ने शराब तस्करी, अवैध धन के लेन-देन और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से एनएच-19 से गुजरने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की गहन जांच की। यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच की गई और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी हुई। अभियान का नेतृत्व अवर निरीक्षक (उत्पाद) सुमितेश कुमार कर रहे थे। उनके साथ आरक्षी अनूप कुमार सिंह तथा सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान मुस्तैदी से तैनात रहे। अवर निरीक्षक ने बताया कि चुनावी समय में कुछ असामाजिक तत्व शराब या अन्य अवैध माध्यमों से मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं, जिसे रोकने के लिए विभाग सख्ती से निगरानी रख रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान चुनाव तक नियमित रूप से जारी रहेगा, और सीमा क्षेत्रों में गश्ती और निगरानी और अधिक मजबूत की गई है। विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

उप सभापति हरिवंश ने किया झारखंड के पत्रकारों को सम्मानित

स्पीकर ने की विधानसभा द्वारा एक पत्रकार को अवार्ड देने की घोषणा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची प्रेस क्लब और आरबीएस वैदिक ट्रस्ट के संयुक्त रूप से झारखंड के पत्रकारों को रविवार के दिन सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा के उप सभापति और वरिष्ठ पत्रकार हरिवंश ने शिरकत किया। वही झारखंड विधानसभा के स्पीकर रवीन्द्र नाथ महतो, वित्त मंत्री राधाकृष्ण और पद्मश्री बलबीर दत्त ने भी शिरकत किया। कार्यक्रम रांची के लालपुर स्थित रेनड्यु होटल में आयोजित किया गया जिसमें प्रभात खबर से सेवानिवृत्त वरिष्ठ पत्रकार श्रीनिवास को रांची प्रेस क्लब और आरबीएस वैदिक ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित झारखंड जर्नलिज्म अवार्ड 2025 के तहत लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड और 51000 हजार रुपये नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनके अलावा बेस्ट रिपोर्टिंग (प्रिंट) के लिए प्रभात खबर से सेवानिवृत्त वरिष्ठ पत्रकार शकील अख़्तर, बेस्ट रिपोर्टिंग (इलेक्ट्रॉनिक)

के लिए समाचार वाला के राजकुमार सिंह, बेस्ट फ़ोटोग्राफ़ी (प्रिंट) के लिए दैनिक भास्कर के वरिष्ठ फ़ोटो जर्नलिस्ट माणिक बोस और बेस्ट वीडियो जर्नलिस्ट (इलेक्ट्रॉनिक) के लिए आजतक के वरिष्ठ वीडियो जर्नलिस्ट राकेश तिवारी को 25000-25000 के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हालाकि स्वास्थ्य कारणों से शकील अख्तर सम्मान समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। इनके आलावे आउटस्टैंडिंग अवार्ड के कैटेगरी में सोनाली दास, ब्रजेश राय, चंदन मिश्रा, दिलीप श्रीवास्तव, नीलू और श्याम किशोर को पुरस्कृत किया गया। जबकि नये उभरते प्रतिभा के रुप में गौरी को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपसभापति हरिवंश ने पत्रकारो को सम्मानित करने की पहल करने के लिए आरपीसी और आरबीसी वैदिक ट्रस्ट की काफी तारिफ की। वही उन्होने पत्रकारिता के क्षेत्र के अलावे अन्य क्षेत्रो में एआई की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर 40 लाख नौकरी जाएगी तो 60 लाख नौकरियों के अवसर बनेगें लेकिन उसके लिए तकनीकि रुप से तैयार रहना होगा।

वही वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने भी पत्रकारो के सम्मानित किए जाने की प्रशंसा करते हुए झारखंड विधानसभा के स्पीकर से पत्रकारों को सम्मानित करने की मांग की। अपने संबोधन के दौरान स्पीकर ने कहा कि उनकी मांग पर पहल करूंगा और पत्रकार को सम्मानित किया जायेगा।

पद्मश्री बलबीर दत्त ने अपने संबोधन में आयोजन की तारिफ कि और नए पीढियो को अपने वरीय पत्रकारों से गाईडलाईन लेने की सलाह दी। वही आरबीएस वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष नित्यानंद शुक्ला ने कहा कि अगर आरपीसी क्लब साथ देता रहा तो आने वाले समय में भी पत्रकारो को ट्रस्ट की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पुरस्कार समिति की जूरी ने विजेताओं के नाम का चयन किया था। जूरी में वरिष्ठ पत्रकार सह पूर्व सूचना आयुक्त बैजनाथ मिश्र, रिटायर्ड आईएएस रणेंद्र, रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो अजीत सिन्हा, रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन और आरबीएस वैदिक ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी नित्यानंद शुक्ला शामिल थे। कार्यक्रम में समाजिक राजनीतिक और कॉरपोरेट क्षेत्र से संबंधित गणमान्य भी उपस्थित थे।

पीटीआर क्षेत्र से लाखों की अवैध लकड़ी जब्त, तस्करों में हड़कंप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। वन विभाग ने पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त की है। रविवार को चलाए गए इस छापेमारी अभियान की जानकारी रेंजर नंदकुमार महतो ने दी। उन्होंने बताया कि कार्रवाई जारी है और टीम लगातार संदिग्ध ठिकानों की जांच कर रही है।

नवाटोली गांव के दो घरों से लकड़ी बरामद

गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए फॉरेस्टर परमजीत तिवारी के नेतृत्व में टीम ने नवाटोली गांव और आसपास के इलाकों में छापेमारी की। सूचना थी कि यहां बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई कर पटरा तैयार किया जा रहा है। छापेमारी के दौरान टीम ने सूबेदार लकड़ा और सुबोध खाखा के घरों से बड़ी मात्रा में कीमती अवैध लकड़ी जब्त की। जांच में यह भी सामने आया कि गांव के ही भकरू मुंडा द्वारा लकड़ी की चिराई की जा रही थी, लेकिन वन विभाग की टीम के पहुंचने से पहले वह फरार हो गया। बरामद लकड़ियों में सखुआ, शीशम, बीया और सेमल जैसी महंगी ईमारती लकड़ियाँ शामिल हैं।

अभियान जारी, कई अन्य लोगों पर भी शक

वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में कई अन्य ग्रामीण भी तस्करी के अवैध कारोबार में लिप्त हैं। इसी आधार पर टीम अन्य संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी रखे हुए है। अधिकारियों का अनुमान है कि कुल बरामद लकड़ी की कीमत लाखों रुपये तक पहुंच सकती है।

रेंजर नंदकुमार महतो ने कहा, "जंगल से लकड़ी काटने वालों के खिलाफ विभाग पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रहा है। किसी भी स्थिति में तस्करों को छोड़ा नहीं जाएगा। अभियान पूरा होने के बाद बरामद लकड़ी का विस्तृत विवरण तैयार किया जाएगा।"

पीटीआर में पत्ता तोड़ना भी जुर्म

गौरतलब है कि पलामू टाइगर रिजर्व में पर्यावरण संरक्षण को लेकर कड़े प्रावधान लागू हैं। यहां लकड़ी की कटाई तो दूर, पत्ता तोड़ना भी कानूनन अपराध है। रिजर्व की स्थापना ही वन्य जीवों और जंगल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। इसके बावजूद लकड़ी माफिया लगातार सक्रिय रहते हैं और समय-समय पर अवैध कटाई की घटनाएं सामने आती रहती हैं। वन विभाग की ताजा कार्रवाई ने तस्करों में हड़कंप मचा दिया है और उम्मीद जताई जा रही है कि इससे अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

बिना ट्रेनर सिर्फ टीवी देखकर किया कमाल, हजारीबाग की कस्तूरबा विद्यालय की छात्राएं बनीं जिला टॉपर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। सीखने का हौसला हो तो राह की सबसे बड़ी रुकावट भी छोटी पड़ जाती है। इसका बेहतरीन उदाहरण हजारीबाग के पदमा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने पेश किया है। बिना किसी शिक्षक या प्रशिक्षक के सिर्फ टीवी देखकर बैंड बजाना सीखने वाली इन बच्चियों ने जिला स्तरीय अंतर-विद्यालय बैंड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर सबको चौंका दिया है। खेलो झारखंड के तहत हजारीबाग के संत कोलंबस कॉलेज मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 10 स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया। लेकिन बाजी मारी कस्तूरबा की उन

छात्राओं ने, जिनके पास न ट्रेनर था, छात्राओं ने बताया कि विद्यालय में बैंड सिखाने वाला कोई प्रशिक्षक उपलब्ध नहीं था, इसलिए उन्होंने टीवी पर कार्यक्रम देखकर खुद ही ताल, धुन और चालें सीखीं। उनकी मेहनत का ही नतीजा रहा कि उनके प्रदर्शन की चर्चा पूरे हजारीबाग में होने लगी। शिक्षकों ने भी बच्चियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि बिना ट्रेनिंग सिर्फ टीवी देखकर इस स्तर का प्रदर्शन करना बेहद प्रेरक और काबिले तारीफ़ है।

प्रतियोगिता में जिला टॉपर बनने के बाद अब यह बैंड समूह रांची में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हिस्सा लेगा। छात्राओं की इच्छा है कि वे आगे चलकर दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना हुनर दिखाएँ और जिले का नाम रोशन करें। बच्चियों की यह सफलता साबित करती है कि मेहनत और लगन के आगे हर मुश्किल छोटी होती है, और अगर दिल में कुछ कर दिखाने का इरादा हो, तो मंज़िल खुद रास्ता दिखा देती है।

नशे में धूत युवकों ने रनिया थानेदार पर किया हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। अति नक्सल प्रभावित रनिया थाना क्षेत्र में रविवार को बड़ा हादसा उस समय हो गया, जब लोआगढ़ा बाजार में आयोजित डाइर मेले के दौरान नशे में धुत ग्रामीणों ने थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल पर हमला कर दिया। हमले में उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं और उन्हें कई टांके लगाने पड़े। फिलहाल उनका इलाज रनिया अस्पताल में चल रहा है।

शांत कराने पहुंचे अधिकारी पर ही टूटा गुस्सा

लोआगढ़ा बाजार में आयोजित डाइर मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे थे। मेले में विभिन्न स्थानों पर देसी शराब की दुकानें भी लगी थीं। इसी दौरान कुछ युवक नशे की हालत में आपस में झगड़ा करने लगे। स्थिति खराब होती देख थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल दलबल के साथ पहुंचे और मामला शांत कराने लगे। लेकिन तभी नशे में धुत युवकों ने अचानक थाना प्रभारी पर हमला कर दिया। जवानों ने तत्काल भीड़ से उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। घटनास्थल पर स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, इंस्पेक्टर अशोक सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।

देवघर में हरे पहाड़ों की छाती पर चल रही आरी, वन विभाग ने कसी लगाम, अवैध आरा मिलों पर लगातार कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। झारखंड को राज्य का दर्जा उसके समृद्ध जंगलों और पहाड़ों की संरक्षण भावना के साथ मिला था, लेकिन आज इन्हीं जंगलों पर खतरा मंडरा रहा है। राज्य की पहचान रहे घने वन और सदियों पुराने वृक्ष लकड़ी माफियाओं के निशाने पर हैं। देवघर जिले के सारठ, पालोजोरी और सारवां प्रखंडों में अवैध आरा मिलों का जाल तेजी से फैलता जा रहा है, जहां खुलेआम बड़े और पुराने वृक्षों की कटाई की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन क्षेत्रों में पचास से अधिक अवैध आरा मिलें संचालित हो रही हैं। जंगलों की शांति अब मशीनों की तेज आवाज़ में दम तोड़ रही है। जहां वन विभाग की निगरानी की आवश्यकता है, वहां अक्सर लापरवाही देखने को मिलती है। जिला वन पदाधिकारी अभिषेक भूषण ने बताया कि विभाग ने विशेष जांच अभियान चलाकर जिले में 21 अधिकृत आरा मिलों को चिन्हित किया है, जबकि बाकी सभी मिलें पूरी तरह अवैध रूप से चल रही हैं, जिससे राज्य के राजस्व और पर्यावरण दोनों को भारी नुकसान हो रहा है। विभागीय टीम अब तक कई अवैध मिलों को सील कर चुकी है और हाल ही में एक आरोपी को अदालत ने दो वर्ष की सजा सुनाई है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में गश्ती दलों की संख्या बढ़ाई जाएगी और अभियान को और आक्रामक तरीके से चलाया जाएगा, ताकि जंगलों की हरियाली पर मंडरा रहा खतरा कम किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि संथाल परगना के जंगलों में अब भी सैकड़ों वर्ष पुराने वृक्ष मौजूद हैं, जिनकी लकड़ी बाजार में लाखों रुपये में बिकती है। यही वजह है कि लकड़ी माफिया पूरे इलाके में सक्रिय हैं और कई मामलों में वन विभाग के निचले स्तर के कर्मचारियों की मिलीभगत का भी आरोप लगाया गया है। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि जब तक कार्रवाई जमीनी स्तर पर तीव्रता से नहीं होगी, तब तक जंगलों की सांसें बचाना कठिन होगा।

झारखंड में 17 साल बाद शुरू हुई जेपीएससी प्रमोशन प्रक्रिया, असिस्टेंट प्रोफेसरों में राहत और असंतोष दोनों

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में उच्च शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी एक ऐतिहासिक पहल आखिरकार शुरू हो गई है। लगभग 17 साल के लंबे इंतज़ार के बाद झारखंड लोक सेवा आयोग ने राज्य के विश्वविद्यालयों के असिस्टेंट प्रोफेसरों की पदोन्नति प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस निर्णय ने जहां बड़ी संख्या में शिक्षकों को राहत दी है, वहीं कई प्रश्न और असंतोष की आवाज़ें भी उठने लगी हैं।

2008 बैच के शिक्षकों को मिली राहत

सबसे अधिक फायदा 2008 बैच के असिस्टेंट प्रोफेसरों को होगा, जिनकी फाइलें वर्षों से लंबित थीं। रांची विश्वविद्यालय ने इस दिशा

में 144 असिस्टेंट प्रोफेसरों की सूची जेपीएससी को भेज दी है। जानकारी के अनुसार, फिलहाल पूरे राज्य में सिर्फ दो प्रोफेसर ऐसे हैं जो उपकुलपति पद के लिए आवेदन की पात्रता रखते हैं।

शिक्षक संघ ने स्वागत किया

झारखंड राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने जेपीएससी के फैसले का स्वागत किया है। संघ के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार ने कहा कि यह फैसला लंबे समय से लंबित था और इसे बहुत पहले ही लागू हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि प्रमोशन प्रक्रिया शुरू होने से शिक्षकों के करियर में नई संभावनाएं खुली हैं, हालांकि देरी के कारण कई मौकों का नुकसान भी हुआ है। उन्होंने नामों में कुछ त्रुटियों की ओर भी इशारा किया और जेपीएससी से उन्हें जल्द सुधारने की अपील की।

सीबीआई जांच सूची पर सवाल

रांची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कंजीब लोचन ने प्रमोशन प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के करीब 40 शिक्षकों के मामले अभी भी लंबित हैं। उन्होंने पूछा कि जिन शिक्षकों के नाम सीबीआई जांच सूची में हैं, उनके प्रमोशन का क्या होगा — इस पर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पारदर्शी और विधिसम्मत तरीके से पूरी होनी चाहिए ताकि किसी पर अन्याय न हो।

वास्तविक पात्र शिक्षक वंचित?

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सूची में कई ऐसे शिक्षक शामिल नहीं किए गए हैं जो वास्तविक रूप से प्रमोशन के पात्र थे, जिससे असंतोष बढ़ रहा है। उनका कहना है कि यदि जेपीएससी निष्पक्ष और स्पष्ट रूप से कार्य करे तो यह प्रक्रिया हर किसी के लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

नया अध्याय, लेकिन कई चुनौतियां

लगभग 17–18 साल बाद शुरू हुई यह प्रक्रिया राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक नया अध्याय खोल रही है। लेकिन इसके साथ कई चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं — पारदर्शिता, लंबित मामलों का समाधान, नामों में सुधार और जांच सूची से जुड़े सवाल प्रमुख हैं। अब पूरा राज्य निगाहें लगाए बैठा है कि जेपीएससी इस प्रक्रिया को कितनी तेजी और निष्पक्षता से पूरा करती है, क्योंकि यह फैसला आने वाले समय में शिक्षकों के भविष्य और विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता दोनों को गहराई से प्रभावित करेगा।

झारखंड बीजेपी के नेता संभाल रहे भागलपुर और कोसी में बिहार चुनाव की कमान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड भाजपा के नेताओं ने बिहार चुनाव में प्रचार, कार्यक्रम समन्वय जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं की कमान संभाल रखी है। खासकर भागलपुर और कोसी अंचल में झारखंड भाजपा के प्रमुख नेता महीने भर से लगे हुए हैं।

रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ पिछले पंद्रह दिनों से भागलपुर प्रमंडल की विधानसभा क्षेत्र में घूम-घूमकर कर प्रचार कर रहे हैं। जबकि प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह भागलपुर और कोसी क्षेत्र में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुनाव की निगरानी में लगे हैं।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने बताया कि भाजपा परिवार की तरह है। यहां कार्यकर्ता एक दूसरे के आयोजन-कार्यक्रम में शामिल होते हैं। पार्टी प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए पूरे देश से कार्यकर्ता यहां आए हैं। भागलपुर में चुनाव प्रचार कर रहे भाजपा नेता और पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कहा कि दोनों प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि आमलोग भी एक दूसरे से परिचित हैं। ऐसे में संवाद और संबंध का रिश्ता दशकों से बना हुआ है।

दक्षिण भारत के दो धामों का दर्शन कराएगी आइआरसीटीसी की भारत गौरव ट्रेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नए साल की शुरुआत दक्षिण भारत दर्शन और धार्मिक आस्था से करना चाहने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन जनवरी में विशेष भारत गौरव ट्रेन का संचालन करने जा रहा है, जो दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों की भव्य यात्रा कराएगी। यह विशेष पैकेज 14 रात और 15 दिनों का होगा। यात्रा 18 जनवरी से शुरू होकर 1 फरवरी को समाप्त होगी। पंबन ब्रिज के ऊपर समुद्र के मध्य से गुजरते हुए रामेश्वरम तक पहुंचना यात्रियों के लिए एक यादगार अनुभव होगा।

इन प्रमुख स्थलों का दर्शन कराएगी ट्रेन

तिरुपति बालाजी व पद्मावती मंदिर, रामेश्वरम मीनाक्षी मंदिर (मदुरै) कन्याकुमारी, तिरुअनंतपुरम, पद्मनाभस्वामी मंदिर, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग,
पुरी जगन्नाथ मंदिर।

किराया व कोचों की सुविधा

ट्रेन में स्लीपर, थर्ड एससी और सेकंड एससी की बुकिंग उपलब्ध होगी।
स्लीपर : 27,535 प्रति व्यक्ति
थर्ड एससी : 37,500 प्रति व्यक्ति
सेकंड एससी : 51,405 प्रति व्यक्ति

कोच क्षमता:

स्लीपर – 576 सीटें
थर्ड एससी – 65 सीटें
सेकंड एससी – 47 सीटें

पैकेज में यात्रा, भोजन, होटल में ठहराव और स्थानीय परिवहन की सुविधाएँ शामिल हैं। यात्रा आरंभ होने से दो दिन पहले यात्रियों को कोच संख्या, सीट और ट्रेन के सटीक प्रस्थान समय की जानकारी भेज दी जाएगी। लोअर बर्थ की गारंटी नहीं होगी। झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के यात्री इस विशेष यात्रा में शामिल हो सकेंगे। ट्रेन का मूल प्रस्थान स्टेशन बेतिया (बिहार) होगा। यात्री जसीडीह (झारखंड), आसनसोल, बांकुड़ा, मेदिनीपुर, खड़गपुर और हिजली (पश्चिम बंगाल) से भी यात्रा शुरू कर पाएंगे। धनबाद और आसपास के यात्रियों के लिए सबसे नजदीकी बोर्डिंग पॉइंट आसनसोल रहेगा, जहां से वे यात्रा आरंभ और समाप्त कर सकेंगे।

आसनसोल तक आने-जाने की व्यवस्था यात्रियों को स्वयं करनी होगी। यह यात्रा धार्मिक आस्था, दक्षिण भारतीय संस्कृति और पर्यटन प्रेमियों के लिए एक अनोखा अवसर साबित होगी।

आठ लाख के कोकीन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की। गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक टाटा मैजिक वाहन से 16 ग्राम कोकीन बरामद किया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग आठ लाख रुपये बताई जा रही है। सदर एसडीपीओ 2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि थानाध्यक्ष अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में टाटा मैजिक वाहन को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान एक काले रंग के पॉलीथिन में बारह

पुड़िया पाई गईं, जिनमें सफेद रंग का पाउडरनुमा पदार्थ था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सहायता से ड्रग्स डिटेक्शन किट से जांच की गई, जिसमें वह पदार्थ कोकीन पाया गया। वाहन से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान जय प्रकाश यादव, पिता अर्जुन प्रसाद, साकिन बिशुनपुर, अनिल यादव, पिता फेकन यादव, साकिन परिऔना, छोटे कुमार पिता फेकन यादव, साकिन परिऔना थाना नूरसराय, जिला नालंदा के रूप में हुई। बरामदगी में 16 ग्राम कोकीन, एक वीवो मोबाइल फोन, और एक केएफएफएम अंकित खोखा शामिल है। इस कार्रवाई में एनसीबी नोडल पदाधिकारी पंकज कुमार सिंह, पु.नि. मुकेश कुमार वर्मा, थानाध्यक्ष अरविंद कुमार, पु.अ.नि. रमेश पासवान, धीरज पुरी, संजीव कुमार, मनोज कुमार, तथा सिपाही पितांबर कुमार राय और मिथिलेश कुमार शामिल रहे।

ज़िला आइकॉन राहुल वर्मा ने नक्सल क्षेत्रों में चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी नवादा के निर्देश अनुसार जिला आइकॉन राहुल वर्मा के द्वारा आज नक्सल प्रभावित क्षेत्र रजौली विधानसभा के सवैयाताड़ पंचायत के मायका वेल्फेयर सफी में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। राहुल वर्मा ने बताया कि यह लगभग 600 फीट ऊंची पहाड़ों से रास्ता से चलकर यह गांव पहुंचा जो कि मेरे लिए बहुत चुनौती पूर्ण था पिछली बार इस क्षेत्र में बहुत कम वोटिंग प्रतिशत हुई थी जिसके कारण यहां लोगों के बीच मतदान के प्रति जागरूक किया गया।

मतदाता जागरुकता रथ रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। आगामी 6 नवंबर 2025 को होने वाले बिहार विधानसभा आम निर्वाचन को सफल एवं शत-प्रतिशत मतदान के उद्देश्य से निर्वाचन विभाग की ओर से मतदाता जागरूकता रथ को शनिवार को सोगरा हाई स्कूल बिहारशरीफ परिसर से रवाना किया गया। इस रथ का उद्देश्य जिले के मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित करना और उन्हें लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी के लिए जागरूक बनाना है। रथ नालंदा जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों 171 अस्थावां, 172 बिहारशरीफ, 173 राजगीर (अ.जा.), 174 इस्लामपुर, 175 हिलसा, 176 नालंदा और 177 हरनौत के अंतर्गत उन मतदान केंद्रों पर पहुंचेगा जहां पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा था। जागरुकता रथ के माध्यम से डॉक्यूमेंट्री फिल्में, ऑडियो-विजुअल संदेश और स्लोगन के जरिये लोगों को स्वच्छ, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता चाहे वह महिला, पुरुष, युवा, दिव्यांग या थर्ड जेंडर हो मतदान से वंचित न रह जाए। सभी ने एक सुर में कहा कि लोकतंत्र की सशक्तता तभी संभव है जब हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग जिम्मेदारी से करे।

वृक्ष के बिना मानव जीवन असंभव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। अखिल विश्व गायत्री परिवार की प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ जहानाबाद के द्वारा 231वें रविवासरीय साप्ताहिक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन जहानाबाद जिले के काको स्थित मंडल कारा परिसर में संपन्न हुआ। पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोचारण एवं पौधों का पूजन के साथ किया गया। तत्पश्चात परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित कारा अधीक्षक अजीत कुमार ने कहा कि वृक्ष शाश्वत रूप से पृथ्वी पर जीवन का आधार है। वृक्ष की सेवा, संरक्षण और संवर्धन हमारे पूर्वज उसमें ईश्वर का

अंश मानकर करते आए हैं। आज का औद्योगिक और उपभोक्तावादी समाज ने पेड़-पौधों और जंगल का दोहन करते हुए इसे नष्ट करने पर तुला है। उन्होंने बताया कि वृक्ष के बिना मानव जीवन तो दूर, हम पृथ्वी पर जीवों की भी कल्पना नहीं कर सकते हैं। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक वर्ष कम से कम पांच से 10 पौधे जरूर लगाएं और उसकी रक्षा एवं पालन पोषण अपने बच्चों के समान करें। उन्होंने धार्मिक उद्धरण देते हुए कहा कि शास्त्र संवत् भी है कि इससे बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता है। उन्होंने गायत्री परिवार के युवा सदस्यों द्वारा चलाए जा रहे सप्ताहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आप लोगों के द्वारा किया जा रहा यह कार्य मानवता के लिए प्रेरित और धर्म सम्मत है। उन्होंने कहा कि इसमें हर लोगों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए एवं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए संकल्पित होना चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम में जेलर भोला प्रसाद शर्मा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम के जिला प्रभारी रंगेश कुमार,जिला मीडिया प्रभारी बचन देव कुमार, सहायक ट्रस्टी श्याम नारायण कुमार, व्यवस्थापक कौशल कुमार, आर्यन राज,शिशुपाल सिंह, अजीत कुमार, भारती जी,विनोद कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राजेश कुमार, संटू कुमार एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

शौचालय की टंकी में गिरा किशोर, मौत

शौच के लिए गया था किशोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। प्रखंड के सिसवनिया पंचायत के विशुनपुरवा मोमिन टोला में रविवार की दोपहर शौच करने के दौरान अचानक शौचालय की टंकी का ढक्कन भर भराकर गिर गया और टंकी में गिरकर हुसैन अंसारी के 12 वर्षीय पुत्र की मौत हो गई।

मृत युवक के पिता हुसैन अंसारी ने बताया कि उनका पुत्र सैफ अली रविवार की दोपहर में अपने घर में बने शौचालय में शौच करने गया था।

शौचालय की टंकी पर ही सीट बना था, जो जर्जर हो चुका था। शौच करने के दौरान टंकी के जर्जर ढक्कन के टूटने से टंकी में गिर गया। कुछ देर बाद किशोर की मां स्नान करने गई तो देखी की टंकी का ढक्कन टूटा हुआ है और सैफ अली भी कही दिखाई नहीं दे रहा है।

किशोर की मां के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य पहुंचे और शौचालय की टंकी में बास डालकर किशोर को बाहर निकाला।

किशोर बेहोशी की हालत में था। उसे नहलाकर लौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन सैफ अली के शव को लेकर घर चलें गए। हालांकि पुलिस भी पहुंची थी, लेकिन स्वजन ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

स्थानीय मुखिया कन्हैया प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि सैफ अली दो भाई और दो बहनों में सबसे बड़ा था। सिसवनिया चौक स्थित सिंह चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल में चौथी क्लास का छात्र था। वह पढ़ने में भी काफी तेज था। मृतक के पिता घर ढालने का कार्य करते हैं।

आदिवासी परिवार ने किया धर्मांतरण, रोष

गांव में तनाव का माहौल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोला। गोला थाना क्षेत्र के तिरला कल्याणपुर गांव में एक आदिवासी परिवार ने ईसाई धर्म अपना लिया है। इससे गांव में तनाव बना हुआ है। बताया गया गांव के परमेश्वर मुंडा व पत्नी पोकली देवी व पुत्र राज मुंडा ने एक माह पहले ईसाई धर्म अपना लिया है।

इसकी जानकारी उनके परिवार के अन्य सदस्यों व ग्रामीणों को होने के बाद लोग आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों के अनुसार परमेश्वर अपने परिवार के साथ तिरला गांव में रहकर मजदूरी का काम करता है। इस दौरान उनलोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया।

इसकी जानकारी तब हुई जब परमेश्वर अपने कुल देवता और सरना झंडा को नदी में प्रवाहित कर दिया। मामले को लेकर गांव में कई बार बैठक हो चुकी है। इसमें परमेश्वर व उनके परिवार को बुलाया गया।

समाज के लोगों ने परमेश्वर व उसके परिवार से सरना धर्म में लौटने की अपील की। लेकिन परमेश्वर ने पंचों के समक्ष ईसाई धर्म में ही अपना जीवन व्यतीत करने की बात कही। मुखिया पति सचिन दांगी, पूर्व जिप सदस्य गोबिंद मुंडा, रामप्रसाद करमाली, सन्नी देवल महतो ने युवक को काफी समझाया। इनके बातों को सुनने के बाद वह चुपचाप हो गए। बताया गया कि परमेश्वर को इसाई धर्म में शामिल होने से रोग मुक्त जीवन कटने का बात सरला कलां निवासी राम कुमार महली के द्वारा बताया गया।

इससे प्रभावित होकर वह इशाई धर्म अपना लिया। इस संबंध में पूर्व जिप सदस्य गोबिंद मुंडा ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में समाज के लोगों को ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में विशेष कानूनों के प्रावधानों के बावजूद जनजातियों को जबरन ईसाई- हिंदू- मुस्लिम में मतांतरण कराना असंवैधानिक है। इस पर प्रशासन को सख्त करवाई करना चाहिए।

विकास की बाट जोह रहा हदहदवा जलप्रपात

ककोलत की तर्ज पर विकास की संभावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया जिले के दक्षिणी इलाके में बैताल पंचायत अंतर्गत कुबड़ी व बैताल सीमा क्षेत्र में स्थित हदहदवा जलप्रपात विकास की बाट जोह रहा है। ढढिया हदहदवा और ऊपरी पहाड़ी से बहता यह सदा नीरा जलस्रोत न केवल स्थानीय लोगों की जीवन रेखा है बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य का अनोखा प्रतीक भी है।

जमींदारी काल में यह स्थल सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र रहा है, परंतु सरकारी उपेक्षा और माओवादी प्रभाव के कारण वर्षों से यह स्थल गुमनामी में चला गया।

स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, जमींदारी समाप्ति के बाद क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों के बढ़ने से यहां की सांस्कृतिक परंपराएं भी समाप्त हो गईं। एक समय सावन पूर्णिमा और बसंत पंचमी के अवसर पर यहां तीन दिवसीय नाटक, नृत्य और लोक संगीत के आयोजन होते थे। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ी से गिरते जल की गर्जना और आसपास की प्राकृतिक छटा इसे एक रमणीक स्थल बनाती है।

वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी ने बताया कि हदहदवा जलप्रपात अब सरकार के संज्ञान में आ गया है। स्थल का सर्वे कर भौगोलिक स्थिति का आकलन किया जाएगा। पहाड़ी के नीचे चेक डैम का निर्माण कर इसे सिंचाई और पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित किया जाएगा। इससे जलस्तर बरकरार रहेगा और आसपास के गांवों को सिंचाई सुविधा मिलेगी।

पंचायत मुखिया मिथुन पासवान ने बताया कि आज भी सावन पूर्णिमा, बसंत पंचमी और नए वर्ष पर ग्रामीण यहां स्नान कर वनभोज का आयोजन करते हैं।

65 वर्षीय सूरज यादव बताते हैं कि उन्होंने इस झरने को सालों भर बहते देखा है। गर्मी की ऋतु में भी यह पानी मानव और पशुओं के लिए अमृत जैसा साबित होता है।

ग्रामीणों का मानना है कि यदि इस पर चेक डैम बनाया जाए तो यह क्षेत्र सिंचाई के साथ-साथ पर्यटन के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बना सकेगा। सरकारी पहल से हदहदवा जलप्रपात फिर से अपने गौरवशाली इतिहास को जी उठेगा और ह्यगया का ककोलतह्न बनकर उभरेगा।

उपेन्द्र कुशवाहा ने राजद पर कसा तीखा तंज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरैया। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के सुप्रीमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने शनिवार को बिना किसी का नाम लिए लालू राज पर तीखा प्रहार किया। कहा कि उस दौर में मुख्यमंत्री से लेकर अधिकारी व चपरासी तक, सभी पदों पर सिर्फ एक ही समाज का वर्चस्व दिखता था।

दूसरे समाजों की कोई चिंता नहीं की जाती थी। नीतीश कुमार सत्ता में आए, तब समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हुई। गांव-गांव में विकास व समान अवसरों की भावना जगी।

सरैया प्रखंड के जगत सिंह उच्च विद्यालय मनिकपुर हाईस्कूल मैदान में वह एनडीए समर्थित रालोमो उम्मीदवार मदन चौधरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रत्याशी को माला पहनाकर जनता से समर्थन की अपील की।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को पंचायती राज में आरक्षण देकर सशक्त बनाया। आज पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित व महादलित परिवारों की बेटियां और बहुएं मुखिया, प्रमुख, जिला परिषद अध्यक्ष तथा मेयर बन रही हैं।

वे अब जिलाधिकारी से आंख मिलाकर अपनी बात रखती हैं। यही असली सामाजिक परिवर्तन है। कहा नीतीश कुमार पहली बार किसान चाची राजकुमारी देवी से मिलने उनके गांव पहुंचे थे। उनके काम को राष्ट्रीय पहचान मिली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया।

कुशवाहा ने कहा कुछ लोग जनता को दिग्भ्रमित करने में लगे हैं। चेताया कि अगर लोग भ्रमित हुए तो बिहार फिर उसी पुराने जंगलराज में लौट जाएगा। काराकाट का उदाहरण देते हुए कहा वहां इसी कारण गलत परिणाम सामने आए।

उन्होंने अपील की कि जनता सतर्क रहे और विकास की सरकार को ही समर्थन दे। राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि वे बदलाव की बात करते हैं, लेकिन टिकट वितरण में आपराधिक छवि वाले लोगों को प्राथमिकता दी गई।

वे राज्य में कैसा बदलाव लाएंगे। एनडीए सरकार को काम करने का मौका मिला तो अपराध पर नियंत्रण हुआ, सड़क व बिजली की सुविधा पहुंची। महिलाओं के खाते में 10 हजार राशि दी गई, बिजली व अनाज की सुविधा मुफ्त हुई। अध्यक्षता रालोमो के जिलाध्यक्ष रामेश्वर सिंह कुशवाहा व संचालन हम पार्टी के जिलाध्यक्ष संजर आलम ने किया।

रोड शो में बाधा पहुंचाने के मामले में छह गिरफ्तार

बक्सर। स्थानीय थाना क्षेत्र के अरियांव ब्रह्मस्थान के पास से गुजर रहे भाजपा सांसद मनोज तिवारी के रोड शो में व्यवधान डालने के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में 11 लोगों को नामजद करते हुए 15 से 20 अज्ञात लोगों को भी आरोपित बनाया गया है। प्राथमिकी प्रशासन की ओर से कराई गई है। प्रशासन की ओर से नंदन या अरियांव तक रोड शो की निगरानी के लिए बतौर दंडाधिकारी मनरेगा के पंचायत तकनीकी सहायक धनजी सिंह के बयान पर प्राथमिकी की गई है। इसमें कहा गया है कि अरियांव ब्रह्म स्थान के पास 25 से 30 लोगों ने राष्ट्रीय जनता दल का झंडा दिखाते हुए राजद जिंदाबाद और बीजेपी मुर्दाबाद का नारा लगाया। साथ ही रोड शो में व्यवधान पैदा करने की कोशिश की। आवेदन में कहा गया है कि सशस्त्र बलों ने उपद्रवियों को तितर-बितर करते हुए काफिले को सुरक्षित आगे निकाल लिया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने रात में ही कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें सोनू कुमार, सुमन कुमार, गोरख यादव, रोहित कुमार, अरुण यादव, मुकेश शामिल हैं।

पर्दानशीं कर्मी करेंगी बुर्के वाली वोटरों की पहचान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। विधानसभा चुनाव के दौरान जिले के मुस्लिम बहुल इलाके में बूथों पर बुर्के में आने वाली महिलाओं की निगरानी के लिए जिलेभर में 257 पर्दानसीन महिला कर्मियों की तैनाती की जाएगी।

महिला कर्मी उनकी पहचान सुनिश्चित करेंगी। प्रत्येक बूथ पर एक-एक पर्दानसीन महिला कर्मी की तैनाती की जाएगी। बूथों पर उसी पर्दानसीन महिला कर्मी की तैनाती की जाएगी, जिनका घर संबंधित मतदान केंद्र में पड़ता है, ऐसे में उस बूथ की प्रत्येक महिला को वह आसानी से पहचान सकेंगी। पहचान में गड़बड़ी मिलने पर मतदान से वंचित कर दिया जाएगा। जिला अंतर्गत तीनों विधानसभा जहानाबाद, घोसी व मखदुमपुर में करीब 257 बूथ चिह्नित किए गए हैं, वे सभी बूथ मुस्लिम बहुल इलाके में हैं इन बूथों पर कुल 257 पर्दानसीन महिला कर्मियों की तैनाती की जाएगी। घोसी विधानसभा में 58, जहानाबाद में 126 तथा मखदुमपुर विधानसभा में 73 पर्दानसीन महिला कर्मियों की तैनाती की जानी है, जिस गांव में बूथ होगा उसी गांव की पर्दानसीन महिला कर्मी को इस काम में लगाया जाएगा। जिले में 11 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होना है। 14 नवंबर को एसएस कॉलेज में मतगणना होगी। चुनाव मैदान में कुल 31 प्रत्याशी डटे हैं। इनके बीच चुनाव चिह्न का आवंटन कर दिया गया है। किसी को कड़ाही तो किसी को सेब, ईंट आदि चुनाव चिन्ह दिया गया है।

मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल को उनका अपना चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। तीनों विधानसभा में कुल आठ लाख आठ हजार 152 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान के लिए तीनों विधानसभा क्षेत्र में कुल 1009 बूथ बनाए गए हैं।

सबसे अधिक बूथ जहानाबाद विधानसभा में 375 व सबसे कम 305 मखदुमपुर विधानसभा में हैं। घोसी विधानसभा में 329 बूथ बना है। सभी मतदान केंद्रों पर इस बार वेब कास्टिंग की व्यवस्था की गई है।

गर्दन दबाकर बहू की हत्या

मुजफ्फरपुर। जैतपुर ओपी इलाके में कुछ लोगों ने दाह-संस्कार के लिए श्मशान घाट ले गए एक महिला के शव को छोड़कर फरार हो गए। इसको लेकर श्मशान घाट में अफरातफरी मची रही।

ग्रामीण की सूचना पर सरैया और जैतपुर की पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा। मृतका विजय भगत की 35 वर्षीय पत्नी रिंकू देवी बताई गई है। मृतका के चाचा शिवमंगल भगत ने बताया कि उसके भतीजी को ससुराल के लोगों ने मारपीट करके रस्सी से गर्दन दबाकर हत्या कर दिया है। सूचना मिलने पर वह उसके घर के पास गए थे।

जंगली जानवरों की डर से आलू की खेती छोड़ रहे किसान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। प्रखंड क्षेत्र में पहले आलू की खेती व्यापक पैमाने पर होती रही है, परंतु हाल के कुछ वर्षों में जंगली जानवरों के आतंक से किसान इसकी खेती करने से मुंह मोड़ने लगे हैं। अपनी फसल को सुरक्षित रख पाने के समुचित संसाधन भी किसानों के पास नहीं हैं। इतना ही नहीं जिन भागों में अभी किसान इसकी खेती कर भी रहे हैं, तो आलू को सुरक्षित रखने के लिए भंडारण की भी व्यवस्था नहीं है।

वर्तमान में पूरे प्रखंड क्षेत्र में कहीं भी कोल्ड स्टोरेज नहीं है। कृषि प्रधान इस प्रखंड में पूर्व में कई नगदी फसलों की खेती किसान करते रहे हैं। आलू, गन्ना समेत इन व्यावसायिक फसलों को पैदा कर किसान अपनी अन्य जरूरतों को पूरा करते थे।

इससे आलू की प्राथमिकता के आधार पर किया जाता रहा है, लेकिन जंगली जानवरों के आतंक से यहां के किसान प्रतिवर्ष अब आलू को घाटे का सौदा मान खेती का दायरा काफी कम कर चुके हैं।

किसान रामजी सिंह, ललन महतो, प्रदीप कुमार समेत कई किसानों का कहना है कि अगर इस क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज होता, तो उत्पादित आलू को उचित मूल्य पर बिक्री करने के लिए कोल्ड स्टोरेज में सुरक्षित रख देते, लेकिन यहां के किसानों की स्थिति यह है कि आलू खेत से निकलते ही उसी समय व्यापारी के हाथों बेचना पड़ जाता है। अधिक समय बाहर रखने से आलू बर्बाद हो जाता है।

प्रखंड क्षेत्र में दर्जन भर गांव में इक्का-दुक्का किसान ही अब आलू की खेती कर रहे हैं। पांच साल पहले तक इन गांवों में आलू की अच्छी पैदावार होती थी। जंगली जानवरों के चलते किसान आलू की खेती से लगातार मुंह मोड़ रहे हैं।

प्रखंड मुख्यालय के समीपवर्ती गांव बाबूगंज, रामडिहरा, सोनरा, महाराजगंज, ककाली बीघा, पड़रिया सहित दर्जनों गांव में पहले व्यापक पैमाने पर आलू की खेती होती थी, परंतु अब खोज डालिए कहीं भी आलू की खेती नहीं मिलेगी।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी अमरनाथ मिश्रा के आते ही किसानों ने यही एकमात्र मुद्दा उठाया। उनसे जंगली जानवरों से निजात दिलाने की मांग भी की है। रामदेवरा के एक किसान रामजी सिंह ने आलू की खेती की है।

तेजस्वी की इंट्री से गरमायी राजनीति

हाजीपुर। बिहार की राजनीति में इन दिनों भाई बनाम भाई का नया अध्याय खुल गया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के दोनों बेटे तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव महुआ सीट पर आमने-सामने नजर आ रहे हैं। बड़े भाई की चेतावनी के बाद भी महागठबंधन के स्टार प्रचारक और मुख्यमंत्री पद उम्मीदवार तेजस्वी यादव रविवार को राजद उम्मीदवार मुकेश रोशन के प्रचार के लिए महुआ पहुंच गए। जहां उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित किया। हालांकि इस दौरान एक बार भी भाई तेज प्रताप यादव का नाम नहीं लिया। सीधे-सीधे भाजपा और नीतीश सरकार पर हमलावर रहे।

महुआ वह सीट है जहां से तेजस्वी के बड़े भाई तेजप्रताप इस बार चुनावी मैदान में हैं। असल में लालू प्रसाद ने तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित कर रखा है। जिस वजह से तेज प्रताप अपनी स्वयं की पार्टी जनशक्ति जनता दल बनाकर महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

हैदराबाद ले जायी जा रही किशोरी पूर्णिया से बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। जिले बसंतराय थाना क्षेत्र से भगा कर हैदराबाद ले जाई जा रही किशोरी को पूर्णिया से बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने किशोरी के साथ पांच अपहरणकर्ताओं को भी धर दबोचा है।

बसंतराय थाना प्रभारी रामदेव वर्मा ने इसकी पुष्टि की है। बताया जाता है कि बसंतराय थाना क्षेत्र के रणसी गांव का परवेज आलम जो हैदराबाद में मैकेनिक का काम करता है, का प्रेम प्रसंग उक्त किशोरी से चल रहा था।

प्रेमी-प्रेमिका दोनों मुस्लिम समुदाय से है। परवेज आलम उक्त किशोरी को हैदराबाद से लेने के लिए रणसी गांव आया था। किशोरी को भगाने में परवेज के दोस्तों ने भी अहम भूमिका निभाई। इसमें मो. मतीन और मो. परवेज हसन सहित दो अन्य दोस्तों को पुलिस ने पूर्णिया में जांच के क्रम में धर दबोचा।

सभी चारपहिया वाहन से पूर्णिया जा रहे थे। वहां से हवाई जहाज से हैदराबाद जाने की योजना थी, लेकिन पूर्णिया की पुलिस ने वाहन जांच के क्रम में सभी को पकड़ लिया। किशोरी नाबालिग है। किशोरी को चार दिन पहले ही अपने घर से बहला फुसला कर भगा लिया था।

किशोरी का प्रेमी परवेज आलम हैदराबाद ले जाने के लिए अपने दोस्तों को इस योजना में शामिल किया। इसमें अब पांच आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जाता है कि पूर्णिया में वाहन जांच के दौरान पुलिस को संदेह हुआ। पुलिस ने किशोरी और वाहन में सवार युवकों से कड़ाई से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद पूर्णिया की पुलिस ने ही किशोरी के स्वजनों को इसकी जानकारी दी कि उनकी बेटी को पांच युवक बहला फुसलाकर हैदराबाद ले जा रहे हैं।

इसके बाद स्वजनों ने बसंतराय थाना में मामला दर्ज कराया। इसके बाद

बसंतराय थाना की पुलिस ने पूर्णिया जाकर किशोरी को बरामद कर अपने साथ गोड्डा लेकर आई। साथ ही सभी पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

सभी को रविवार की देर शाम जेल भेज दिया गया। बसंतराय थाना प्रभारी रामदेव वर्मा ने कहा कि प्रेमी-प्रेमिका एक ही समुदाय से है। किशोरी का कथित प्रेमी परवेज आलम हैदराबाद में मैकेनिक है। वह अपने दोस्तों के साथ मिलकर किशोरी को उसके घर से भगा कर हैदराबाद लाना चाहता था लेकिन पूर्णिया पुलिस की तत्परता से किशोरी को भगाने वाला कथित प्रेमी परवेज आलम और उसके मो. मतीन, मो. परवेज हसन सहित दो अन्य अब पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। स को जेल भेज दिया गया।

अस्पताल में दो वर्षों से बंद है अल्ट्रासाउंड मशीन, मरीजों की फजीहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। मगध प्रमंडल के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में पिछले दो वर्षों से अल्ट्रासाउंड सेवा ठप है। इस वजह से हजारों मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। अस्पताल प्रशासन की मानें तो रेडियोलॉजिस्ट (अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ डॉक्टर) की कमी के कारण यह महत्वपूर्ण जांच सुविधा बंद है।

हर दिन दूर-दराज इलाकों से आने वाले मरीज यहां अपनी बीमारी का इलाज कराने पहुंचते हैं, लेकिन जब डॉक्टर अल्ट्रासाउंड जांच लिखते हैं, तो उन्हें निजी क्लीनिक का रुख करना पड़ता है। वहां जांच कराने में मरीजों को 1000 से 1200 रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों के लिए यह स्थिति बेहद कठिन हो गई है।

कुछ साल पहले तक मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच नियमित रूप से होती थी। तब यहां तीन रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर तैनात थे। हर दिन मरीजों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जाती थी। धीरे-धीरे डॉक्टरों के पद खाली होते चले गए। पहले एक डॉक्टर के ट्रांसफर होने के बाद सप्ताह में दो-तीन दिन ही जांच होती थी। फिर एक और डॉक्टर के चले जाने से सेवा पूरी तरह ठप हो गई।

अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार, ओपीडी में रोजाना करीब 1500 से 1800 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से औसतन 300 मरीजों को डॉक्टर अल्ट्रासाउंड जांच के लिए लिखते हैं।

सेवा बंद होने के कारण ये सभी मरीज बाहर के निजी क्लीनिकों में जाकर जांच कराते हैं। बाहर जांच कराने में न केवल समय बल्कि काफी पैसा भी खर्च करना पड़ता है।

अल्ट्रासाउंड सेवा बंद होने से शहर के निजी क्लीनिकों की कमाई बढ़ गई है। जो जांच सरकारी अस्पताल में मुफ्त होती थी, उसके लिए अब मरीजों को जेब ढीली करनी पड़ रही है। एक मरीज ने बताया कि डॉक्टर ने पेट दर्द की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड लिखा था, लेकिन अस्पताल में सुविधा नहीं होने से उन्हें बाहर जाकर जांच करानी पड़ी। इसके लिए उन्हें 1100 रुपये खर्च करने पड़े।

अस्पताल अधीक्षक डा के के सिन्हा ने स्वीकार किया कि फिलहाल अल्ट्रासाउंड सेवा बंद है। उन्होंने बताया, ह्वरेडियोलाजिस्ट के अभाव में सामान्य मरीजों का अल्ट्रासाउंड नहीं हो पा रहा है। केवल पुलिस जांच से जुड़े केसों में अदालत के आदेश पर अल्ट्रासाउंड कराया जाता है। अधीक्षक ने यह भी कहा कि उच्चाधिकारियों को स्थिति की जानकारी दी जा चुकी है। यदि डॉक्टर की नियुक्ति या प्रतिनियुक्ति की जाती है, तो सेवा दोबारा शुरू की जा सकती है।

दरभंगा में बरसे अश्विनी चौबे

दरभंगा। भाजपा के स्टार प्रचारक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा है कि बक्सर के जेल में मोटका रस्सा तैयार होता है। वह पूरे देश में जाता है। 14 नवंबर के बाद मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री बनने के लिए मुंगेरी लाल का हसीन सपना देखने वालों को जनता मोटका रस्सी से फांसी पर लटकाने का काम करेगी। उनका राजनीतिक अंत हो जाएगा।

दिल्ली एवं बिहार के पप्पू, सप्पू, लप्पू, गप्पू सब समाप्त हो जाएंगे। नौकरी के बदले जमीन लेने के मामले में अभी जमानत पर हैं। इसके बाद मुख्य कैदी बनकर रह जाएंगे। उन्होंने भगोड़े लोगों पर अपना वोट बर्बाद नहीं करने की अपील की। वे शनिवार को शहर के पूअर होम चौक स्थित राजग कार्यालय में मीडिया से मुखातिब थे। चौबे ने कहा कि जाति से राजनीति नहीं होती है सनातन संस्कृति के माध्यम से हमने देश एवं राज्य में विकास किया है। देश में 82 प्रतिशत लोग सनातन संस्कृति के हैं। जिसके डीएनए में ही भ्रष्टाचार एवं नरसंहार का रक्त संचारित होता है।

अतिक्रमणकारियों से मुक्त हुआ शेरशाह का मकबरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम । अफगान वास्तुकला के प्रतीक शेरशाह मकबरा के दिन बहुरने लगा है। लगभग दो वर्ष पूर्व केंद्र सरकार द्वारा रोहतास जिले के दो धरोहरों को स्वदेश भारत दर्शन योजना में शामिल किए जाने के बाद इन विरासतों को संवारने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समाहरणालय के पास बने मुख्य द्वार को रंग-रोगन कर उसे रंग-बिरंगी लाइटों से सजा दिया गया है। वहीं मकबरा को भी संवारने का काम किया जा रहा है ताकि सैलानियों व पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सके। साथ ही मुख्य द्वार को सब्जी विक्रेताओं के कब्जे से भी मुक्त करा दिया गया है।

दुकानदारों के कब्जे से मुख्य द्वार कब तक मुक्त रहेगा, यह तो आने वाला दिन ही बताएगा। कारण कि रौजा रोड का प्रवेश स्थल अभी भी सब्जी विक्रेताओं के कब्जे में है।

बता दें कि दो वर्ष केंद्र सरकार ने जिले के कैमूर पहाड़ी पर स्थित रोहतासगढ़ किला व उसके समीप के कैमूर वन्य प्राणी अभ्यारण्य इलाके के अलावा शेरशाह मकबरा को स्वदेश दर्शन भारत 2.0 में शामिल कर उसे विकसित करने का निर्णय लिया था। वहीं चार वर्ष पूर्व सरकार के शिक्षा मंत्रालय व पर्यटन विभाग ने नई शिक्षा नीति के तहत सासाराम को सौ पर्यटन केंद्र वाले शहरों में शामिल करने का काम किया था। इसके लिए राज्य पर्यटन विभाग ने डीएम की अध्यक्षता में एक कार्यान्वयन समिति का भी गठन किया है, जिसमें अधिकारियों के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को शामिल किया गया है।

इन दोनों स्थलों का समग्र विकास हो इसे लेकर समिति द्वारा व्यापक कार्ययोजना भी बनाई गई है, जिसे धरातल पर उतारने का काम किया जा रहा है।

रोहतास जिला पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जिला माना जाता है। यहां पर दो दर्जन से अधिक सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत से जुड़ी धरोहरें हैं, जिसकी अपनी एक पहचान है। इन्हीं धरोहरों में शेरशाह का मकबरा व रोहतासगढ़ किला के अलावा चंदन शहीद पहाड़ी स्थित अशोक शिलालेख, महादेव खोह, तुतला भवानी, मांझर कुंड, धुआं कुंड, ताराचंडी धाम, गुप्ताधाम, पायलट बाबा धाम, दुर्गावती जलाशय, शेरगढ़ किला, चाचा फगुमल गुरुद्वारा प्रमुख रूप से शामिल हैं, जहां पर प्रत्येक वर्ष काफी संख्या में सैलानी व श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। इससे जिले में रोजगार के साथ-साथ समृद्धि का भी द्वार खुल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ठोस चार्जशीट दाखिल करने के लिए एसीबी आरोपियों के विरुद्ध जुटा रहा पुख्ता साक्ष्य

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) इस बार पुख्ता साक्ष्यों के साथ एसीबी आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट भी दाखिल करने की तैयारी में है। अबतक की छापेमारी के दौरान दो भी डिजीटल उपकरण, दस्तावेज व अन्य सामग्रियों को जब्त किया गया है, उसके आधार पर आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। एसीबी ने इस मामले में 20 मई को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की थी। लेकिन गिरफ्तारी से निर्धारित समय सीमा 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं करने की वजह से इस मामले के अधिकांश आरोपी जमानत पर जेल से बाहर आ गए।एसीबी ने शराब घोटाले में जांच फिर से तेज की है। फर्जी बैंक गारंटी पर शराब दुकानों में मैनपावर आपूर्ति का ठेका लेने वाली प्लेसमेंट एजेंसी से जुड़े तीन संचालकों की गिरफ्तारी तथा नेक्सजेन आटोमोबाइल के संचालक विनय सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर 198 फाइल जब्त किए गए हैं।एसीबी मुख्यालय में शुक्रवार को भी उत्पाद विभाग के दो पूर्व सचिव मनोज कुमार व मुकेश कुमार से छह घंटे तक पूछताछ हुई। पूर्व सचिव मनोज कुमार से लगातार तीन दिनों तक व मुकेश कुमार से लगातार दो दिनों तक पूछताछ पूरी हो चुकी है। हइन दोनों को आने वाले दिनों में फिर से पूछताछ के लिए बुला सकती है।

डीएमएफटी से अलग हुए दो चिकित्सक आयुष्मान से जुड़कर देंगे सेवा

धनबाद, एजेंसी। सदर अस्पताल में डीएमएफटी मद से बहाल 11 चिकित्सकों की सेवा शुक्रवार को समाप्त हो जायेगी. इनमें से दो चिकित्सकों को आयुष्मान भारत योजना से जुड़ने का निमंत्रण जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से दिया गया है. इनमें सर्जन डॉ संजीव गोलास व ऑर्थोपेडिक चिकित्सक डॉ मुकेश प्रसाद शामिल हैं. शुक्रवार को दोनों चिकित्सकों को आयुष्मान योजना के तहत जुड़कर अस्पताल में सेवा देने संबंधित पत्र सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के माध्यम से प्रदान किया जायेगा. इसके बाद दोनों चिकित्सकों को प्रति मरीज चिकित्सीय परामर्श पर 300 रुपये का भुगतान किया जायेगा. इन चिकित्सकों से किस-किस दिन सेवा ली जायेगी. इस संबंध में अगले कुछ दिनों में निर्देश जारी किया जायेगा. उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर सभी चिकित्सकों को सेवा मुक्ति संबंधित पत्र दिया जा चुका है. डीएमएफटी से सेवा समाप्त हुए चिकित्सकों में इन दोनों चिकित्सक के अलावा डेंटिस्ट डॉ स्नेहा केशरी, डॉ सुधीर कुमार, डॉ नीतीश कुमार पांडेय, एमओ डॉ पीयूष पानी पांडेय, डॉ रीना जायसवाल, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ मनोज कुमार, पेडियाट्रिशियन डॉ राजेंद्र कुमार, गायनेकोलॉजिस्ट डॉ रूमा प्रसाद, एमओ डॉ सैयद मासूम आलम आदि शामिल हैं. सदर अस्पताल में पेडियाट्रिशियन की पहले से कमी है. डीएमएफटी से बहाल एक चिकित्सक की सेवा समाप्त होने के बाद गैप और बढ़ गया है. इस स्थिति से निबटने के लिए अन्य केंद्रों के तीन चिकित्सकों से सप्ताह में दो-दो दिन कर सेवा लेने का निर्णय लिया गया है. एसएनएमएमसीएच के एसएनसीयू विभाग में कार्यरत डॉ विश्वजीत प्रताप सिंह, सीएचसी निरसा के डॉ अजहरूल हक शाही व एमओ डॉ कुमार गौतम सप्ताह में दो-दो दिन सदर अस्पताल के पेडियाट्रिक विभाग में सेवा देंगे.

जामताड़ा, गुमला और लोहरदगा में ब्लड बैंक बंद, नहीं मिल रहा खून

रांची, एजेंसी। चाईबासा सदर अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने के बाद राज्यभर के ब्लड बैंकों की व्यवस्था कटघरे में खड़ी हो गई है। ब्लड बैंकों में खून की जांच की प्रक्रिया और उसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। इसे देखते हुए ब्लड डोनर्स रिप्लेसमेंट पर रोक के अगले दिन शुक्रवार को उन ब्लड बैंकों को बंद कर दिया गया, जहां एलाईजा रीडर मशीन नहीं है। इससे कोडरमा के बाद जामताड़ा, गुमला और लोहरदगा में भी ब्लड बैंकों पर ताले लटक गए। यहां के मरीज उन जिलों पर निर्भर हो गए, जहां खून जांच के लिए एलाईजा मशीन उपलब्ध है। राज्य में कुल 82 ब्लड बैंकों में से 45 बिना लाइसेंस के चल रहे हैं। कई जिलों में रैपिड किट से खून की जांच हो रही थी। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह ने शुक्रवार को रैपिड किट से खून की जांच बंद करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में मशीन नहीं है, वहां ब्लड बैंक को बंद करें। तत्काल एलाईजा मशीन की खरीदारी करें। सचिव के निर्देश के बाद जामताड़ा ब्लड बैंक में स्टॉक में रखे 39 यूनिट खून को जांच के लिए धनबाद भेज दिया गया है। वहीं गुमला ब्लड बैंक में रखे 206 यूनिट खून को जांच के लिए रांची भेजा गया है। इन जिलों में ब्लड बैंक बंद होने से जरूरतमंद मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। उनके परिजन खून के लिए दर-दर भटक रहे हैं। क्योंकि सरकारी स्तर पर खून नहीं मिल रहा है और निजी ब्लड बैंकों में खून के बदले पैसों की वसूली हो रही है।1 बच्चे को जन्म देने के बाद नहीं मिल रहा खून... गुमला की निर्मला ने शुक्रवार सुबह ममता वाहन में बेटे को जन्म दिया। उसे खून की जरूरत थी, लेकिन नहीं मिला।

अति पिछड़ों को गोलबंद कर सरकार पर दवाब बनाने में जुटा प्रदेश वैश्य मोर्चा,

13 नवंबर को करेंगे राजभवन मार्च

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य में पिछड़ों को गोलबंद कर सरकार पर दवाब बनाने में जुटा वैश्य मोर्चा ने आगामी 13 नवंबर को राजभवन मार्च करने का निर्णय लिया है। इसको लेकर आगामी रणनीति पर शुक्रवार को हुई बैठक में चर्चा की गयी। अपने सातवें स्थापना दिवस के मौके पर झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में वैश्यों के अधिकार को लेकर संगठन हमेशा आंदोलनरत रहा। जिसके कारण नगर निकाय चुनाव में ट्रिपल टेस्ट, पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन हुआ है। इसके बावजूद आज भी पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला लंबित है।

उन्होंने कहा कि वैश्य मोर्चा का जन्म ही विपरित परिस्थितियों से लड़ने और वैश्य समाज को अधिकार दिलाने के लिए हुआ है। वैश्य मोर्चा कोई आम सामाजिक संगठन नहीं है कि साल में एक बार खानापूर्ति के लिए कार्यक्रम कर दिया जाए। बल्कि वैश्य मोर्चा मुद्दों और नीतियों के साथ आगे बढ़ने का संकल्प ले कर चलती है। उन्होंने कहा कि अपने लोगों सम्मान करना और जरूरत पड़ने पर लड़ कर सम्मान बचाना हमारा उद्देश्य है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वैश्य समाज के लोगों को किया गया सम्मानित: झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा ने अपने सातवें स्थापना दिवस के मौके पर विशिष्ट कार्य के लिए कई लोगों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु और कार्यकारी अध्यक्ष रेखा मंडल एवं हीरानाथ साहु द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ। विजय राज, अति विशिष्ट अतिथि डॉ। अशोक कुमार एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता द्वारा पांच प्रबुद्धजनों को वैश्य रत्न एवं पांच कार्यकर्ताओं को उत्कृष्ट वैश्य की उपाधि से सम्मानित किया गया। वैश्य रत्न से सम्मानित होनेवालों में सुरेन्द्र प्रसाद साहु (क्रीड़ा क्षेत्र), अशोक मंडल (अभियंत्रण), डॉ। अमित साहु (चिकित्सा अध्ययन), अनुश्री रैना (नेत्र चिकित्सा), चंदन चौधरी (पत्रकारिता), कमल केडिया (उद्योग) शामिल हैं। झारखंड से बाहर होने के कारण कमल केड़िया नहीं आ सके। इन्हें बाद में सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले पांच कार्यकर्ताओं को भी संगठन ने सम्मानित किया। सम्मानित होनेवालों में बड़कागांव के मिथिलेश साव, ओरमांझी के लक्ष्मण साहु, अरगोड़ा के सहदेव चौधरी, कांके के आदित्य पोद्दार एवं देवघर के राजकुमार बर्नवाल शामिल हैं।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ। विजय राज ने कहा कि वे वैश्य मोर्चा शुरूआत दिनों से जुड़े हुए हैं। वैश्य मोर्चा ने समाज को जगाने और संगठित करने का काम किया है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। डॉ। राज ने कहा कि संगठन के बिना समाज अधूरा और असुरक्षित है। संगठन से ताकत और सहारा मिलता है। इसलिए वैश्य मोर्चा और मजबूत करने की जरूरत है। सभी वैश्यों को साथ देने के लिए आगे आने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि एवं झारखंड प्रदेश शौंडिक (सूढ़ी) समाज के अध्यक्ष डॉ। अशोक कुमार ने कहा कि मैंने भी एक बार प्रयास किया था लेकिन उतना सफलता नहीं मिल सका। महेश्वर साहु एवं इनके साथियों ने यह कारनामा कर दिखाया है और कुछ हद तक वैश्य समाज को जागरूक एवं संगठित कर दिया है। विशिष्ट अतिथि एवं समाजसेवी राजेश गुप्ता ने कहा कि दल से उपर समाज होता है। आज सभी नेता अपनी जाति को प्राथमिकता देते हैं तो वैश्य समाज के नेताओं और मंत्रियों को भी इस पर विचार करना चाहिए। अन्यथा बाद में उन्हें पछताना पड़ेगा।

1 लाख कॉपियों का मूल्यांकन 4 से: अब रांची में ही होगी स्नातक की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच

रांची, एजेंसी। रांची विश्वविद्यालय ने स्नातक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। अब पीजी की तरह यूजी कला, विज्ञान और वाणिज्य स्ट्रीम की कॉपियों का मूल्यांकन राजधानी रांची में ही किया जाएगा। इसके लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा चार कॉलेजों में मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। मूल्यांकन कार्य 4 नवंबर से शुरू होगा। फिलहाल, कॉपियों की जांच के लिए परीक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातक फर्स्ट (सेशन 2024-28) और फिफ्थ सेमेस्टर (सेशन 2022-26) के लगभग 50 हजार छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं जांची जानी हैं। इनमें फर्स्ट सेमेस्टर के 26 हजार और फिफ्थ सेमेस्टर के 24 हजार छात्र शामिल हैं। राजधानी स्थित जिन कॉलेजों में मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है, उसमें वीमेंस कॉलेज रांची, निर्मला कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज और डोरंडा कॉलेज शामिल हैं। बताते चलें कि यूजी फर्स्ट और फिफ्थ सेमेस्टर की परीक्षा अक्टूबर पहले और तीसरे सप्ताह में समाप्त हुई है।

शिक्षकों की कमी विवि के लिए अब भी बड़ी चुनौती है। पिछले सात वर्षों से नई नियुक्ति नहीं हुई है, जबकि हर महीने कई शिक्षक रिटायर हो रहे हैं।

21 जोड़े के सामूहिक विवाह को लेकर जरीडीह बाजार में बैठक

बोकारो, एजेंसी। जरीडीह बाजार स्थित अग्रवाल भवन में 23 नवंबर को होने वाले सामूहिक विवाह की तैयारी को लेकर गुरुवार को बैठक की गयी। अध्यक्षता अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल व संचालन कृष्ण कुमार चांडक ने किया। अनिल अग्रवाल ने कहा कि आगामी 23 नवंबर को अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा व अग्रवाल परिवार द्वारा अग्रसेन भवन दामोदर नाथ महादेव मंदिर जरीडीह बाजार के प्रांगण में होने वाले 21 जोड़े का विवाह कराया जायेगा।

इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए विभिन्न गांवों, कस्बों और शहरी इलाकों से लोगों ने निः शुल्क पंजीकरण कराया है। कुछ रजिस्ट्रेशन होना है। इस सामूहिक विवाह वैसे लोगों के लिए किया जा रहा है, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने की वजह से अपने बच्चों की शादी करने में असमर्थ हैं, वैसे लोगों का विवाह कराना है, जिसमें अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा तथा अग्रवाल परिवार की ओर से वर और वधू को शादी का जोड़ा अटैची, आलमारी, पलंग, किचन सेट, भोजन सहित अन्य उपहार दिया जायेगा। इच्छुक जोड़े अपना पंजीकरण आवासीय कार्यालय जरीडीह बाजार में करा सकते हैं।

मौके पर प्रेम गोयल, बृजेश साव, राजू बोरा, संजय बोरा, अरशद, हितेश मेहता, शरद अग्रवाल, आनंद केसरी, अजय कुमार, भोलू चंद भगत, नीरज कुमार, महेश अग्रवाल, बृजेश कुमार पटवा, विनोद चौरसिया, मनोज अग्रवाल, प्रदीप साव, शिव शंकर सोनी, रोशन सिंह, मुकेश सिन्हा, सुरेश कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी सोनी, शिव प्रकाश पांडे, कुणाल साहनी, कपिल कुमार, गुड्डू सोनी सहित कई लोग उपस्थित थे।

कोडरमा में झुंड से बिछड़ा हाथी कर रहा उत्पात

परसाबाद स्टेशन के आगे रेलवे फाटक तोड़ा

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले खेतों में लगी फसलें रौंदने और कई घरों को नुकसान पहुंचाने के बाद अब हाथियों ने रेलवे संपत्ति को निशाना बनाया है। बीती रात धनबाद-गया रेलखंड पर परसाबाद स्टेशन के आगे गड़गी रेलवे फाटक पर हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। झुंड ने रेलवे फाटक के लोहे के बूम को तोड़ दिया, जिससे कुछ देर के लिए रेल परिचालन बाधित होने की आशंका बनी रही। हालांकि समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। यह फाटक ग्रामीण सड़क पर स्थित है। रात का समय होने के कारण सड़क मार्ग पर कोई बड़ी बाधा नहीं आई।

लोहे का बूम तोड़ा, आरपीएफ ने की मरम्मत : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन के आरपीएफ प्रभारी विश्वनाथ कुमार ने बताया कि उन्हें देर रात परसाबाद स्टेशन के पास स्थित गड़गी रेलवे फाटक के दक्षिणी छोर पर बूम के टूटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और फाटक को तत्काल लोहे की जंजीर से घेरकर सुरक्षा सुनिश्चित की। आरपीएफ टीम ने बताया कि फाटक का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे बाद में मरम्मत कर लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि रेल परिचालन को किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन ऐसी घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत हैं।

40 हाथियों के झुंड से बिछड़ा हाथी कर रहा उत्पात : वन विभाग के अनुसार, 22 अक्टूबर की रात जयनगर थाना क्षेत्र के परसाबाद इलाके में करीब 40 हाथियों का झुंड देखा गया था। वनकर्मियों ने अगले दिन उन्हें जंगल की ओर खदेड़ दिया था। संभावना जताई जा रही है कि उसी झुंड से अलग हुआ एक हाथी अपने समूह की तलाश में इधर-उधर भटक रहा है और इसी कारण लगातार उत्पात मचा रहा है। हाथी के रेलवे फाटक तोड़ने की घटना से यह स्पष्ट है कि बीती रात एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के बाद जयनगर, परसाबाद और मरकच्चो प्रखंड के ग्रामीणों में फिर से दहशत का माहौल है। लोग रात में घरों के बाहर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से इलाके में गश्ती बढ़ाने और हाथी को सुरक्षित पकड़कर उसके समूह तक पहुंचाने की मांग की है।

पलामू में सदर अंचल के खिलाफ मोर्चा, कई राजनीतिक दल और संगठन हुए लामबंद

पलामू, एजेंसी। जिला के सदर अंचल कार्यालय में हंगामा के आरोप में गिरफ्तार हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी को गुरुवार को न्याय हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना के बाद सदर अंचल कार्यालय और पदाधिकारी के खिलाफ कई राजनीतिक दल और संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है।

इन सभी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अंचल पदाधिकारी और कर्मियों पर कार्रवाई की मांग किया है। विभिन्न राजनीतिक दल से जुड़े हुए लोग एक मंच पर जुटे हैं। सभी ने कहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर आशुतोष तिवारी के खिलाफ कार्रवाई हुई है। सभी ने एक सुर में आंदोलन की घोषणा की है।

पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन मणिकांत सिंह ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है पूरे मामले में प्रशासन को सीसीटीवी फुटेज जारी करना चाहिए। पूरे मामले में डीसी और मुख्य सचिव से शिकायत की जाने की जरूरत है। इधर सदर अंचल के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के ज्योति पांडेय, लोजपा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, हम पार्टी के महासचिव और राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के सदस्यों ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

भारतीय जनता पार्टी के ज्योति पांडेय ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर कार्रवाई हो रही है, सदर अंचल पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है। लोजपा के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि इस तरह की घटनाओं के खिलाफ लोग चुप नहीं बैठेंगे जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

वहीं राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के विकास दुबे ने कहा कि सदर अंचल पदाधिकारी को बर्खास्त करने की जरूरत है और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। युवा वाहिनी के तरफ से एक आधिकारिक प्रेस बयान भी जारी किया गया है और सदर अंचल पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में पत्थर व्यवसायी को मारी गोली; मौत

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में शुक्रवार देर रात पत्थर व्यवसायी मगबूल शेख उर्फ शेखू (45 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, रात में वे अपने घर के पास स्थित चाय दुकान पर चाय पीने गए थे। उस दौरान बारिश शुरू हो जाने से वे वहीं रुक गए। देर रात जब बारिश थमी और वे घर लौटने लगे। तभी रास्ते में पहले से घात लगाए छह लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों में से एक ने उनकी पीठ पर गोली मार दी। जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर घरवाले बाहर दौड़े, लेकिन तब तक सभी हमलावर मौके से फरार हो चुके थे।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

घायल अवस्था में मगबूल शेख को परिजन और ग्रामीणों की मदद से सोनाजोड़ी सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के एक अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया। मृतक अपने पीछे दो पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मगबूल शेख एक शांत स्वभाव के व्यक्ति थे। गांव में पत्थर कारोबार के लिए जाने जाते थे। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

पुराने विवाद में हत्या की आशंका

घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। मृतक के पुत्र जमाल शेख ने गांव के ही दानारुल शेख, उसके पुत्र लालून शेख और चार अन्य लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि वर्ष 2023 में दानारुल शेख से उनके पिता का विवाद हुआ था। उसी रंजिश में यह हत्या की गई। जमाल ने बताया कि लालून शेख ने ही गोली चलाई थी, जो पीठ में लगी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। फिलहाल लखनपुर गांव में सन्नाटा पसरा है।

सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कौशल मिश्रा शहीद, सारंडा में नक्सली आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से हुए थे घायल

चाईबासा, एजेंसी। सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा का गुरुवार को दिल्ली एम्स में निधन हो गया। वे 10 अक्टूबर को पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में हुए नक्सली आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्हें शहीद का दर्जा दिया गया है। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेणु ने बताया कि इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन के साथ नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। सारंडा क्षेत्र में माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट में उनके बाएं पैर में गंभीर चोटें आई थीं।

11 अक्टूबर से दिल्ली एम्स में चल रहा था इलाज

घटना के बाद उन्हें हेलिकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर पहले राउरकेला, फिर रांची और अंततः

दिल्ली एम्स भेजा गया था। 11 अक्टूबर से उनका इलाज दिल्ली एम्स में चल रहा था। 30 अक्टूबर की सुबह उनकी स्थिति गंभीर हो गई और उनका निधन हो गया। इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के रहीमपुर गांव के निवासी थे।

यह घटना 10 अक्टूबर को सारंडा के जराईकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत समठा और बाबूडेरा के जंगलों में हुई थी। पुलिस और सीआरपीएफ का संयुक्त अभियान चल रहा था, तभी नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया। इस विस्फोट में इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा के साथ सब इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई और हवलदार महेंद्र लस्कर भी घायल हुए थे। इस हमले में घायल हुए हवलदार महेंद्र लस्कर की 11 अक्टूबर को ही इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वहीं, झामुमो विधायक दशरथ गागराई के भाई सब इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई अभी भी इलाजरत हैं।

साहिबगंज में ज्वेलरी शॉप से 15 लाख के जेवरात चोरी

साहिबगंज, एजेंसी। साहिबगंज के तीनपहाड़ बाजार में इन दिनों चोरों के हौसले बुलंद हो गए हैं। शुक्रवार देर रात भगत मोहल्ला स्थित सोनार पट्टी में चंचला ज्वेलर्स की दुकान में अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया। लोहे की तिजोरी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के कीमती आभूषण लेकर फरार हो गए। इस चोरी की अनुमानित कीमत करीब 10 से 15 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना की खास बात यह रही कि यह चोरी तीनपहाड़ थाना से महज 100-150 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश है।

देर रात छह से सात नकाबपोशों ने की चोरी : दुकानदार अरुण सोनी ने बताया कि वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब डेढ़ बजे कुछ लोगों ने फोन पर सूचना दी कि दुकान के पास संदिग्ध गतिविधि हो रही है। जब वे परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे, तब तक चोर हथियार लहराते हुए भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छह से सात नकाबपोश अपराधी घटना में शामिल थे, जिन्होंने पहले दुकान का शटर तोड़ा। फिर अंदर रखी तिजोरी का ताला तोड़कर लगभग पांच किलो चांदी व सोने के गहने लेकर फरार हो गए। बताया गया कि चोरों ने वारदात के दौरान दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़कर साथ ले लिया ताकि उनकी पहचान न हो सके।

व्यापारियों में आक्रोश, सड़क जाम कर जताया विरोध : घटना की जानकारी मिलते ही तीनपहाड़ थाना प्रभारी एम.के. पांडेय दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

चोरी की इस घटना से नाराज स्थानीय व्यापारियों ने लगभग एक घंटे तक अपनी दुकानें बंद रखीं। सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी से बातचीत के बाद व्यापारियों ने जाम हटाया। थाना प्रभारी एमके पांडेय ने बताया कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है। जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। व्यापारी पुलिस से रात में गश्ती बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

संपादकीय

खुद मोबाइल बताएगा - कौन कर रहा है फोन ! साइबर ठगी पर लगेगा ब्रेक

इसमें दोराय नहीं कि नई तकनीक के साथ चुनौतियां भी साथ आती हैं। मोबाइल फोन और इंटरनेट की आसान पहुंच का बढ़ता दायरा सुविधाजनक तो है, लेकिन इससे कई तरह के जोखिम भी हैं। साइबर धोखाधड़ी इनमें से एक है, जो हाल के वर्षों में आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। सुरक्षा एजंसियों को भी ऐसे अपराधियों का पता लगाने और उनकी धर-पकड़ के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ती है।मोबाइल उपभोक्ताओं को साइबर जालसाजों की ओर से आए दिन अनजान नंबरों से फोन आना आम बात हो गई है और जो लोग उनके झांसे में आ जाते हैं, वे लाखों-करोड़ों रुपए गंवा बैठते हैं। मगर अब इस तरह के फोन की पहचान करना आसान होगा। दूरसंचार विभाग जल्द ही आम उपभोक्ताओं को मोबाइल पर ऐसी सुविधा प्रदान करेगा, जिससे फोन करने वाले व्यक्ति का नाम भी प्रदर्शित होगा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।हालांकि, मोबाइल पर फोन करने वाले व्यक्ति के नाम का पता लगाने के लिए कुछ ऐप आनलाइन उपलब्ध हैं और चुनिंदा लोग उनका इस्तेमाल भी करते हैं। मगर, नाम प्रदर्शित करने की इनकी सटीकता और इस्तेमाल को लेकर लोगों में भ्रम बना रहता है। ऐसे में दूरसंचार विभाग और ट्राई ने जो कदम उठाया है, वह सभी मोबाइल धारकों के हित में है।दरअसल, ट्राई ने फरवरी, 2024 में फोन करने वाले का नाम प्रदर्शित करने से जुड़ी इस सेवा पर अपनी सिफारिशों में कहा था कि यह केवल मांग करने वाले उपभोक्ताओं को ही मुहैया कराई जाए। जबकि दूरसंचार विभाग का कहना था कि यह सुविधा सभी मोबाइल उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। ट्राई ने अब विभाग के इस प्रस्ताव पर सहमति जता दी है और इस पर परीक्षण भी शुरू कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग ने उम्मीद जताई है कि यह सुविधा देशभर में मार्च, 2026 तक लागू हो जाएगी। खास बात यह कि अब मोबाइल फोन में ही यह सुविधा मौजूद रहेगी।दूरसंचार विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से साइबर धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। जब किसी मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आएगा, तो स्क्रीन पर उसका नाम भी दिखाई देगा। इससे उपयोगकर्ता सतर्क हो जाएगा और वह साइबर ठगों के जाल में फंसने से बच जाएगा। यह कदम इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि देश में साइबर अपराध का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की ओर से हाल में जारी एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2022 में साइबर अपराध के 65,983 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2023 में इनकी संख्या बढ़ कर 86,420 हो गई। इस तरह की धोखाधड़ी के उभरते परिदृश्य से पता चलता है कि साइबर जालसाज ठगी के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं।

डॉ. कार्तिक उरांव जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। झारखंड(तब बिहार) के गुमला जिले लिटाटोली में जन्में बाबा कार्तिक उरांव ने न केवल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बल्कि, जब देश को उनकी आवश्यकता पड़ी क्षणिक देर किए बगैर अपने स्थापित सुनहरे भविष्य को त्याग कर स्वदेश लौट आए और हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन(एचईसी) में अपनी सेवा देने लगे। जब उन्हें लगा कि एचईसी की सेवा से देश के जनजातियों के हितों की रक्षा नहीं हो पाएगी तो राजनीति में चले आए। विधायक, सांसद से लेकर केंद्रीय मंत्री तक की यात्रा पूरी की। डॉ.. उरांव का व्यक्तित्व ऐसा था कि पक्ष-विपक्ष दोनों ही बडे सम्मानपूर्वक उनका नाम लेते थे। संसद में जब वह बोलते थे, तो सभी सदस्य बहुत ध्यान से उनकी बातों को सुनते थे।

काला हीरा जिन्होंने दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया

(अजीत कुमार सिंह)

एक मौका ऐसा भी आया जब उन्होंने जनजातीय समाज की हितों की रक्षार्थ अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी। राजनीतिक शुचिता और आर्थिक पारदर्शिता के प्रतीक कार्तिक बाबु का जब देहावसान हुआ तब उनके बैंक खाते में मात्र 26 रुपये पाए गए। बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी डॉ.. कार्तिक उरावं का जन्म झारखंड के गुमला जिले के लिटाटोली में 29 अक्टूबर 1924 को हुआ था। इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका से उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की। तमाम विपरीत परिस्थतियों के बावजूद भी उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया।

उस समय के सबसे बड़े एटॉमिक पावर स्टेशन, हिंकले प्वाईंट का प्रारुप तैयार किया। दुनिया उन्हें काला हीरा के नाम से जानती है। जनजातीय समाज की पीड़ा को समझने वाले झारखंड (तत्कालीन बिहार) के अनमोल रत्न डॉ. कार्तिक उरांव पहले ऐसे राजनेता थे, जिनके पास अभियांत्रिकी(इंजीनियरिंग) की नौ डिग्रियां थीं।

अत्यंत सम्पन्न जीवन का भविष्य होते हुए भी उन्होंने समाज की पीड़ा को समझा और जनजाति समाज के दुःखों को दूर करने के लिए सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया। 1967 में वे लोहरदगा से लोकसभा के लिए चुने गए। केन्द्र सरकार में मंत्री भी रहे। जनप्रतिनिधि के रुप में कार्य करने के दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की समस्याओं को काफी निकट से देखा।

चर्च एवं मिशनरी संस्थाओं द्वारा भोले-भाले जनजातीय लोगों का मतांतरण ने उन्हें व्यथित कर दिया। उन्होने देखा कि कैसे जनजातीय समाज के मतांतरित लोग आरक्षण का लाभ ले रहे हैं तथा इससे मूल जनजातीय समाज के लोगों को अपने अधिकारों से वंचित होना पड रहा है। जनजातीय समाज के लोगों के साथ हो रहे इस अन्याय को लेकर वह दुःखी हो गए।

जनजातीय समाज के साथ हो रहे धोखे को देश के सामने लाने वाले: स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात जनजातीय समाज जिस आवाज को ढूंढ रहे थे, डॉ. कार्तिक उरांव न केवल उसके आवाज बने बल्कि संपूर्ण समाज के शैक्षणिक, सांस्कृतिक उत्थान के साथ सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने जनजातीय समाज के साथ हो रहे धोखे का उजागर किया और समाज के हितों की रक्षा के लिए लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष किया।उनका मानना था कि मतांतरित हुए जनजातीय लोग, जो अपनी संस्कृति-परंपरा, आस्था-विश्वास, रूढ़ी रीति-रिवाज से कट कर विदेशी संस्कृति अपना लेते हैं उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। संसद में रहते हुए उन्होंने लगातार जनजातियों के हित में प्रखर आवाज उठाई और उन्हीं के प्रयत्नों से संसद द्वारा 1968-69 में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के संदर्भ में एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया और उनकी अनुशंसाओं के आधार पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) विधेयक 1969 संसद में प्रस्तुत किया गया।कार्तिक उरांव जी का यह 20 वर्ष का अनुभव था कि मतांतरित जनजाति सदस्यों द्वारा सारी संवैधानिक सुविधाएं हड़प लिए जाने के कारण वास्तविक जनजातियों के लिए यह '20 वर्ष की अवधि = एक काली रात' के समान है और इसी काली रात के अंधेरे से निकालकर जनजाति समाज को उनके अधिकारों और सुविधाओं को दिलाकर विकास की नई रोशनी में लाना होगा।

...जब अपने ही सरकार से भीड़ गए कार्तिक बाबु: बाबा कार्तिक उरांव ने अपने देश की जनजातीय समाज की परिस्थिति का चित्रण तीन भागों में किया। पहला भाग भारतीय संविधान के लागू होने के पूर्व का काल अर्थात् 1950 के पूर्व का काल। दूसरा भाग संविधान लागू होने के पश्चात् अर्थात् 1950 से उनके जीवन के काल तक और तीसरा भाग जनजातीय समाज के आने वाले कल की परिस्थिति।

संविधान में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति दोनों वर्गों के लोगों के लिए आरक्षण का प्रावधान है। अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के साथ समाजिक भेदभाव का शिकार होने के कारण आरक्षण की सुविधा प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इसी तरह अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की विशेष रीति- रिवाज, संस्कृति व परंपरा को बचाए रखने के लिए उन्हें भी आरक्षण का लाभ दिए जाने का प्रावधान है।

यदि अनुसूचित जाति वर्ग का कोई व्यक्ति मतांतरित हो जाता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिल सकता। इस बात का प्रावधान संविधान में है। लेकिन यदि कोई अनुसूचित जनजाति वर्ग का व्यक्ति मतांतरित हो जाता है तो उसे आरक्षण का लाभ मिलता रहता है। वास्तव में इसे संविधान की विसंगति ही कही जाएगी।

जनजातीय समाज में सभी रीति-रिवाज, सामाजिक व्यवस्था एवं पारंपारिक उत्सव आदि अपने आराध्य देवी-देवता एवं देव स्थान के प्रति आस्था व विश्वास के प्रति आधारित होते हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि कुछ मतांतरित लोग अपनी संस्कृति, आस्था, परंपरा को त्याग कर ईसाई या मुसलमान हो गये हैं, इन सुविधाओं का 80 प्रतिशत लाभ मूल जनजाति समाज से छिन रहे हैं।

डॉ. कार्तिक उरांव ने इस बात को भलीभांति अनुभव किया। इस बात ने उन्हें काफी व्यथित कर दिया। उनका दुःख देश भर के जनजातीय समाज का दुःख था। देश भर में जनजातीय समाज द्वारा झेल जा रहे इस अन्याय का उन्होंने विरोध किया। संविधान की इस भयानक विसंगति को लेकर उन्होंने देश भर में एक बडी बहस खडी की।

डॉ. कार्तिक उरांव ने 10 नवंबर 1970 को 348 संसद सदस्यों (322 लोकसभा से और 26 राज्यसभा से) के हस्ताक्षरयुक्त एक ज्ञापन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को सौंपा जिसमें संयुक्त संसदीय समिति की उक्त संस्तुति को स्वीकार करने की मांग की गई, परंतु सरकार इस विषय पर बहस कराने का साहस नहीं दिखा पाई।

तमाम विरोध के पश्चात् 16 नवंबर 1970 को सरकार इस विषय पर चर्चा करने को तैयार हुई। 16 नवंबर को लोकसभा में बहस शुरू हो गई और 17 नवंबर 1970 को भारत सरकार की ओर से एक संशोधन पेश किया गया कि विधेयक में से संयुक्त संसदीय समिति की उस संस्तुति को हटा लिया जाए, जो समस्त जनजातीय समाज के हितों पर वज्राघात के समान था।

इस पर भी कार्तिक बाबू ने हार नहीं मानी और 24 नवंबर 1970 को लोकसभा में जोरदार बहस करते हुए संयुक्त संसदीय समिति की संस्तुति को मंजूर करने की पुरजोर मांग की। वे इतने % भावुक हो गए कि उन्होंने सरकार से कहा कि या तो आप इस संयुक्त संसदीय समिति की संस्तुति को वापस लेने की बात को हटा दें या मुझे इस दुनिया से हटा दें।

इस पर सभी संसद सदस्यों ने संयुक्त संसदीय समिति की संस्तुति का साथ दिया। ऐसी परिस्थिति में सरकार ने बहस को स्थगित कर दिया और आश्वासन दिया कि बहस उसी सत्र के अंत में की जाएगी। परंतु दुर्भाग्य से ऐसा न हो सका क्योंकि 27 दिसंबर 1970 को लोकसभा भंग हो गई और इसी के साथ जनजातीय समाज के उत्थान और कल्याण का और उन पर हो रहे भीषण अन्याय को दूर करने का सुनहरा अवसर चला गया।

यदि वह संस्तुति मंजूर हो जाती और संविधान में जनजातियों की परिभाषा में ईसाई एवं इस्लाम में धर्मांतरित लोगों का जनजातीय स्टेटस निरस्त हो जाता तो अपनी संस्कृति और पहचान की रक्षा करने वाला स्वाभिमानी और देशभक्त जनजातीय समाज इस अन्याय से बच जाता।

आज पांच दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आज भी यह अन्याय लगातार जारी है। बाबा कार्तिक उरांव आज नहीं है लेकिन उनका दर्द यानी पूरे जनजातीय समाज का दर्द वैसे का वैसा बना हुआ है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

मानसून की आपदाओं के बाद अब चरम सर्दियों का सायरन

(जयसिंह रावत)

मानसून की तबाही अभी ताजा है। इस साल भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन ने हिमालयी राज्यों में जो तबाही मचाई उसकी भरपाई में ही कई साल लगेंगे। लेकिन जैसे ही बादल छँटे, अब सर्दी का एक नया डरावना चेहरा सामने आने लगा है। भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष सामान्य से अधिक कठोर सर्दी की संभावना जताई है। ला नीना प्रभाव के कारण इस बार अत्यधिक ठंड, असामान्य शीतलहरें और भारी हिमपात की आशंका जताई गयी है। इसका सीधा असर हिमालयी राज्यों पर पड़ेगा, जहां हिमस्खलन की घटनाएं बढ़ सकती हैं। यह केवल यात्रियों और पर्यटकों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों, सेना और निर्माण कार्यों के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। सियाचिन सहित भारत तिब्बत सीमा स्थित सेना की चौकियों की चुनौतियों को ये सर्दियां काफी बढ़ा सकती है।

अब ला नीना के कोप का खतरा: दरअसल, ला नीना एक ऐसी जलवायु घटना है, जो प्रशांत महासागर के पूर्वी भाग में समुद्र की सतह के तापमान में गिरावट के कारण उत्पन्न होती है। यह एल नीनो का विपरीत रूप है। एल नीनो जहां भारत के मानसून को कमजोर बनाता है, वहीं ला नीना उसे प्रबल करता है, परंतु सर्दियों में ठंड को अत्यधिक बढ़ाता भी है। अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) के अनुसार, 2025 के अंत तक ला नीना के विकसित होने की 71 प्रतिशत संभावना है, जो दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक सक्रिय रह सकती है। भारतीय मौसम विभाग के विशेषज्ञों का भी यही अनुमान है कि उत्तर भारत में तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री कम रहेगा, लंबी शीतलहरें चलेंगी और हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी सामान्य से कहीं अधिक होगी। इसका अर्थ है कि पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय रहेंगे, जिसके परिणामस्वरूप दिसंबर से अप्रैल तक हिमालयी ढलानों पर तीन से पाँच मीटर तक बर्फ जम सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कमजोर ला नीना भी बर्फबारी में 20 से 30 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है, जिससे हिमस्खलन की संभावना दोगुनी हो जाती है। जलवायु परिवर्तन ने इस जोखिम को और जटिल बना दिया है। गर्मियों की गर्मी से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जबकि सर्दियों में वर्षा के साथ बर्फ गिरने से हिमस्तर अस्थिर होता जा रहा है। हिमस्खलन तब होता है जब किसी ढलान पर जमा बर्फ, हिमखंड या चट्टान अचानक खिसक पड़ती है। इसके मुख्य कारणों में अत्यधिक बर्फबारी, तापमान में तीव्र उतार-चढ़ाव, मानवजनित गतिविधियाँ जैसे सड़क निर्माण या विस्फोट, और जलवायु परिवर्तन से बढ़ती वर्षा शामिल हैं। चण्डीगढ़ स्थित स्नो एंड एवेलांच स्टडी एस्टैब्लिशमेंट (एसएएसई) के अनुसार, ला नीना के वर्षों में हिमालय में हिमस्खलन की घटनाएं सामान्य वर्षों की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक होती हैं। दिसंबर से मार्च का समय उत्तरमुखी 25 से 45 डिग्री ढलानों वाले क्षेत्रों में एवलांच का खतरा चरम पर माना जाता है। पिछले वर्षों में हिमालय इन भयावह घटनाओं का साक्षी रहा है। फरवरी 2021 में उत्तराखंड के चमोली जिले की ऋषिगंगा घाटी में 27 मिलियन घनमीटर बर्फ और चट्टानों का स्खलन हुआ, जिसने मलबे की बाढ़ का रूप ले लिया। इस हादसे में दो सौ से अधिक लोग मारे गए और परियोजनाओं को हजारों करोड़ रुपये की क्षति हुई। अक्टूबर 2022 में उत्तरकाशी में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षुओं पर हिमस्खलन टूटने से 27 ट्रैकर्स की मौत हुयी। फरवरी 2025 में चमोली के माणा गांव के निकट सीमा सड़क संगठन के शिविर पर बर्फ का पहाड़ टूट पड़ा, जिसमें 54 मजदूर दब गए। आठ की मृत्यु हो गई और 46 को 36 घंटे के अभियान के बाद ड्रोन और हेलीकॉप्टर की मदद से बचाया गया। अप्रैल 2023 में सिक्किम की लाचेन घाटी में 16 पर्यटक मारे गए और 370 लोगों को बचाया गया। सियाचिन जहां भारत की सेना स्थाई रूप से तैनात है वहां ऐसी घटनायें आम हैं। दरअसल, ये घटनाएं केवल जानें ही नहीं लेता, बल्कि सड़कें, पुल, विद्युत आपूर्ति और जलस्रोतों को भी महीनों तक ठप कर देता है। वर्ष 2020 से 2025 के बीच 250 से अधिक लोगों की मृत्यु ऐसे हादसों में हुई है। एवलांच हादसों के लिये हिमालय के पश्चिमी और मध्य भाग सबसे अधिक जोखिम में हैं। उत्तराखंड के चमोली, उत्तरकाशी, बद्रीनाथ और केदारनाथ मार्ग, हिमाचल प्रदेश के मनाली, रोहतांग पास, लाहौल-स्पीति क्षेत्र, जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, द्रास, कारगिल और सियाचिन ग्लेशियर, तथा सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के युमथांग और तवांग क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील हैं। ये सभी क्षेत्र 3,000 से 6,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं, जहां पर्यटन, तीर्थयात्रा और सीमावर्ती सड़क निर्माण लगातार जारी है। इन इलाकों में लगभग एक करोड़ लोग निवास करते हैं, जिनमें लाखों की आजीविका सीधे बर्फ से जुड़ी है। स्थानीय निवासी जैसे चरवाहे, किसान और सेब उत्पादक, बर्फ पर निर्भर हैं, लेकिन हिमस्खलन उनके खेतों और घरों को बर्बाद कर देता है।

एनडीए के घोषणापत्र में ज्यादा दम है या महागठबंधन

के? वादों की बारिश के बीच मतदाता को क्या भायेगा?

(नीरज कुमार दुबे)

राजग के घोषणा पत्र के प्रमुख प्रावधानों में पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आर्थिक सहायता का भी उल्लेख है। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) को सरकार 10 लाख रुपये की सहायता देगी और उनके हितों के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित किया जाएगा।

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन (इंडिया ब्लॉक) दोनों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्रियों जीतन राम मांझी, चिराग पासवान तथा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की मौजूदगी में एनडीए ने अपना विस्तृत घोषणापत्र प्रस्तुत किया। एनडीए के घोषणापत्र में एक करोड़ रोजगार, महिलाओं के सशक्तिकरण, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश पर ज़ोर दिया गया है। घोषणापत्र में हर जिले में मेगा स्किल सेंटर, औद्योगिक पार्क, महिला उद्यमिता मिशन, खेती के लिए एमएसपी की गारंटी, और सात नए एक्सप्रेसवे जैसी योजनाओं की घोषणा की गई है। इसके साथ ही गरीबों के लिए 50 लाख नए घर, 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन और बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य ढांचा का वादा किया गया है।

राजग के घोषणा पत्र के प्रमुख प्रावधानों में पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आर्थिक सहायता का भी उल्लेख है। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) को सरकार 10 लाख रुपये की सहायता देगी और उनके हितों के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित किया जाएगा। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र के लिए राजग ने 'कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि' शुरू करने की घोषणा की है, जिसे केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से लागू किया जाएगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी जाएगी और कृषि अवसंरचना में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि बाढ़ प्रभावित उत्तर बिहार को अगले पांच वर्षों में पूरी तरह इस समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। शहरी विकास के तहत चार और शहरों में मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की घोषणा भी की गई है। राजधानी क्षेत्र में 'न्यू पटना' नामक एक हरित (ग्रीनफील्ड) परियोजना विकसित की जाएगी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीतामढ़ी के पुनौरा धाम जानकी मंदिर को 'सीतापुरम' के रूप में विकसित किया जाएगा। घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि बिहार से विदेशी उड़ानें शुरू की जाएंगी और कई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। साथ ही, राज्य में 10 नए औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे और प्रत्येक जिले में फैक्टरी एवं विनिर्माण इकाइयां शुरू की जाएंगी।

राजग ने वादा किया है कि अगले पांच वर्षों में राज्य में 50 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया जाएगा, जिससे औद्योगिक क्रांति की गारंटी सुनिश्चित होगी। शिक्षा के क्षेत्र में राजग ने केजी से पीजी तक निशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वादा किया है। अनुसूचित जाति के उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। राजग ने गरीब और वंचित वर्गों के लिए 'पंचामृत गारंटी' की घोषणा की है, जिसके तहत मुफ्त राशन, पांच लाख रुपए तक का मुफ्त उपचार, 50 लाख पक्के मकान और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सुनिश्चित की जाएगी राजग ने घोषणापत्र में कहा कि खेल के क्षेत्र में राज्य में 'बिहार स्पोर्ट्स सिटी' का निर्माण किया जाएगा ताकि युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं मिल सकें। संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। घोषणा पत्र के अनुसार, गिग वर्कर्स और ऑटो चालकों को वित्तीय सहायता और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। भाजपा ने कहा, यह घोषणापत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और नीतीश कुमार के भरोसे का प्रतीक है।

देखा जाये तो बिहार की राजनीति में घोषणापत्र अब केवल नीतिगत दस्तावेज़ नहीं रहे, बल्कि भावनात्मक प्रोपेगेंडा बन चुके हैं। इस बार दोनों खेमों ने वादों की ऐसी बारिश की है कि आम मतदाता के लिए असली और नकली बादल में फर्क करना मुश्किल हो गया है। एनडीए का घोषणापत्र दिखने में व्यावहारिक और संरचनात्मक है– यह विकास, उद्योग और स्थिरता की बात करता है। वहीं महागठबंधन का घोषणापत्र भावनात्मक है– यह नौकरी, वेतन और सरकारी स्थायित्व जैसे सीधे वादे करके युवाओं के दिलों को छूने की कोशिश करता है। एनडीए ने इस बार 'गारंटी' को मुख्य शब्द बनाया है। मोदी की गारंटी और नीतीश का भरोसा, यह नारा सीधे जनता की याद्दाश्त में बैठाने की रणनीति है। घोषणापत्र का फोकस बुनियादी ढांचे पर है। जैसे- 7 एक्सप्रेसवे, 3,600 किमी नई रेल लाइनें, हर जिले में मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक पार्क का वादा किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिहार में उद्योग लगाने का माहौल तैयार है? बिजली, भूमि, कानून व्यवस्था और मानव संसाधन, ये चारों चुनौतियाँ अभी भी गंभीर हैं। देखा जाये तो एक करोड़ रोजगार का वादा तब तक महज़ नारा रहेगा जब तक बिहार में पूंजी निवेश आकर्षक नहीं बनता। दीदी मिशन' और 'महिला उद्यमिता योजना'के ज़रिए ग्रामीण महिला वोट बैंक को साधने की कोशिश की है। नीतीश कुमार का पिछला रिकॉर्ड इस दिशा में अपेक्षाकृत मज़बूत रहा है, इसलिए इस वर्ग में एनडीए का वादा विश्वसनीय दिखता है। वहीं तेजस्वी यादव ने घोषणापत्र को पूरी तरह युवाओं के लिए डिज़ाइन किया है। '20 दिन में नौकरी' जैसा वादा तात्कालिक रूप से आकर्षक ज़रूर लगता है, लेकिन वित्तीय दृष्टि से यह असंभव है। बिहार के राजस्व संसाधन सीमित हैं; अगर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, तो यह न केवल आर्थिक रूप से अव्यावहारिक होगा बल्कि शासन व्यवस्था भी चरमरा जाएगी। पुरानी पेंशन योजना, ठेका कर्मियों का स्थायीकरण और 'जीविका दीदी' को सरकारी दर्जा देने जैसी घोषणाएँ वित्तीय बोझ को कई गुना बढ़ा सकती हैं। महागठबंधन ने भावनात्मक राजनीति का सहारा लिया है, पर शासन के व्यावहारिक समीकरणों को नज़रअंदाज़ किया है। अब सवाल उठता है कि जनता किसके घोषणापत्र से प्रभावित होगी? देखा जाये तो बिहार की जनता अब केवल वादों से नहीं, विश्वसनीयता से प्रभावित होती है। नीतीश कुमार की छवि एक अनुभवी प्रशासक की है, भले ही अब उनकी लोकप्रियता घट रही हो। मगर मोदी फैक्टर आज भी ग्रामीण और मध्यम वर्ग में भरोसे का प्रतीक है। दूसरी ओर तेजस्वी यादव युवाओं में उम्मीद जगाते हैं, लेकिन 'जंगलराज' की पुरानी यादें अभी भी वोटरों के दिमाग़ में ताज़ा हैं। इसलिए, शहरी और मध्यम वर्ग के मतदाता संभवतः एनडीए के 'विकास और स्थिरता' के वादे से आकर्षित होंगे, जबकि बेरोज़गार युवा और निम्न वर्ग महागठबंधन की 'नौकरी और पेंशन' की घोषणाओं की ओर झुक सकते हैं। वहीं महागठबंधन का घोषणापत्र तत्काल राहत का सपना दिखाता है लेकिन उसकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। बिहार के मतदाता अब भावनाओं से अधिक परिणाम चाहते हैं। वह जान चुके हैं कि 'रोज़गार की राजनीति' और 'विकास की राजनीति' के बीच एक बहुत गहरा अंतर है। बिहार के लिए असली सवाल यह नहीं है कि कौन ज्यादा वादे करता है, बल्कि यह है कि कौन अपने वादों को निभा सकता है। और इस बार, जनता घोषणापत्र नहीं, विश्वसनीयता को वोट देगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

संक्षिप्त समाचार

वैशाली ने दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया : योगी आदित्यनाथ

वैशाली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वैशाली जिले के लालगंज विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी संजय कुमार सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। तेज बारिश के बावजूद भारी संख्या में लोग रैली स्थल पर जुटे रहे। योगी आदित्यनाथ ने जनसभा में कहा कि यह धरती यूं ही लोकतंत्र की जननी नहीं कहलाती। वैशाली ने दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया है। जिस जोश और उत्साह के साथ आप बारिश में भी डटे हैं, यह साबित करता है कि लालगंज में भाजपा का कमल फिर से खिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार अपने गौरवशाली अतीत के लिए जाना जाता है। यही वह धरती है, जिसने विश्व को नालंदा विश्वविद्यालय दिया और लोकतंत्र की नींव रखी। योगी ने सरदार वल्लभभाई पटेल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने के लिए उन रियासतों को झुकाया जो भारत गणराज्य में शामिल नहीं होना चाहती थीं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार में अराजकता का माहौल था किसान पलायन कर रहे थे, नौजवान बेरोजगार थे, और व्यापारियों की हत्या आम बात थी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों में बिहार ने स्थिरता और विकास की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं। योगी ने कहा कि नया भारत झुकता नहीं, रुकता नहीं। आतंकवाद और नक्सलवाद को उसके गढ़ में घुसकर खत्म करता है। यह भारत विकास भी करता है और सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। उन्होंने कांग्रेस और राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग राम मंदिर का विरोध करते थे, कोर्ट में कहते थे कि राम हैं ही नहीं। लेकिन आज मंदिर बन रहा है, और यही नया भारत है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया पर बुलडोजर चलता है और उनकी संपत्ति जब्त कर गरीबों के लिए आवास बनाए जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि अगर बिहार में एनडीए की सरकार बनती है, तो न माफिया राज लौटेगा, न अपराध। सभा के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि लालगंज सहित पूरे बिहार में भाजपा और एनडीए की ऐतिहासिक जीत होगी। अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल वोट बैंक की राजनीति करता है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में देश और बिहार दोनों विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने गरीबों के लिए मुफ्त राशन, आवास, शौचालय, बिजली और रोजगार जैसी योजनाओं को धरातल पर उतारा है।

दुलारचंद यादव मर्डर केस में अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर बोले तेजस्वी, यह तो होना ही था

पटना, एजेंसी। दुलारचंद यादव हत्याकांड में देर रात पटना पुलिस ने अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि, अब मोकामा की जनता चुनाव लड़ेगी। शनिवार की रात पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा पूर्व विधायक को गिरफ्तार करने टीम के साथ मोकामा पहुंचे थे। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी का वीडियो भी अनंत सिंह ने अपने पोस्ट में शेयर किया है। गिरफ्तारी के बाद क्या बोले अनंत सिंह ?- दुलारचंद यादव मर्डर केस में गिरफ्तारी के बाद बाद मोकामा से जेडीयू सांसद अनंत सिंह ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सत्यमेव जयते !! मुझे मोकामा के जनता पर पूर्ण भरोसा है !! इसलिए चुनाव अब मोकामा की जनता लड़ेगी ! अनंतसिंह। पटना एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने दी जानकारी - पटना के एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि इस हत्याकांड में मोकामा से जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह समेत उनके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अब तक तीन लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है ।एसएसपी ने बताया कि यह कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और घटनास्थल से जुटाए गए वीडियो फुटेज जैसे साक्ष्यों के आधार पर की गई है। क्या बोले अनंत सिंह के समर्थक- वहीं अनंत सिंह के समर्थक ने कहा कि अनंत सिंह ने कानून का सम्मान करते हुए ये गिरफ्तारी दी है और उनका कहना है की वो पूरी तरह बेगुनाह है ।और जहां तक चुनाव की बात है तो मोकामा की जनता चुनाव लड़ती है। हमेशा से विधायक जी के साथ मोकामा की जनता ने न्याय किया है और इस बार भी करेगी। अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर बोले तेजस्वी यादव - अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तो होना ही था यह स्पष्ट था। जिस प्रकार से घटना का अंजाम दिया गया यह तो होना ही था। आज प्रधानमंत्री जी आ रहे हैं आज ही आरा में और रोहतास में पिता पुत्र की हत्या कर दी गई। लगातार बिहार में महा जंगल राज की स्थिति बन रही है कोई ऐसा दिन नहीं है जिस दिन बिहार में गोलियां ना चल रही हो। यह सब प्रधानमंत्री जी को नहीं दिख रहा है ।महागठबंधन की सरकार बनने का दावा - आप लोगों को बता देना चाहता हूं 14 नवंबर को महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

चिराग ने तेजस्वी को दी सलाह कहा अहंकार ठीक नहीं, नरेंद्र नीतीश को जोड़ी होगी हिट

पटना, एजेंसी। मोकामा हत्याकांड के बाद बिहार में राजनीति चरम पर है नेता विपक्ष तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद कि एनडीए सरकार अपराधियों को संरक्षण देती है. अब इस बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि अगर एनडीए सरकार अपराधियों को संरक्षण देती तो शनिवार देर रात जो कार्रवाई हुई है वह नहीं होती. हमारी सरकार एक बात को लेकर के स्पष्ट है और जैसा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी कहते हैं कि ना हम किसी को बचाते हैं और ना ही हम किसी को फंसाते हैं

दोषी होगा उसे कतई बख्शा नहीं जाएगा - केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह एक न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है. दुर्घटना घटी है वह दुखद है और मैं कतई इस बात का का पक्षधर नहीं हूं. अगर एक भी हिंसा की घटना घटती है तो वह हमारी सरकार के लिए चिंता का विषय है जो भी दोषी होगा उसे कतई बक्सा नहीं जाएगा. जांच अभी चल रही है एक बार जांच में स्पष्ट रूप से सामने आ जाए कि किसी षड्यंत्र के तहत किसकी साजिश थी और जो भी गुनहगार होगा उसे बक्शा नहीं जाएगा.

जांच के नतीजे सामने आते ही जल्द होगी कार्रवाई -तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनती है तो सभी अपराधी खरमास के पहले जेल में होंगे. इस पर चिराग पासवान ने कहा कि हमलोग इंतजार तो नहीं कर रहे हैं की खरमास आएगा. जब भी जांच के नतीजे सामने आते ही हम लोग जल्द से जल्द कार्रवाई होगी. हमारी सरकार में हम लोग इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी तरीके से न्याय मिलने में विलंब नहीं हो. मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जी के सरकार में

बिहार की जनता एनडीए को रिकॉर्ड सीटें देने जा रही है..आरा की रैली में बोले पीएम मोदी

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान में महज चार दिन शेष है, जिसे लेकर सभी दल प्रचार में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। 6 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राज्य में एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में जनसभाएं करेंगे। वहीं राहुल गांधी भी रैली करेंगे। इधर, मोकामा में दुलारचंद यादव हत्याकांड के बाद बाहुबली नेता अनंत सिंह की गिरफ्तारी ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। अनंत सिंह के समर्थकों का कहना है कि समाजवादी पार्टी ने उन्हें न्याय का आश्वासन दिया है।

मोकामा से JDU उम्मीदवार अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर रोहतास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरएलएम चीफ उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि कानून अपना काम करता है। प्रशासन उचित कार्रवाई करती है।

बिहार में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, आप अपना वोट, किसी को विधायक या मंत्री बनाने के लिए मत दीजिएगा, बल्कि अपना वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए दीजिएगा। लालू-राबड़ी के राज में बिहार का जो पतन हुआ, वही जंगलराज कपड़े, चेहरा और भेष बदलकर फिर से आने वाला है। मुजफ्फरपुर वाले अगर फैसला कर ले कि एनडीए को जिताना है तो बिहार में जंगलराज को कोई नहीं ला सकता।

आरा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि RJD के जंगलराज की पहचान जिन चीजों से होती है, वह है कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुसंस्कार, कुशासन और करप्शन। उन्होंने कहा, अगर आरजेडी बिहार में जंगलराज और तुष्टिकरण की राजनीति लाई, तो कांग्रेस की पहचान सिखों के नरसंहार से जुड़ी है। यह 1 और 2 नवंबर 1984 की बात है। आज भी 2

नवंबर है। कांग्रेस के लोगों ने 1 और 2 नवंबर 1984 को दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों में सिख नरसंहार को अंजाम दिया था। आज भी कांग्रेस अपनी पार्टी में सिख नरसंहार के दोषियों को पूरे सम्मान के साथ नए पद दे रही है। उन्हें बढ़ावा दे रही है। कांग्रेस हो या राजद, उन्हें अपने पापों का कोई पछतावा नहीं है।

बेगूसराय में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, बिहार में हमारा महागठबंधन सत्ता में आएगा और हम आपको सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करेंगे। मैं आपको व्यक्तिगत गारंटी देता हूं कि जिस दिन केंद्र में इंडी गठबंधन सत्ता में आएगा, हम नालंदा विश्वविद्यालय जैसा अच्छा विश्वविद्यालय खोलेंगे। हम ऐसा विश्वविद्यालय खोलेंगे जहां दुनिया भर से छात्र आएंगे और दाखिला लेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार बिहार की जनता एनडीए को रिकॉर्ड सीटें देने जा रही है, ये जंगलराज वाले इस बार सबसे करारी हार का रिकॉर्ड बनाने वाले हैं क्योंकि बिहार की पुरानी पीढ़ी और अब नई पीढ़ी ने ठान लिया है फिर एक बार एनडीए सरकार। उन्होंने कहा, विकसित बिहार, विकसित भारत का आधार है। जब मैं विकसित बिहार की बात करता हूं, तो इसका मतलब है बिहार का औद्योगिक विकास, बिहार के युवाओं को बिहार में ही रोज़गार है। आरा के इस मंच से मैं कहता हूं कि आपका सपना ही हमारा संकल्प है। मोकामा विधानसभा सीट से जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह की दुलारचंद यादव हत्या मामले में गिरफ्तारी पर भाजपा नेता राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि दुलारचंद यादव के बारे में भी कुछ इतिहास निकलकर आया है। उन्होंमने कहा, अपराध का कोई संरक्षणकर्ता नहीं है। कानून अपना काम करेगा चुनाव आयोग अपना निर्णय लेगा। अभी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है बिहार की विधि व्यवस्था को बनाए रखना।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने दावा किया है कि बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा, पिछले 20 सालों से एक ही व्यवस्था चली आ रही है। बिहार के युवा और मेहनती लोग अब इस व्यवस्था से तंग आ चुके हैं और ऊब चुके हैं। लंबे समय से बदलाव की मांग उठ रही थी और अब हमारे गठबंधन के साथ आने से लोगों को उम्मीद दिख रही है। इस सरकार का जाना तय है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मोकामा हिंसा पर बयान दिया है। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए ना कोई पक्ष है ना कोई विपक्ष है, सब समकक्ष हैं। जहां तक हिंसा की बात है, चुनाव आयोग स्पष्ट करना चाहता है कि चुनाव आयोग हिंसा के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है। हिंसा की कोई गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सामान्य मतदाता शांतिपूर्वक अपनी स्वेच्छा के अनुसार पारदर्शी तरीके से मतदान कर पाए, उसके लिए चुनाव आयोग तैयार है।

तेज प्रताप यादव ने अपने भाई तेजस्वी पर साधा निशाना, अखिलेश को भी लपेटा

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से महज चार दिन पहले राजनीतिक बयानबाजी चरम पर है। जनशक्ति जनता दल (जजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने पटना में मीडिया से बातचीत में कई मुद्दों पर तीखे तेवर दिखाए। अनंत सिंह की गिरफ्तारी से लेकर पीएम मोदी के रोड शो, तेजस्वी यादव के शपथ ग्रहण दावे और अखिलेश यादव के बयान तक पर तेज प्रताप ने हर सवाल पर बेबाकी से जवाब दिया।

अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर तेज प्रताप : मोकामा से निर्दलीय उम्मीदवार अनंत सिंह की हालिया गिरफ्तारी पर तेज प्रताप ने कहा, जिस तरीके की छवि है और जिनके ऊपर आपराधिक और क्रिमिनल मामले दर्ज हैं, वह तो गिरफ्तार होगा ही। उन्होंने इसे कानून की कार्रवाई बताया और कहा कि ऐसे लोगों को कानून के दायरे में रहना चाहिए। गौरतलब है कि अनंत सिंह पर हत्या, अपहरण समेत 70 से अधिक मामले दर्ज हैं और वह 2020 में भी जेल से चुनाव जीतकर विधायक बने थे।

पीएम मोदी के रोड शो पर कहा चुनाव है, लोग आएंगे ही : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार में लगातार रोड शो पर सवाल उठने पर तेज प्रताप ने कहा, सब लोग अपना-अपना काम कर रहे हैं, हम भी अपना काम कर रहे हैं। चुनाव है तो लोग आएंगे ही। उन्होंने इसे लोकतंत्र की खूबसूरती बताया और कहा कि जनता सब देख रही है। पीएम मोदी ने पिछले दो दिनों में पटना, गया और मुजफ्फरपुर में रोड शो किए हैं, जिनमें भारी भीड़ उमड़ी।

तेजस्वी के शपथ बयान पर तंज: आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के उस बयान पर कि 18 नवंबर को मैं मुख्यमंत्री पद की शपथ लूंगा, तेज प्रताप ने मुस्कुराते हुए कहा, अभी सरकार बनी नहीं है। कहने के लिए लोग कुछ भी कह सकते हैं, ऐसे ही कहते रहेंगे। उन्होंने इसे चुनावी जोश बताया, लेकिन साथ ही अपने भाई पर निशाना साधते हुए कहा कि बयानबाजी से सरकार नहीं बनती, जनादेश चाहिए।अखिलेश यादव पर हमला- समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान कि सीएम नीतीश सिर्फ चुनावी दूल्हा हैं पर तेज प्रताप ने कहा, अखिलेश यादव के बारे में क्या कहा जाए? वह तो बाउंड्री फांद जाते हैं, गेट फांद जाते हैं। ऐसे दीवार फांदने वाले लोग क्या बोलेंगे? यह तंज अखिलेश के उस पुराने वाकये की ओर इशारा था।

प्रधानमंत्री के रोड शो में नहीं शामिल हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटना में फिर से रोड शो किया, प्रधानमंत्री के रोड शो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर को दो जनसभाओं को संबोधित किया। इसके बाद शाम को पटना में भव्य रोड शो किया। 6 नवंबर को पटना जिले के सभी सीटों पर वोटिंग - 6 नवंबर को पटना जिले के सभी विधानसभा में वोट डाले जाने हैं। पटना जिले में 14 विधानसभा की सीटें हैं और उस पर एनडीए की नजर है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी सिंदूर ऑपरेशन के बाद पटना में रोड शो किया था कुछ ही महीने के अंतराल पर ये दूसरा रोड शो है।

लगातार दूसरा रोड शो में सीएम नीतीश नहीं रहेंगे मौजूद -बिहार विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो गई है। आज प्रधानमंत्री दो-आरा और नवादा में जनसभा को संबोधित करेंगे और शाम को करीब साढ़े पांच बजे पटना में भव्य रोड शो करेंगे।इससे पहले सिंदूर ऑपरेशन के बाद जब प्रधानमंत्री ने पटना में रोड शो किया था तो उसमें भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे। अब लगातार दूसरा रोड शो है जिसमें नीतीश कुमार मौजूद नहीं रहेंगे। नीतीश कुमार आज कई चुनावी सभा में ले रहे भाग - मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज कई चुनावी सभा में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री के चुनाव प्रचार अभियान को देख रहे जदयू एमएलसी संजय गांधी के अनुसार मुख्यमंत्री आज कई चुनावी सभा करेंगे। तारापुर, साहेब कमाल, महेशी सहरसा और उसके बाद मधेपुरा के आलमनगर में जनसभा होगी और फिर रात में मधेपुरा में ही मुख्यमंत्री विश्राम करेंगे । शाम 5 बजे से शुरू होगा पीएम का रोड शो - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो रविवार शाम 5 बजे से शुरू होगा। यह यात्रा पटना के दिल कहे जाने वाले दिनकर गोलंबर से शुरू होकर नाला रोड, बारी पथ, ठाकुरबाड़ी रोड, बाकरगंज होते हुए गांधी मैदान स्थित उद्योग भवन तक जाएगी।

आज से मौसम साफ होने के आसार, मोंथा ने बिहार चुनाव प्रचार की रफ्तार थामी

पटना, एजेंसी। मोंथा चक्रवात का असर अब बिहार चुनाव पर भी पड़ चुका है। पिछले तीन दिनों से पटना समेत बिहार के कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। ऐसे में डर है कि पहले चरण के चुनाव (छह नवंबर) पर खराब मौसम पर खराब मौसम का असर न पड़ जाए। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, पूर्णिया, समेत कई जिलों में लगातार बारिश के कारण जलजमाव है। जनसभा स्थल और हेलीपैड जलमग्न हो चुके हैं। मौसम विभाग की ओर से अगले तीन दिनों तक बारिश के आसार जताए गए हैं। मोंथा चक्रवात के कारण बिहार के लगभग सभी जिलों में आसमान में बादल छाए हुए हैं। उत्तरी भागों में अति भारी बारिश और बाकी जिले में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, मौसम विभाग ने तीन नवंबर के बाद से मौसम साफ होने के आसार जताए हैं। इधर, पटना नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी अधिकारियों को बारिश को ध्यान में

रखते हुए पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। खराब मौसम के कारण महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दलों की जनसभाएं रद्द करनी पड़ रही है। पटना का मौसम कितना खराब हो चुका है कि हेलीकॉप्टर सेवा पूरी तरह बाधित हो चुकी है। पिछले दो दिनों से कई स्टार प्रचारक के हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाए। इस कारण से वह अपने कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन दिनों में 23 उड़ानें रद्द की गई हैं। कम दृश्यता और हेलीपैड जलमग्न होने के कारण ऐसा हो रहा है। खगड़िया में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की आज होने वाली सभा खराब मौसम के कारण रद्द हो गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

एनडीए के 10 और महागठबंधन 12 उड़ानें रद्द हुई हैं : मौसम विभाग के अनुसार, लगातार बारिश और आसमान में बादल छाए रहने के कारण दृश्यता दो हजार से भी कम है। इसलिए हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रही है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन दिनों में महागठबंधन के 10 उड़ानें रद्द हुईं। इनमें राजद के छह, कांग्रेस के दो और वीआईपी के दो हेलीकॉप्टर चुनावी सभा के लिए उड़ान नहीं भर पाए। वहीं एनडीए के 12 उड़ानें रद्द हुई हैं। इनमें भाजपा के नौ, जदयू के तीन उड़ाने रद्द हुई हैं। पिछले तीन दिनों में सीएम नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, कांग्रेस नेता पप्पू यादव समेत कई नेताओं की जनसभा प्रभावित हो गई। इतना ही नहीं खराब मौसम के कारण गुरुवार को पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बारिश के कारण तेजस्वी यादव की बिहारीगंज और आलमगंज की जनसभा रद्द हो गई।

बिहार में कांग्रेस कार्यकर्ता की संदिग्ध मौत से हड़कंप, पानी भरे गड्ढे में मिला शव

रोहतास, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राज्य में हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मोकामा में दुलारचंद यादव की हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि रोहतास जिले के नौहट्टा इलाके में कांग्रेस कार्यकर्ता वीर कमलेश सिंह का शव मिलने से सनसनी फैल गई है।

कैसे हुई कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या- नौहट्टा थाना क्षेत्र के कर्मडीहा गांव के पास पानी भरे गड्ढे में संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर एसडीपीओ-2 कुमारी वंदना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान टीपा गांव निवासी पारस सिंह के 63 वर्षीय पुत्र वीर कमलेश सिंह के रूप में हुई है।

परिजनों ने लगाया आरोप- परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक के भाई राणा प्रताप सिंह ने कहा, कमलेश कांग्रेस का सक्रिय कार्यकर्ता था। घर लौटते वक्त उसकी राजनीतिक द्वेष में हत्या कर शव फेंक दिया गया। दोषियों की

तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। एसडीपीओ कुमारी वंदना ने बताया कि मृतक कल से घर नहीं लौटा था। वह नशे की लत का शिकार था और अक्सर घर से बाहर रहता था। मौके से उसका मोबाइल फोन बरामद हुआ है। प्रथम दृष्ट्या शरीर पर कोई जख्म के निशान नहीं मिले हैं।क्या कहती है पुलिस- एसडीपीओ ने आगे कहा कि, लोगों से पूछताछ में पता चला कि वीर कमलेश नशा करता था और किसी से दुश्मनी नहीं थी।

लिफ्ट में फंसे नीतीश कुमार के करीबी मंत्री, कर्मचारियों ने गेट तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का प्रचार चरम पर है। तमाम नेता अपने दल और गठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने के लिए दिन-रात पसीना बहा रहे हैं। इसी क्रम में प्रचार पर निकले बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी के साथ एक अनचाही घटना घट गई। वह होटल के लिफ्ट में फंस गए। जिस वजह से वह काफी देर तक अंदर ही फंसे रहे।

लिफ्ट में फंसे महेश्वर हजारी- असल में समस्तीपुर के मगरदही घाट स्थित एक होटल के लिफ्ट से मंत्री महेश्वर हजारी समेत उनके सुरक्षा गार्ड निकल रहे थे लेकिन

अचानक लिफ्ट ने काम करना बंद कर दिया। बताया जाता है कि ओवरलोड के कारण लिफ्ट ने काम करना बंद कर दिया। जिस वजह से तमाम लोग अंदर फंस गए।

लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला- लिफ्ट बंद होने के कारण सायरन बजने लगा। आनन-फानन में होटल कर्मियों ने लिफ्ट को मैन्युअली नीचे उतारा गया। साथ ही लिफ्ट का दरवाजा तोड़ा गया। जिसके बाद सभी को सुरक्षित

कौन हैं महेश्वह हजारी?- बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी समस्तीपुर जिले की कल्याणपुर विधानसभा सीट से जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी हैं। वह इस सीट से मौजूदा विधायक भी हैं। हजारी बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

बिहार के सबसे अमीर प्रत्याशी, अरबों में संपत्ति, हैरान कर देगी पत्नी की पूंजी

मुंगेर, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की रणभेरी बज चुकी है। पहले चरण के मतदान से महज चार दिन पहले मुंगेर सीट से एनडीए गठबंधन के बीजेपी प्रत्याशी कुमार प्रणय ने अपना चुनावी हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें उनकी संपत्ति का ब्योरा सामने आया है। यह खुलासा न केवल मुंगेर, बल्कि पूरे बिहार को चौंका देने वाला है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, कुमार प्रणय पूरे बिहार के सबसे अमीर प्रत्याशियों की सूची में शीर्ष पर हैं।

सबसे अमीर प्रत्याशी, 170 करोड़ की संपत्ति का दावा- कुमार प्रणय ने अपने शपथ पत्र में चल और अचल संपत्ति को मिलाकर कुल 170 करोड़ रुपये (लगभग 1।70 अरब) की संपत्ति घोषित की है। यह आंकड़ा किसी छोटे-मोटे उद्योग समूह के वार्षिक टर्नओवर से कम नहीं है। उनकी चल संपत्ति, जिसमें नकद, बैंक जमा, शेयर और अन्य निवेश शामिल हैं, का सकल मूल्य 83।35 करोड़ रुपये है। वहीं, अचल संपत्ति में कृषि एवं गैर-कृषि भूमि के साथ इमारतें शामिल हैं, जिनका वर्तमान बाजार मूल्य 86।65 करोड़ रुपये आंका गया है।

इसके विपरीत, उनकी पत्नी की घोषित चल संपत्ति मात्र 132 रुपये है। यह विपरीत छोर वाला आंकड़ा किसी फिल्मी पटकथा जैसा लगता है, जहां पति करोड़ों में खेल

रहे हैं और पत्नी के पास नाममात्र की पूंजी। एडीआर की रिपोर्ट में पहले चरण के 1,303 उम्मीदवारों में 519 (40 प्रतिशत) करोड़पति हैं, लेकिन कुमार प्रणय का दबदबा बेजोड़ है।

पांच सालों में दोगुनी से अधिक हुई आय- कुमार प्रणय की संपत्ति के साथ उनकी आय का ग्राफ भी ऊपर की ओर चढ़ा है। शपथ पत्र के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2020-21 में उनकी आय 4।36 लाख रुपये थी, जो 2024-25 में बढ़कर 10।75 लाख रुपये हो गई। यानी, मात्र पांच वर्षों में आय में 146 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि मुंगेर के यह राजनेता न केवल जमीन पर मजबूत हैं, बल्कि वित्तीय पटल पर भी नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। एडीआर के अनुसार, बिहार में औसत उम्मीदवार की संपत्ति 3।26 करोड़ रुपये है, लेकिन प्रणय जैसे धनकुबेर उम्मीदवार राज्य की राजनीति को नया रंग दे रहे हैं।

बिहार के अन्य धनकुबेर उम्मीदवार- कुमार प्रणय के अलावा बिहार चुनाव 2025 में कई अन्य अमीर प्रत्याशी मैदान में हैं। एडीआर रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे चरण के अमीरों में मोकामा से अनंत सिंह (लगभग 70 करोड़ रुपये) तीसरे स्थान पर हैं, जो 2020 में भी टॉप पर थे। बेलागंज से जेडीयू की मनोरमा देवी (69 करोड़ रुपये) महिलाओं में सबसे अमीर हैं, जिनकी संपत्ति मुख्य रूप से रियल एस्टेट और कृषि भूमि पर टिकी है। अन्य प्रमुख नामों में नालंदा से कौशलेन्द्र कुमार (कांग्रेस, 30 करोड़ रुपये) और कोरहा से कविता देवी (2।9 करोड़ रुपये) शामिल हैं। सबसे गरीब उम्मीदवारों में दरभंगा से मोजाहिद आलम और पटना से शत्रुधन वर्मा (प्रत्येक के पास मात्र 1,000 रुपये) हैं।

मुंगेर सीट पर चारकोना मुकाबला- एक ओर जहां कुमार प्रणय की संपत्ति सुर्खियां बटोर रही है, वहीं मुंगेर सीट का इतिहास अस्थिरता से भरा पड़ा है। 2010 में जेडीयू के अनंत कुमार सत्यार्थी जीते, 2015 में आरजेडी के विजय कुमार विजय ने 2।6 प्रतिशत अंतर से बाजी मारी और 2020 में बीजेपी के प्रणव कुमार (अब कुमार प्रणय) ने मात्र 1,244 वोटों (0।8 प्रतिशत) के फासले से जीत हासिल की। इस बार चारकोना जंग माना जा रहा है। एनडीए से कुमार प्रणय का मुकाबला महागठबंधन के आरजेडी प्रत्याशी अविनाश कुमार विद्यार्थी से है, जिन्हें 2020 में हार का सामना करना पड़ा था। जन सुराज पार्टी के संजय कुमार सिंह, जो जिला परिषद सदस्य रह चुके हैं, तीसरे खंभे के रूप में उभर रहे हैं। स्वतंत्र उम्मीदवारों की मौजूदगी के साथ जातीय समीकरण (यादव, भूमिहार, कोइरी) और स्थानीय मुद्दे जैसे बाढ़ प्रबंधन व विकास कार्य निर्णायक होंगे। कोई आपराधिक केस नहीं- संपत्ति के इस पहाड़ के सामने कुमार प्रणय की आपराधिक पृष्ठभूमि पाक-साफ है। उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। एडीआर के अनुसार, पहले चरण में 30 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले हैं, लेकिन प्रणय का रिकॉर्ड बेदाग है। हालांकि, मुंगेर की यह सीट हमेशा अप्रत्याशित साबित हुई है और 6 नवंबर को होने वाले मतदान में वोटरों का फैसला सबको चौंका सकता है। बिहार चुनाव की यह जंग न केवल धन-दौलत की, बल्कि राजनीतिक चातुर्य की भी परीक्षा लेगी।

60 प्रतिशत गिरा टाटा केमिकल्स का मुनाफा

ब्रोकरेज ने कहा- शेयर में है दम, खरीद लो

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा केमिकल्स ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 60 प्रतिशत से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले इसी अवधि में उसका प्रॉफिट 194 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3.05 प्रतिशत घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। टाटा केमिकल्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने कहा, सोडा ऐश बाजारों में आपूर्ति की अधिकता बनी हुई है और अधिकांश क्षेत्रों में भंडार का स्तर ऊंचा है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं। चूंकि मांग-आपूर्ति संतुलन कमजोर बना हुआ है, इसलिए हमारा अनुमान है कि मध्यम अवधि में बाजार सीमित दायरे में रहेगा। उन्होंने कहा कि कम कीमतों के कारण बाजार में आई चुनौतियों के बावजूद बिक्री बढ़ने के कारण कंपनी का एकल प्रदर्शन सकारात्मक रहा और समग्र प्रदर्शन अनुशासित लागत प्रबंधन के कारण लचीला रहा है। बीते शुक्रवार को टाटा केमिकल्स के शेयर की बात करें तो 1.10 प्रतिशत टूटकर 890.75 रुपये पर बंद हुआ। इस शेयर को लेकर बीते दिनों एक ब्रोकरेज ने नया टारगेट प्राइस भी दिया था। घरेलू ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने टाटा केमिकल्स पर एड रेटिंग के साथ कवरेज शुरू किया है और सितंबर 2026 के लिए 970 प्रति शेयर का टारगेट प्राइस निर्धारित किया है। कंपनी ने सोडा ऐश व्यवसाय में मजबूत विकास संभावनाओं और रणनीतिक परिचालन कदमों का हवाला देते हुए यह टारगेट दिया है। नवंबर 2024 में शेयर की कीमत 1,164.65 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मार्च 2025 में शेयर 756.45 रुपये तक आ गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

पेंशन पाने वालों को इसी महीने जमा करना होगा लाइफ सर्टिफिकेट

● आधार ऑथेंटिकेशन होता है ● घर पर कैसे मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पेंशनर्स के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट भारत सरकार की एक योजना है। इसमें ध्यान रखा जाता है कि पेंशनर्स को लाइफ सर्टिफिकेट प्राप्त करने में कोई असुविधा नहीं हो। उन्हें घर बैठे और आसान तरीके से यह प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कुछ एजेंसियों को अधिकृत किया गया है। ये एजेंसिया पेंशनर्स के घर जा कर भी प्रमाणपत्र जारी करती हैं। जीवन प्रमाण पेंशनर्स के लिए एक डिजिटल सर्विस है जो बायोमेट्रिक तरीके से ऑथेंटिकेट कर उन्हें लाइफ सर्टिफिकेट प्रदान करता है। यह प्रमाणपत्र होते ही पेंशनर्स के संबंधित बैंक या पोस्टल पेमेंट बैंक के पास उनके जीवित होने की सूचना डिजिटल तरीके से पहुंच जाती है। उसके बाद उनके खाते में निर्बाध तरीके से पेंशन क्रेडिट होना जारी रहता है।

जीवन प्रमाण में आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। आपको जानकारी होगी ही कि हर साल पेंशन लेने वाले बुजुर्गों को अपनी पेंशन लगातार पाने के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करना जरूरी होता है। अब सरकार ने इसे और आसान बना दिया है। बुजुर्ग अपने घर बैठे ही जीवन प्रमाण पत्र

जमा कर सकते हैं, इसके लिए 'डोरस्टेप बैंकिंग' और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

अब पब्लिक सेक्टर बैंक एलायंस की डोरस्टेप बैंकिंग सर्विसेज के जरिए बुजुर्ग अपने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र घर बैठे जमा कर सकते हैं। यह सुविधा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के ग्राहकों और गैर-ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्ध है। आप अपने नजदीकी डाकघर से संपर्क करें, या पोस्ट जानकारी मोबाइल ऐप के जरिए रिक्वेस्ट डालें। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने के लिए कोई डोरस्टेप शुल्क नहीं। सफल डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट या डीएलसी के निर्माण पर केवल 70 रुपये (जीएसटी सहित) का शुल्क देश होगा। हालांकि सरकारी बैंक या पीएसबी गठबंधन में 60 साल और उससे ऊपर के बुजुर्गों के लिए यह सुविधा मुफ्त है। जीवन प्रमाण सफलतापूर्वक बनने के बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस भेजा जाएगा। इसके बाद ट्रांजैक्शन आईडी का उपयोग कर प्रमाण पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। यही प्रमाणपत्र पेंशनर्स के जीवति होने का प्रमाणपत्र है और इससे साल भर पेंशनर्स के खाते में पेंशन क्रेडिट होते रहेगा।

डोरस्टेप सर्विस लेने के लिए जरूरी चीजें

यदि आप जीवन प्रमाण के लिए डोरस्टेप सर्विस लेना चाहते हैं तो कुछ जरूरी चीजों का आपको ध्यान रखना होगा। सबसे पहले आपका आधार नंबर एक्टिव होना चाहिए और पेंशन खाते से लिंक होना चाहिए। साथ ही मोबाइल नंबर बैंक या डाकघर में रजिस्टर्ड होना चाहिए। इसके साथ ही पेंशन की जानकारी जैसे पीपीओ नंबर, पेंशन का प्रकार और भुगतान एजेंसी तैयार रखें। पेंशनर्स को हर साल इस समय लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होता है। इसमें 60 साल से 80 साल तक के पेंशनर्स के लिए यह सर्टिफिकेट जमा करने का तय समय एक नवंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 है। हां, जिन पेंशनर्स की उम्र 80 साल या इससे ज्यादा हो चुकी है, उन्हें एक अक्टूबर 2025 से लेकर एक नवंबर 2025 तक लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने का वक्त दिया गया है।

व्यापार समझौते पर ट्रंप-शी में सहमति, आर्थिक सहयोग पर 21 देश राजी

चुनौतियों से निपटने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में सहमति बनने के बाद एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने शनिवार को वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। इस दौरान क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने संबंधी बयान भी जारी किया गया। नेताओं ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने व साझा चुनौतियों से निपटने पर चर्चा को लेकर शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद 'एपेक' नेताओं ने एक साझा बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (अमेरिका-चीन) के बीच व्यापार तनाव से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया। इससे एक दिन पहले ही राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति ने व्यापार के मामले में बढ़ता तनाव घटाने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। ट्रंप ने एक दिन पूर्व जिनपिंग से हुई मुलाकात में चीन पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) में कटौती की बात कही और बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने व अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जताई। ट्रंप-शी में बनी सहमति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को घोषणा की कि चीन अगले साल नवंबर 2026 में एपेक आर्थिक नेताओं की बैठक की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं का 2026 का शिखर सम्मेलन शेन्झेन में आयोजित किया जाएगा।

अमेरिका ने मोड़ा मुंह तो कई देशों ने किया भारत का बाहें खोलकर स्वागत

भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और सी प्रोडक्ट (समुद्री उत्पाद) पर काफी असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर टैरिफ लगाया है, अमेरिका को एक्सपोर्ट काफी कम हो गया है। शुरू में माना जा रहा था कि इससे भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और सी प्रोडक्ट (समुद्री उत्पाद) पर काफी असर पड़ेगा। लेकिन ऐसा बहुत कम हुआ। अमेरिका ने टैरिफ के जरिए भारत के लिए रास्ते बंद किए तो दूसरे देशों ने भारतीय प्रोडक्ट का स्वागत किया।

भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और समुद्री उत्पादों के निर्यात में अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से मिली है। यह दिखाता है कि भारत अपने सामान को अलग-अलग देशों में बेच रहा है, सिर्फ अमेरिका पर निर्भर नहीं है। यूएई, वियतनाम, बेल्जियम और सऊदी अरब जैसे देशों में इन चीजों की मांग बढ़ी है। एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में बढ़ती मांग के कारण इन क्षेत्रों में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुई है। हालांकि अमेरिका अभी भी समुद्री उत्पादों के लिए सबसे बड़ा बाजार है जहां भारत ने 1.44 अरब डॉलर का निर्यात किया। लेकिन सबसे ज्यादा बढ़ोतरी वियतनाम में 100.4 फीसदी, बेल्जियम में 73.0 फीसदी और थाईलैंड में 54.4 फीसदी देखी गई। इससे पता चलता है कि भारत अपने समुद्री उत्पादों का व्यापार एशिया और यूरोप के कई देशों में फैला रहा है। चीन में भी 9.8 फीसदी, मलेशिया में 64.2 फीसदी और जापान में 10.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में निर्यात में 8.6 फीसदी (136.5 मिलियन डॉलर) की वृद्धि हुई है, जो इसे भारतीय कपड़ों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय

कपड़ा निर्यात में यहां मारी बाजी

भारत के कपड़ा निर्यात भी पेरू और नाइजीरिया जैसे नए और उभरते बाजारों में अपनी जगह बना रहे हैं। जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान, भारत के कपड़ा निर्यात में 1.23 फीसदी की मामूली लेकिन सकारात्मक वृद्धि हुई है। यह कुल 28.05 अरब डॉलर रहा। यह वृद्धि अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी मांग के कारण हुई है। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात में पिछले साल की तुलना में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह कुल 4.83 अरब डॉलर रहा। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग है।

एलजी नहीं, लेंसकार्ट का हाल टाटा कैपिटल जैसा ना हो जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले महीने दो कंपनियों के आईपीओ की खूब चर्चा थी। पहली कंपनी टाटा कैपिटल और दूसरी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड। इसमें से टाटा कैपिटल के आईपीओ की सुस्त शुरुआत हुई थी। कहीं यही हाल लेंसकार्ट का ना हो जाए। ग्रे मार्केट लेंसकार्ट के आईपीओ को लेकर डरा रहा है। बता दें, रिटेल निवेशकों की तरफ से लेंसकार्ट के आईपीओ को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। जिसकी वजह से पहले दिन ही रिटेल कैटगरी में आईपीओ पूरा भर गया है। इंवेस्टर्सगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ कल शाम को 85 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। जोकि 21.14 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन की ओर संकेत दे रहे हैं। हालांकि, 31 अक्टूबर की तुलना में लेंसकार्ट के आईपीओ का जीएमपी 10 रुपये प्रति शेयर गिर चुका है। लेंसकार्ट के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 108 रुपये रहा है। इस स्तर पर यह आईपीओ ग्रे मार्केट में 28 अक्टूबर को था। लेंसकार्ट का आईपीओ शुक्रवार यानी 31 अक्टूबर को खुला था। पहले दिन ही आईपीओ को 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 1.32 गुना, क्यूआईबी कैटगरी में 1.42 गुना और एनआईआई कैटगरी में 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। लेंसकार्ट का आईपीओ अगले दो दिन यानी 4 नवंबर तक ओपन रहेगा। एंकर निवेशकों से लेंसकार्ट ने 3268.36 करोड़ रुपये जुटाए थे। लेंसकार्ट का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 30 अक्टूबर को खुला था। इस मेनबोर्ड सेगमेंट के आईपीओ का प्राइस बैंड 382 रुपये से 402 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी ने 37 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14874 रुपये का दांव लगाना पड़ा था।

वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी राजस्व बजट अनुमान से अधिक रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की आर्थिक दिशा पर अहम संकेत देते हुए एसबीआई रिसर्च ने कहा है कि वित्त वर्ष 2026 (एफवाई26) में जीएसटी से होने वाली आय सरकार के बजटीय अनुमानों से ज्यादा होगी। रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में कर दरों के पुनर्गठन के बाद भी जीएसटी से होने वाला कुल राजस्व मजबूत स्थिति में रहेगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में कर प्रणाली की स्थिरता का संकेत देता है।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि हम अनुमान लगाते हैं कि वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी संग्रह बजट में तय अनुमान से अधिक रहेगा। रिपोर्ट ने यह आकलन जीएसटी परिषद द्वारा जारी विकास दर के अनुमानों के आधार पर किया है। इसमें बताया गया कि कर दरों में हालिया पुनर्गठन के बावजूद अधिकांश राज्यों को वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध लाभ मिलेगा।

जानें राज्यों की स्थिति

सितंबर 2025 में लागू किए गए जीएसटी दर पुनर्गठन के तहत अब चार स्तर की संरचना लागू है। शून्य प्रतिशत, पांच

प्रतिशत, 18 और 40 फीसद। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र को इस बदलाव से करीब छह प्रतिशत का लाभ होगा, जबकि कर्नाटक को 10.7 फीसद तक की बढ़ोतरी मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दरों के पुनर्गठन के बाद कुल मिलाकर राज्य नेट गेनर यानी लाभार्थी रहेंगे।

पूर्व आंकड़ों से मिला भरोसा

एसबीआई रिसर्च ने अपने विश्लेषण में जुलाई 2018 और अक्टूबर 2019 के जीएसटी दर संशोधन के अनुभवों को भी जोड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, दरों में बदलाव के बाद शुरुआती महीनों में तीन से चार प्रतिशत की अस्थायी गिरावट देखने को मिलती है, लेकिन इसके बाद राजस्व में लगातार पांच से छह प्रतिशत मासिक वृद्धि होती है। अनुमान के मुताबिक, यह सुधार सालाना एक लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी में बदल सकता है।

मौजूदा जीएसटी आंकड़े

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर 1.95 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल इसी महीने में 1.87 लाख करोड़ रुपये था। अप्रैल से अक्तूबर 2025 तक कुल संग्रह नौ प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13.89 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। इस अवधि में सेंट्रल जीएसटी, स्टेट जीएसटी और इंटीग्रेटेड जीएसटी सभी में बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सेस कलेक्शन में मामूली कमी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी महीनों में सरकार का राजस्व और मजबूत हो सकता है।

डीएफसीसीआईएल ने बढ़ाई रफ्तार

मालगाड़ी संचालन में 48 प्रतिशत उछाल, लागत घटी और रफ्तार बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी।
डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ी संचालन में 48 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। निगम ने बताया कि इस दौरान करीब एक टन माल को कुल 1.15 करोड़ किलोमीटर की दूरी तक पहुंचाया गया।

रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और चेयरमैन सतीश कुमार ने शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस समारोह में यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में डीएफसीसीआईएल ने औसतन प्रतिदिन 381 मालगाड़ियां चलाईं। कंपनी ने कहा कि भारत की कुल लॉजिस्टिक्स लागत लगभग 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें डीएफसीसीआईएल के परिचालन ने लागत को जीडीपी के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत तक लाने में अहम योगदान दिया है।

समीक्षा अवधि के दौरान कुल 1,39,302 ट्रेनों का सफल संचालन हुआ। इस दौरान ग्रॉस टन किलोमीटर 20,02,271 मिलियन और नेट टन किलोमीटर 11,49,79 मिलियन तक पहुंच गया। संस्थान ने बताया कि इस साल ÷रुद्रा÷ नाम की देश की सबसे लंबी मालगाड़ी 4.5 किलोमीटर लंबी, 354 वैगन और सात इंजन वाली को सफलतापूर्वक चलाकर नया इतिहास रचा गया।

डीएफसीसीआईएल ने गतिक शक्ति कार्गो टर्मिनल्स

और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब्स के जरिए कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया है। मार्च 2025 में गोठांगम का उद्घाटन हुआ, जबकि न्यू दौद खान और न्यू अंकलेश्वर टर्मिनल भी शुरू किए गए।

ट्रक ऑन ट्रेन और हाई-स्पीड स्मॉल कार्गो सर्विस जैसी पहलें रेल परिवहन की दिशा में बड़ा बदलाव ला रही हैं। डीएफसीसीआईएल का कहना है कि इन पहलों से स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों से जोड़ने में मदद मिल रही है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला अधिक कुशल बन रही है और लॉजिस्टिक्स लागत में और कमी आ रही है।

सरकार से मिली छूट के बाद भी जीएसटी कलेक्शन 1.96 लाख रहा

नई दिल्ली, एजेंसी।
अक्टूबर माह के जीएसटी कलेक्शन से जुड़े आंकड़ों को आज सरकार की तरफ से रिलीज कर दिया गया है। जारी डाटा के अनुसार अक्टूबर के महीने में 1.96 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ है। जोकि सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत अधिक है। बता दें, सरकार ने इन आंकड़ों को 1 नवंबर को जारी किया है। चार महीना पहले की तुलना में जीएसटी कलेक्शन इस बार अक्टूबर के महीने में 4.6 प्रतिशत घट गया है। वहीं, पिछले महीने की तुलना में जीएसटी कलेक्शन में इस बाक 1.8 लाख करोड़ रुपये रहा है। बता दें। आखिरी बार जीएसटी कलेक्शन मई के महीने में 2 लाख करोड़ रुपये को क्रॉस किया था।

375 सामानों पर हुई जीएसटी कटौती: रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल

सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुई थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है।

शनिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में नेट जीएसटी कलेक्शन लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6 प्रतिशत अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में टैक्स कलेक्शन क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है।

कितना हुआ जीएसटी रिफंड

जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। अक्टूबर 2025 में नेट जीएसटी रेवन्यू 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2 प्रतिशत अधिक है।

क्या सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा बने बिग बी?

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' आर्मी बैकग्राउंड पर है। फिल्म में सलमान एक आर्मी ऑफिसर के रोल में दिखेंगे। फिल्म को अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। इस डायरेक्ट ने अमिताभ बच्चन के साथ एक पोस्ट शेयर की। जिससे हिंट मिलता है बिग बी भी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का हिस्सा बन रहे हैं।

अपूर्व ने पोस्ट में क्या लिखा?

अपूर्व लाखिया ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में अमिताभ बच्चन के साथ एक फोटो शेयर की। उस पर कैप्शन लिखा, 'लीजेंड, सेट पर।' आगे वह लिखते हैं, 'सोचिए, वह मुझे क्या बता रहे हैं।' इस फोटो में अमिताभ बच्चन कुछ कह रहे हैं और अपूर्व सुन रहे हैं।

अपूर्व ने फिल्म का नाम नहीं लिखा

अपनी पोस्ट में डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का नाम नहीं लिखा है। ऑफिशियली भी इस बात की पुष्टि नहीं की गई। अब देखना होगा कि क्या सच में अमिताभ बच्चन और सलमान खान साथ काम करेंगे।

कब रिलीज होगी सलमान की फिल्म

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की अभी शूटिंग चल रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी साझा नहीं की गई है। लेकिन उम्मीद है कि अगले साल ईद पर सलमान की यह फिल्म रिलीज हो जाएगी।

रुक्मिणी वसंत ने बताया कैसे बनीं कांतारा चैप्टर 1 की कनकवती

रुक्मिणी वसंत ने अपने चाहने वालों को बिहाइन्ड द सीन्स झलक दिखाई है कि किस तरह उन्होंने कांतारा चैप्टर 1 में कनकवती का रूप रचा. बीकमिंग कनकवती नाम की तस्वीरों और वीडियो की इस शानदार सीरीज़ में वो तैयारी, जुनून और बारीकियों की झलक मिलती है, जिसने इस बहुचर्चित किरदार में जान डाली. पोस्ट की शुरुआत होती है रुक्मिणी की पर्सनल नोटबुक से — एक हाथ से बना स्केच इन पब्लिक अवतार के नाम से, और पन्नों में दर्ज भावनाओं-खासियतों-भीतरी संसार पर लिखे नोट्स. ये देखकर साफ होता है कि कनकवती का जन्म कागज़ पर हुआ, स्क्रीन पर नहीं. इसके बाद नज़र जाती है फिल्म के भव्य सेट पर. एक तस्वीर में रुक्मिणी सोने के गहनों में सजी, शाही बालकनी पर हल्की बारिश में मुस्कुरा रही हैं — कनकवती की शांत ताक़त जैसे फ्रेम में टँक गई हो. दूसरी तस्वीर में वो नीले रंग के परिधान में 'पीस' दिखाती हुई — ऑफ-स्क्रीन उनकी खिलखिलाती शरारत साफ झलकती है. एक कैंडिड फ्रेम में वो वरू के साथ गहरे चर्चा में मग्न हैं, और वहीं दूसरी तस्वीर में उनकी योद्धा वाली छवि — जिरहबख्तर पहने, खून से लथपथ फिर भी शान से मुस्कुराती — नर्मी और नुकीलापन एक ही फ्रेम में. रुक्मिणी ने घुड़सवारी की ट्रेनिंग का वीडियो भी साझा किया, जिसमें कनकवती के रानी + योद्धा दोनों हावभाव व चाल ढाल पर उनकी पकड़ झलकती है. ये पोस्ट उस वक्त आया जब रुक्मिणी ने इंस्टाग्राम पर 30 लाख फ़ॉलोअर्स का मुकाम भी छू लिया — उनकी कला और सच्चाई के लिए बढ़ती कद्र का सबूत.

साल की सबसे बेसब्री से इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में कांतारा चैप्टर 1 शामिल है — और कनकवती के रूप में रुक्मिणी वसंत का अभिनय पहले ही यादगार प्रदर्शन के रूप में दर्ज होने लगा है — तैयारी, कलाकारी और रूह से जन्मा. आगे रुक्मिणी को टॉक्सिक- अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स और एनटीआर नील जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में भी देखा जाएगा — जो उनकी देखते रहो — यह रुक्मिणी रुकने वाली नहीं वाली स्थिति को और मजबूत करता है.

डेब्यू फिल्म को लेकर सीरियस नहीं थे इब्राहिम, अपनी इस समस्या पर कर रहे हैं काम

इब्राहिम अली खान अपने माता-पिता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इब्राहिम ने इसी साल बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। हालांकि, अभी तक उनकी कोई फिल्म सिनेमाघरों में नहीं रिलीज हुई है। इब्राहिम के अभिनय को तो मिली-जुली-प्रतिक्रिया मिली है। लेकिन उन्हें बोलने में कुछ दिक्कत है। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में आखिरकार इब्राहिम की आवाज सुनने को मिली। इस दौरान वह लिस्पिंग करते हुए दिखाई दिखाई। वीडियो के सामने आने के बाद नेटिजन्स उनके इस आत्मविश्वास की तारीफ की।

जल्दबाजी में किया इंडस्ट्री में अपना डेब्यू

एस्क्वायर इंडिया के साथ हालिया बातचीत में इब्राहिम ने अपने डेब्यू को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि मैं यह नहीं कह रहा कि मैंने अपने मौके को हल्के में लिया, लेकिन मैंने इंडस्ट्री में ऐसे कदम रखा जैसे, हो जाएगा। बेशक मैं बहुत मेहनत कर रहा था, जैसे मैं अभी भी अपनी बोलने की समस्या पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लेकिन एक तरह से मुझे लगता है कि मैं उस फिल्म में जल्दबाजी में आ गया था। मैं 21 साल का था जब मैंने इसकी शूटिंग शुरू की। मेरे आस-पास के दूसरे लोग इसे 26, 27, 28 साल की उम्र में कर रहे हैं। अब मुझे लगता है कि जो होने वाला था, उसके पैमाने के बारे में मैं ज्यादा सचेत हो सकता था।

इब्राहिम ने की सैफ अली खान की तारीफ

अपनी बोलने की समस्या और अपने परिवार की मेहनत पर बात करते हुए इब्राहिम ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरी बोलने की समस्या मेरे फिल्मी करियर में आड़े आएगी। जब मैं सोचता हूं कि मेरे पिता ने क्या-क्या झेला है और उन्हें अपनी पहचान बनाने में कितना समय लगा, तो मुझे लगता है कि मुझे भी कड़ी मेहनत करनी होगी और बेहतर बनना होगा। पिता सैफ अली खान की तारीफ करते हुए इब्राहिम ने कहा कि मुझे लगता है कि मेरे पिता एक बेहतरीन अभिनेता हैं। मुझे उनके बारे में जो बात सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि शुरुआत में बहुत से लोग उन पर शक करते थे। उन्हें अपनी जगह बनाने और आज के बहुमुखी कलाकार बनने में काफी फिल्में लगीं। श्रीलीला के साथ अगली फिल्म में नजर आएंगे इब्राहिम वर्कफ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान ने इसी साल ओटीटी पर आई फिल्म 'नादानियां' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इसके बाद ओटीटी पर ही उनकी अगली फिल्म 'सरजमीं' भी रिलीज हुई। अब इब्राहिम कुणाल देशमुख की अगली फिल्म में नजर आएंगे। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा है।

रजनीकांत की जेलर 2 में विद्या बालन की एंट्री

सुपरस्टार रजनीकांत की साल 2023 में आई फिल्म जेलर बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। नेल्सन के डायरेक्शन में करीब 220 करोड़ के बजट में बनी तमिल एक्शन फिल्म ने देश में 348.55 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये की धुआंधार कमाई की थी। इसके बाद से ही इसके सीक्वल जेलर 2 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। रजीनकांत इन दिनों कुली की रिलीज के बाद से जेलर 2 की शूटिंग में बिजी हैं और यह 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से है। अब एक दिलचस्प खबर ये आ रही है कि इस सीक?वल फिल्म में विद्या बालन को कास्ट किया गया है। सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के मुताबिक, जेलर 2 में विद्या बालन एक अहम भूमिका में नजर आएंगी। इस सीक्वल फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पहली फिल्म की घटनाएं खत्म हुई थीं।

सूर्या की फिल्म में हुई रवीना की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर अब रवीना के फैंस के लिए एक गुड न्यूज सामने आई है। रवीना की तमिल सुपरस्टार सूर्या की आगामी फिल्म 'सूर्या 46' में एंट्री हो गई है। इस बात की आधिकारिक जानकारी देते हुए मेकर्स ने रवीना का स्वागत किया है और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

मेकर्स ने शेयर की बर्थडे पोस्ट

फिल्म के मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर रवीना को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही फिल्म में उनका स्वागत किया गया। मेकर्स ने रवीना की एक तस्वीर के साथ हैप्पी बर्थडे लिखा वाला उनका एक पोस्टर शेयर किया। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'टीम 'सूर्या 46' की ओर से सदाबहार रवीना टंडन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपको टीम में पाकर बहुत खुशी हुई और आगे के शानदार सफर का बेसब्री से इंतजार है।' इससे पहले जून में प्रोडक्शन हाउस ने शूटिंग शुरू होने के मौके पर सूर्या का एक सेमी-फॉर्मल लुक वाला पोस्टर शेयर किया था। कैप्शन में लिखा था, 'उत्सव, भावना और मनोरंजन की ओर पहला कदम। सूर्या 46 की शूटिंग शुरू।' इसके बाद से ही फैंस इस फिल्म के लिए उत्सुक हैं।

वेंकी अटलुरी कर रहे निर्देशन

नागा वामसी द्वारा सिथारा एंटरटेनमेंट्स के तहत निर्मित इस फिल्म का निर्देशन वेंकी अटलुरी ने किया है। फिलहाल फिल्म का नाम सूर्या 46 बताया जा रहा है। इसमें राधिका सरथकुमार और ममिथा बैजू भी हैं। अब फिल्म में रवीना टंडन की एंट्री से बॉलीवुड फैंस भी इस फिल्म के लिए उत्साहित हैं।

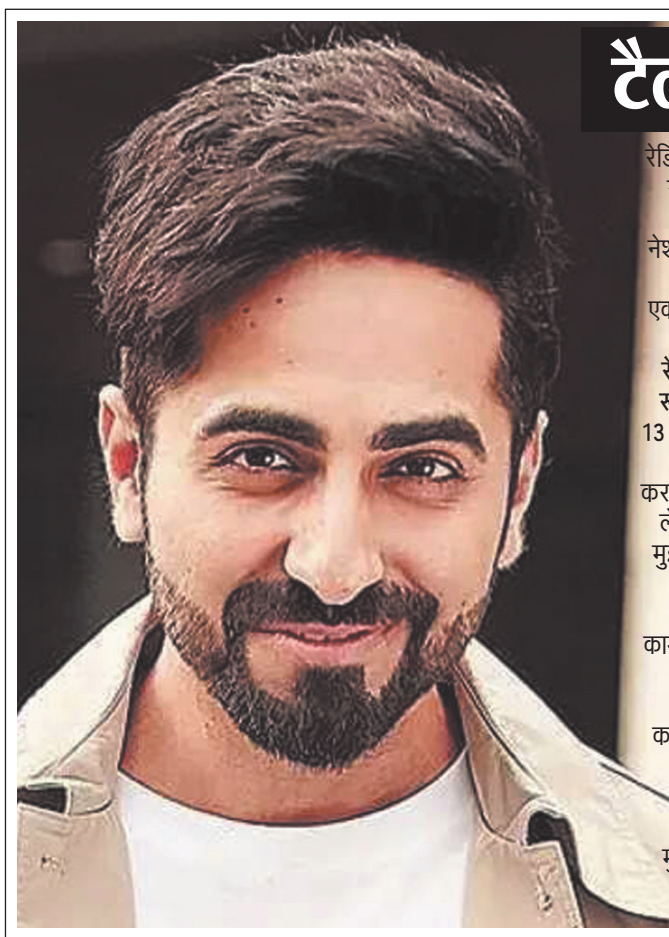

टैलेंट चाहे 19 हो, पर टाइमिंग 19 नहीं होनी चाहिए...

रेडियो जॉकी, होस्ट, कवि, गायक एक्टर जैसे कई रूपों को साकार करते हुए आयुष्मान खुराना के फिल्मी सफर को 13 साल पूरे हो गए हैं। इस नेशनल अवॉर्ड एक्टर ने अपने किरदारों के बलबूते पर इंडस्ट्री में स्टार सिस्टम को भेद कर अपनी एक नई राह बनाई। इन दिनों वे चर्चा में नई फिल्म थामा से।

रेडियो जॉकी, होस्ट, कवि, गायक एक्टर जैसे कई रूपों को साकार करते हुए आपके फिल्मी सफर को 13 साल पूरे हो गए हैं, अपने सफर को कैसे देखते हैं?

इस सफर के लिए मैं ऊपर वाले का शुक्र अदा करना चाहूंगा, क्योंकि टैलेंट बहुतों के पास होता है, लेकिन बहुत कम लोगों को मौका मिलता है। जब मुझे अपने क्राफ्ट पर काम करने का मौका मिला, तो इससे बड़ी बात क्या हो सकती है। मैं मल्टीटास्कर तो नहीं हूं। एक समय में एक ही काम कर पाता हूं, मगर इस फिल्म में भी मुझे एक गाना गाने का मौका मिला है। पहली बार इतना एक्शन करने का मौका मिला। ड्रीम गर्ल 2 मेरे करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग थी। ये फिल्म भी अच्छा कर रही है, तो मैं खुश हूं।

आपके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल दौर कौन-सा था?

मुझे लगता है कि लगातार अच्छा काम करने की खलिश एक सफल और महत्वाकांक्षी व्यक्ति के अंदर बनी रहनी चाहिए। वही आग उसे बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। मुझे करियर में कोई कड़ा संघर्ष तो नहीं करना पड़ा, मगर मैं लगातार बेबी स्टेप लेकर ऊपर चढ़ा हूं। मैंने पहले जर्नलिज्म किया, फिर रेडियो, फिर टीवी, इसके बाद थिएटर और आखिरी में फिल्में। ये मेरे लिए यात्रा ही रही। मैं जहां भी गया, काम अच्छा गया।

मैं सही समय पर सही जगह पर था। चंडीगढ़ में स्टूडेंट थिएटर हमने शुरू किया

मैं सही समय पर सही जगह पर था। चंडीगढ़ में स्टूडेंट थिएटर हमने शुरू किया, तब तक वहां सिर्फ डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन थिएटर के लोग ही रंगमंच किया करते थे। हमारे कॉलेज के प्रिंसिपल मिस्टर मरियम और प्रोफेसर विजय चौधरी ने ही हमें थिएटर करने के लिए इतने फंड दिए, क्योंकि उन्हें लगा कि इन लड़कों में आर्ट है और कुछ कर दिखाने का जज्बा। हमने नुक्कड़ नाटकों से शुरुआत की और हम ऑल इंडिया लेवल पर अवॉर्ड जीतने लगे। तब तक थिएटर में चंडीगढ़ से कोई जाता ही नहीं था। जब मैं रेडियो में आया, तो रेडियो उफान पर था। टीवी पर जब गया, तो टीवी का अच्छा दौर चल रहा था। जिस समय मैंने फिल्मों में प्रवेश किया, उस वक्त ऐसी भूमिकाएं और फिल्में बन रही थीं, जैसी मैं करना चाहता था। मेरी टाइमिंग बहुत सही थी और मैं मानता हूं कि टाइमिंग बहुत जरूरी होती है। टैलेंट चाहे उन्नीस हो, मगर टाइमिंग उन्नीस नहीं होनी चाहिए।

आप एक नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर हैं, अवॉर्ड्स को कैसे देखते हैं?

मुझे लगता है कि एक एक्टर को प्रोसेस से प्यार होना चाहिए। प मुंबई क्यों आए हैं? अभिनय के लिए न, जब आप अभिनय करते हैं, तो आपके अंदर कई इमोशंस जागते हैं, जो आप असल जिंदगी में कभी महसूस नहीं कर सकते। एक आर्टिस्ट के अंदर बहुत कुछ होता है। हर फिल्म में आप एक नई जिंदगी जीते हैं, कितनी खूबसूरत बात है, तो इससे बड़ा अवॉर्ड क्या होगा? बाकी तो यह दर्शकों पर निर्भर करता है कि वो फिल्म को कैसे स्वीकार करते हैं? लेकिन प्रोसेस के प्रति आपका लगाव कभी कम नहीं होना चाहिए।

एक समय था जब हॉरर जॉनर को प्रतिष्ठा की निगाह से नहीं देखा जाता था, मगर स्त्री, भेड़िया, मुंज्या, स्त्री 2 की के बाद हॉरर-कॉमिडी के रूप में हॉरर री-डिफाइन हुआ, क्या कहना चाहेंगे आप?

ये सच है कि मैडॉक ने हॉरर को एक नया दर्जा दिया। यह जॉनर हमेशा से रहा और इसके दर्शक भी। मगर पहले भूतिया फिल्में या तो छिप-छिप कर देखी जाती थीं या फिर डर-डर कर। मगर फिर ये फिल्में फैमिली एंटरटेनर साबित हुई हैं। ये एक ऐसा विषय है, जो हमेशा आपको आकर्षित करेगा। आप इसमें कॉमिडी, कहानियां, वीएफएक्स जाई कई चीजें देख सकते हैं। यह दर्शकों को थिएटर तक लाने का अच्छा तरीका हो सकता है और हमारी फिल्म थामा इसी कॉमिडी-रिवर्स को इसे आगे ले जा रही है।

रश्मिका मंदाना के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मुझे लगता है जितनी सच्चाई से आप अपने क्राफ्ट पर काम और मेहनत करते हैं, वो पर्दे पर दिखता भी है और वही सच्चा एक्टर भी होता है। रश्मिका के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। उनकी एनर्जी बहुत पॉजिटिव और ऑरा बहुत अच्छा है। वो हमेशा स्माइल करती हैं, तो ऑडियंस को भी एक लगाव हो जाता है उनसे।

रंजी ट्रॉफी

अर्जुन तेंदुलकर नहीं गोवा के लिए पहली पारी में इन बॉलर्स ने लिए ज्यादा विकेट

पंजाब ने पहली पारी में बनाए 325 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 में गोवा के खिलाफ पंजाब की टीम ने पहली पारी में 325 रन बनाए, लेकिन गोवा के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर अर्जुन तेंदुलकर नहीं रहे। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीता था और पहले बैटिंग करने का फैसला किया था और इसके बाद उदय सहारन की कप्तानी पारी के दम पर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा।

अर्जुन तेंदुलकर को मिला एक विकेट- पहली पारी में गोवा के लिए अर्जुन तेंदुलकर ने 27 ओवर गेंदबाजी की और इस दौरान उन्होंने 81 रन देकर एक विकेट लिया। अर्जुन ने इन 27 ओवर में 5 ओवर मेडन भी फेंके। गोवा के लिए पहली पारी में पंजाब के खिलाफ दर्शन मिसाल और धीरज गांवकर ने सबसे ज्यादा 3-3 विकेट हासिल किए जबकि मोहित को भी एक सफलता मिली जबकि ललित यादव ही एकमात्र ऐसे बॉलर रहे जिन्हें पहली पारी में कोई सफलता नहीं मिली।

पंजाब के कप्तान ने खेली शतकीय पारी- गोवा के खिलाफ पंजाब के कप्तान उदय सहारन ने कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम के लिए अहम 126 रन बनाए और वो दर्शन मिसाल की गेंद पर आउट हुए। उदय ने इस दौरान 306 गेंदों का सामना किया और कुल 11 चौके उनके बल्ले से निकले। टीम के विकेटकीपर सलिल अरोड़ा ने भी अहम पारी खेली और 7वें नंबर पर बैटिंग करते हुए 63 रन 180 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौकों के साथ बनाए। पंजाब के लिए प्रेरित दत्त ने निचले क्रम पर 29 रन जबकि मयंस मार्कंडे ने भी 25 रन का योगदान दिया।

इंडिया-ए वर्सेस साउथ अफ्रीका-ए

ऋषभ पंत शतक से चूके

11 चौके और 4 छक्के ठोक उड़ाए साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत ने चोट के कारण तीन महीने बाद मैदान पर शानदार वापसी की है। उन्होंने रविवार (2 नवंबर) को बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन इंडिया ए की दूसरी पारी में शतक से चूक गए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंडिया ए के कप्तान पंत 64 रन के स्कोर पर नाबाद थे। चौथे दिन शतक की

ओर बढ़ते हुए 113 गेंदों पर 90 रन बनाकर आउट हो गए। पंत ने 11 चौके और चार छक्के लगाकर साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे उड़ा दिए। टियान वैन वुरेन ने उनका विकेट लिया। इंडिया ए को 275 रन का लक्ष्य मिला है।

इंग्लैंड में पंत के पैर में चोट लग गई थी- इंग्लैंड में तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के दौरान पंत के पैर में चोट लग गई थी। जुलाई के आखिर में चौथे टेस्ट में रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में पेसर क्रिस वोक्स की गेंद उनके पैर पर लगी थी। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से बाहर एंबुलेंस से ले जाना पड़ा था। वह विकेटकीपिंग भी नहीं कर पाए। हालांकि, वह बल्लेबाजी के लौटे थे और जरूरत पड़ने पर दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार थे।

20 साल बाद थमा एक युग!

- स्टार भारतीय एथलीट रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा
- हुए भावुक भारत के टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के साथ उनके दो दशक से भी ज्यादा लंबे करियर का अंत हो गया है। रोहन बोपन्ना ने इंस्टाग्राम स्टोर पर संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'अलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद, अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।' उन्होंने लिखा, 'जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी। मैंने भारत के कूर्ग जैसे छोटे से शहर से अपनी यात्रा शुरू की। मैंने सर्व को मजबूत करने के लिए लकड़ी के लट्ठे काटे, स्टैमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों में दौड़ा। आज दुनिया के सबसे बड़े एरीना की रोशनी में खड़ा होना किसी सपने जैसा लगता है।'

स्टार खिलाड़ी ने लिखा, 'टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरा, इस खेल ने मुझे धैर्य सिखाया, गिरकर दोबारा उठने की ताकत दी और तब लड़ना सिखाया जब अंदर से हार मान लेने का मन हुआ। सबसे बढ़कर, इसने मुझे हमेशा याद दिलाया मैंने क्यों शुरुआत की थी और मैं कौन हूं।' यूएस ओपन के फाइनल के अलावा, बोपन्ना तीन और ग्रैंड स्लैम के फाइनल में भी पहुंचे। उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ साल के अंत में हुए एटीपी फाइनल्स के फाइनल मुकाबले में भी हिस्सा लिया था। साल 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल जीतने वाले 45 वर्षीय बोपन्ना ने कई डेविस कप मुकाबलों और ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। 43 वर्ष की आयु में उन्होंने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। पुरुष युगल के अलावा, बोपन्ना ने 2017 में फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल भी जीता। रोहन बोपन्ना आखिरी बार पेरिस मास्टर्स 1000 में खेले थे, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ मिलकर खेला था।

स्टार फुटबालर के भारत दौरे को लेकर बड़ी खबर

केरल की जगह हैदराबाद का दौरा करेंगे मेसी

कोलकाता, एजेंसी। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है।' अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जायेंगे जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है । अर्जेंटीना टीम का कोच्चि में प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द हो गया है । केरल के खेलमंत्री वी अब्दुरहमान ने पहले कहा था कि यह मैच 17 नवंबर को होगा । नये कार्यक्रम के तहत अब मेसी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली) जाएंगे। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह

तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो । केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेसी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।' संशोधित कार्यक्रम के बारे में दत्ता ने कहा कि अहमदाबाद चरण की जगह हैदराबाद ने ली है। अहमदाबाद में होने वाला प्रायोजकों का कार्यक्रम अब मुंबई में होगा। उन्होंने कहा, 'मेसी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आयेंगे।' इससे पहले वह 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच के लिये भारत आये थे। इस बार उनके साथ उनके साथी खिलाड़ी लुईस सुआरेज और रौड्रिगो डि पॉल भी आ रहे हैं। मेसी 13 दिसंबर को कोलकाता से हैदराबाद जायेंगे और 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे। वह 15 दिसंबर को दिल्ली जायेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की है। हालांकि, वे वनडे और टेस्ट में टीम के लिए योगदान देंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि विलियमसन दिसंबर में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेलेंगे। 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले विलियमसन ने 75 मौकों पर न्यूजीलैंड की कप्तानी की और टीम को दो आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल (2016 और 2022) और एक फाइनल (2021) तक पहुंचाया। 35 वर्षीय विलियमसन 33 की औसत से 2575 रन बनाकर न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे अधिक पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 18 अर्धशतक और 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है। विलियमसन ने एक बयान में कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे लंबे समय से पसंद है और मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम के लिए सही समय है। इससे टीम को सीरीज के आगे बढ़ने और अपने अगले प्रमुख लक्ष्य, टी20 विश्व कप, के लिए स्पष्टता मिलती है। वहां बहुत सारी टी20 प्रतिभाएं हैं और अगला दौर इन खिलाड़ियों को क्रिकेट सिखाने और उन्हें विश्व कप के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।' उन्होंने कहा कि मिचेल एक शानदार कप्तान और उनके नेतृत्व में टीम अपनी क्षमता साबित कर चुकी है। अब इस प्रारूप में ब्लैक कैप्स को आगे बढ़ाने का समय आ गया है और मैं दूर से उनका समर्थन करूंगा। न्यूजीलैंड के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी विलियमसन ने कहा कि वह अपने वनडे और टेस्ट भविष्य को लेकर खुले विचारों वाले हैं और उनका पूरा ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी पर है, जो 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। ब्लैककैप्स एक खास जगह है और आप इसके लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करना चाहते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वेनिंक ने कहा कि वह विलियमसन के फैसले का सम्मान करते हैं और टी20 टीम में उनके योगदान की सराहना करते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में केन का प्रदर्शन और टी20 टीम के कप्तान के रूप में उनकी सेवा अभूतपूर्व रही है। टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 85 रनों की पारी, न्यूजीलैंड के किसी भी खिलाड़ी द्वारा खेली गई सबसे खास टी20 पारियों में से एक थी। वेनिंक ने कहा कि केन की देखरेख में टी20 टीम ने बेहतरीन निरंतरता और सफलता का अनुभव किया है और वह निश्चित रूप से टीम को अच्छी स्थिति में छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने केन को स्पष्ट कर दिया है कि अपने शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने पर उन्हें हमारा पूरा समर्थन मिलेगा। वह टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

दो दशक का सफर पूरा

गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने कहा फुटबॉल को अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी भारतीय गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने शनिवार को पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की, जिससे आई-लीग, आईएसएल और राष्ट्रीय टीम में लगभग दो दशकों तक चले उनके शानदार करियर का अंत हो गया। 35 वर्षीय अरिंदम ने एक भावुक पोस्ट में अपने सफर को याद करते हुए लिखा कि, 'यह सब उनके बचपन के उस सपने से शुरू हुआ था। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के लिए खेलना और बाइचुंग भूटिया का सामना करना।'

'सभी को दिल से धन्यवाद'- अपने कोचों, टीम साथियों, प्रशंसकों और परिवार का धन्यवाद करते हुए अरिंदम ने कहा कि उनका शरीर अब उन्हें बता रहा था कि रुकने का समय आ गया है लेकिन मेरा दिल हमेशा उन गोलपोस्ट के अंदर ही रहेगा। उन्होंने लिखा, 'दो दशक बाद मैं उन ट्रॉफियों, संघर्षों और जख्मों को देखता हूं जो सब कुछ बयां कर देते हैं। लेकिन सबसे बढ़कर मैं उन यादों, सीखों, दोस्ती और आभार को देखता हूं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगे।'

कैसा रहा करियर?

टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षित अरिंदम ने अपने सीनियर करियर की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स से की थी और मात्र 19 वर्ष की उम्र में ही आई-लीग खिताब जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने पुणे सिटी एफसी, बेंगलुरु एफसी, मुंबई सिटी और मोहन बागान के लिए भी खेला। उन्होंने 2019-20 सीजन में आईएसएल खिताब जीता और अगले सत्र में 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार प्राप्त किया। साल 2021 में उन्होंने ईस्ट बंगाल की कप्तानी की, जो उनके परिवार का भी एक सपना था। अरिंदम ने भारत के लिए पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और राष्ट्रीय टीम के कई शिविरों का हिस्सा रहे। सुब्रतो कप में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन ने भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, ईश सोढ़ी की हुई वापसी

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। केन विलियमसन के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की

है। चयनकर्ताओं ने ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं, लेकिन दो बड़े खिलाड़ियों- काइल जैमीसन और ईश सोढ़ी की टीम में वापसी हुई है। 35 वर्षीय विलियमसन ने हाल ही में टी20 फॉर्मेट को अलविदा कहा था, ताकि वे वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उनकी जगह अब टीम का नेतृत्व मिचेल सैंटनर करेंगे। न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में नेथन स्मिथ को भी शामिल किया गया है, जिन्हें अभी टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करना है। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'काइल जैमीसन पूरी तरह फिट हैं और नेट्स में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं, ईश सोढ़ी हमारे सबसे अनुभवी टी20 खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।' तेज गेंदबाज मैट हेनरी को सीरीज से आराम दिया गया है। हेनरी ने जिम्बाब्वे दौरे से अब तक हर मैच खेला है और अब उन्हें रिकवरी का मौका दिया गया है।

न्यूजीलैंड की टी20 टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डैरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, टिम रॉबिन्सन, जैकब डफी, नेथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

सीरीज की शुरुआत 5 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगी।

टिम डेविड ने मारा इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का

100-120 मीटर नहीं इतनी...129 मीटर तय की दूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होबार्ट में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में टिम डेविड ने अपनी हिटिंग से दिल जीत लिया. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया. गजब की बात ये है कि टिम डेविड ने इंटरनेशनल क्रिकेट का सबसे लंबा छक्का भी लगाया. टिम डेविड ने ये छक्का अक्षर पटेल के ओवर में लगाया. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि टिम डेविड ने 110, 120 मीटर नहीं बल्कि 129 मीटर का छक्का जड़ा जो कि इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का है. मेलबर्न टी20 में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 124 मीटर का छक्का लगाया था लेकिन अब टिम डेविड उनसे भी आगे निकल गए हैं.

टिम डेविड का रिकॉर्डतोड़ छक्का

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 7वें ओवर में टिम डेविड के सामने अक्षर पटेल आए. अक्षर पटेल ने टिम डेविड को फुल लेंग्थ गेंद फेंकी जिसे टिम डेविड ने गेंदबाज के सिर के ऊपर से दे मारा. गेंद होबार्ट स्टेडियम की छत पर गई और इस छक्के की दूरी 129 मीटर मापी गई. बता दें टिम डेविड ने अक्षर पटेल के ओवर में दो छक्के लगाए.

टिम डेविड का तूफानी अर्धशतक- टिम डेविड यहीं नहीं रुके. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अगले ओवर में शिवम दुबे की गेंदों की धुनाई कर दी. शिवम दुबे के ओवर में उन्होंने तीन चौके लगाए और ये खिलाड़ी महज 23 गेंदों में अर्धशतक तक पहुंच गए. हालांकि टिम डेविड को शिवम दुबे ने ही आउट किया. डेविड ने 38 गेंदों में 74 रन बनाए.

टिम डेविड का कमाल रिकॉर्ड

टिम डेविड ने अपनी इस पारी के दौरान एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. इस खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 छक्के पूरे किए. वो सबसे कम 931 गेंदों में 100 छक्के पूरे करने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने. पूरी दुनिया में वो एविन लुईस के बाद दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 789 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 8 नवंबर को 7 जगहों पर लगेगी लोक अदालत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली वालों के लिए जरूरी खबर है। आगामी 8 नवंबर को राजधानी की 7 कोर्ट्स में लोग अदालत लगने जा रही है। यह विशेष अदलत दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस आयोजित कर रही है। इस लोक अदालत में केवल वे समझौता योग्य यातायात चालान/नोटिस लिए जाएंगे जो 31 जुलाई तक दिल्ली यातायात पुलिस पोर्टल पर लंबित हैं और वर्चुअल कोर्ट को भेजे जा चुके हैं। सभी नोटिस/चालान को दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट से या त्वरित कोड स्कैन करके डाउनलोड करना होगा। नोटिस/चालान की प्रिंट आउट कॉपी साथ लाना अनिवार्य है। न्यायालय परिसरों में प्रिंट आउट निकालने की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। ऊपर दी गई लिंक 03 नवंबर को सुबह 10:00 बजे से सक्रिय हो जाएगी। 03 नवंबर से आगे तक, प्रतिदिन अधिकतम 50,000 चालान/नोटिस ही डाउनलोड किए जा सकेंगे, जब तक कि 2,00,000 चालान/नोटिस की कुल सीमा समाप्त नहीं हो जाती।

ब्रिटिशकालीन 'थ्री नॉट थ्री' राइफल की दिल्ली पुलिस से होगी विदाई, अब एके 47 लेगी जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी फोर्स के पसंदीदा हथियारों में शुमार रही ब्रिटिश काल की 'थ्री नॉट थ्री' राइफल को अब दिल्ली पुलिस से पूरी तरह से हटा दिया जाएगा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में इसका व्यापक रूप से इस्तेमाल किया गया था। अब इसकी जगह एके 47 और ट्रिचि राइफल लेंगी। दिल्ली पुलिस के पास बची 'थ्री नॉट थ्री' राइफल नष्ट करने के लिए पहले बैरल और बॉडी के हिस्सों को अलग किया जाएगा। राइफल के लोहे को पिघलाया दिया जाएगा। इस तरह से किसी भी हथियार को नष्ट करने की प्रक्रिया पूरी की जाती है। इस राइफल का वजन लगभग पांच किलो है। दिल्ली पुलिस के पास अभी करीब 700 'थ्री नॉट थ्री' राइफल बची हैं। 'थ्री नॉट थ्री' राइफलों का इस्तेमाल भारतीय सेना ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान भी किया था। बाद में इन्हें देश की विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों को सौंप दिया गया। हालांकि, इन राइफलों का इस्तेमाल बीते कई साल से नहीं के बराबर किया जा रहा है, इसलिए अब इन्हें नष्ट (डिस्मेंटल) करने की तैयारी चल रही है।

अक्टूबर में यूपीआई के जरिये जम कर हुआ लेन-देन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के रियल टाइम डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने अक्टूबर के महीने में ट्रांजेक्शन (लेन-देन) के मामले में एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। इस महीने यूपीआई के जरिये 2,070 करोड़ लेन-देन हुए। इसके पहले सितंबर के महीने में यूपीआई के जरिये 1,963 करोड़ लेन-देन हुए थे, जबकि अगस्त के महीने में इस माध्यम से 2,001 करोड़ लेन-देन हुए थे। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का प्रबंधन करने वाली कंपनी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर के महीने में 2,070 करोड़ ट्रांजेक्शंस की कुल वैल्यू लगभग 27.28 लाख करोड़ रुपये रही। इसके पहले सितंबर के महीने में 1,963 करोड़ ट्रांजेक्शंस के जरिये लगभग 24.90 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ था। वहीं अगस्त के महीने में हुए 2,001 करोड़ ट्रांजेक्शंस की कुल वैल्यू 24.85 लाख करोड़ रुपये थी।

मोदी, अमित शाह को तो हरा नहीं पाते

खड़गे की आरएसएस पर बैन की मांग पर बोले बाबा रामदेव

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगाने की मांग वाले बयान पर योग गुरु बाबा रामदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जिनके विचार भारत और भारतीयता से मेल नहीं खाते वही इस तरह के एजेंडा चलाते हैं। उन्हें लड़ाई करनी है तो अमित शाह और मोदी जी से करें, उन्हें तो वो हरा नहीं पाते हैं फिर आरएसएस पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं।

बाबा रामदेव ने कहा, आरएसएस कोई पॉलिटिकल पार्टी नहीं है। पॉलिटिकल विंग बीजेपी है। लड़ाई करनी है तो अमित शाह और मोदी जी से करो। उनको हरा नहीं पाते हैं फिर आरएसएस पर अभद्र टिप्पणियां करते रहते हैं। आरएसएस को मैं पिछले दो-तीन दशकों से बहुत करीब से देख रहा हूं, उसमें बहुत अच्छे और तपस्वी लोग हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिनके विचार भारत और भारतीयता से मेल नहीं खाते फिर वो इस तरह के एजेंडा चलाते हैं।

आरएसएस के बारे में पूछे जाने पर बाबा रामदेव ने कहा, आरएसएस, आर्य समाज की तरह ही एक राष्ट्रवादी संगठन है और इसके अंदर डॉ. हेडगेवार से लेकर सदाशिवराव गोलवलकर जैसे कई महान लोगों ने तपस्या की है। आज भी लाखों संघ कार्यकर्ता देश के लिए काम करते हैं। जब देश विरोधी ताकतें, सनातन विरोधी ताकतें, आरएसएस या किसी भी हिंदुत्ववादी ताकत का विरोध करती हैं तो इसके पीछे उनका कोई छिपा हुआ एजेंडा और स्वार्थी मकसद होता है।

मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आरएसएस पर बैन लगना चाहिए-खड़गे: गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शनिवार को कहा कि आरएसएस पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के लिए यही संगठन जिम्मेदार है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उनका व्यक्तिगत विचार है। खड़गे ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक बयान से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, ''मेरा व्यक्तिगत विचार है और खुलकर बोलूंगा कि आरएसएस पर बैन लगना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो चीजें आरएसएस को लेकर हमारे सामने रखी हैं, अगर उसकी मर्यादा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाह गृह मंत्री अमित शाह रखते हैं तो यह बैन होना चाहिए।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''आज देश में जो गड़बड़ियां हो रही हैं और कानून-व्यवस्था की समस्यां पैदा हो रही हैं, ये सब भाजपा और आरएसएस की वजह से हैं।''

बता दें कि, कुछ दिन पहले ही खड़गे के बेटे और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियंक खड़गे ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से आग्रह किया था कि वह सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को आरएसएस और ऐसे अन्य संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों व गतिविधियों में भाग लेने से सख्ती से रोकें। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सरदार पटेल की जयंती पर संवाददाताओं से कहा कि भाजपा को याद रखना चाहिए कि उसके मूल संगठन आरएसएस पर सरदार पटेल ने बैन लगाया था। आज जरूरत है कि इस देश में कोई सरदार पटेल बने और इस विचारधारा पर फिर से बैन लगे।

दिल्ली में नामी कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने फर्जी नौकरी दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कोटला मुबारकपुर इलाके से गिरोह के सरगना समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने 'स्किल इनोवेशन सॉल्यूशन' नाम से एक फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी खोली थी और नौकरी के इच्छुक लोगों को झांसे में लेते थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर 100 से अधिक लोगों से 15 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी की। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, गिरोह के सरगना तारिक खान और उसके साथी कपिल, उसकी पत्नी तन्नू, अदीबा और शाहाना उर्फ जोया द्वारा यह रैकेट चलाया जा रहा था। उन्होंने 100 से अधिक लोगों को ठगा।

आरोपियों ने 'स्किल इनोवेशन सॉल्यूशन' नाम से एक फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी खोली थी और प्रसिद्ध भर्ती वेबसाइटों के जरिए नौकरी के इच्छुक लोगों को झांसे में लेते थे। मामला तब सामने आया जब शालीमार गार्डन की रहने वाली मनीषा ने शिकायत दर्ज कराई कि अमरदीप नामक व्यक्ति ने बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी दिलाने के बहाने उससे 24000 रुपए वसूल लिए।

पुलिस ने बताया कि सितंबर में अमरदीप ने उससे संपर्क कर दावा किया कि उसकी प्रोफाइल को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी ने शॉर्टलिस्ट कर लिया है। उसे इंटरव्यू के लिए कोटला मुबारकपुर कार्यालय बुलाया गया है। बाद में आरोपी ने उसे नौकरी दिलाने के बहाने एक ऑनलाइन पेमेंट ऐप के जरिए पैसे भेजने को कहा। पुलिस ने बताया कि इसके बाद न तो कोई ऑफर दिया गया और न ही पैसे वापस किए गए। दक्षिण दिल्ली के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने इसी तरीके से 100 से अधिक लोगों को ठगा था। उन्होंने एजेंसी को वैध दिखाने के लिए करीब 10 टेली-कॉलर नियुक्त कर रखे थे। उन्होंने बताया कि कोटला मुबारकपुर स्थित कार्यालय में छापेमारी के दौरान पांचों आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे ऑनलाइन पोर्टल्स से नौकरी चाहने वालों से संपर्क कर उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाते थे। उसके बाद सिक्योरिटी या प्रोसेसिंग फीस के नाम पर यूपीआई या क्यूआर कोड के माध्यम से पैसे वसूलते थे।

हम सब अपनी राजनीतिक मजबूरियां भूलकर साथ आएं, पीएम मोदी-सीएम रेखा से बोलीं प्रियंका गांधी?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर गहरी चिंता जताई है।प्रियंका ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से दखल देने और लोगों को गंदी धुंध में सांस लेने से बचाने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब सच में समय आ गया है कि हम सब अपनी पॉलिटिकल मजबूरियों को भूलकर एक साथ आएं और इसके बारे में कुछ करें।

प्रियंका गांधी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पीएम नरेंद्र मोदी, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को टैग कर लिखा, कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वायनाड से पहले और फिर बिहार के बछवारा से दिल्ली की हवा में वापस आना सच में चौंकाने वाला है। इस शहर को घेरने वाला प्रदूषण ऐसा है जैसे इस पर एक ग्रे चादर डाल दी गई हो।

उन्होंने कहा, अब सच में समय आ गया है कि हम सभी अपनी राजनीतिक मजबूरियों को भूलकर एक साथ आएं और इसके बारे में कुछ करें। केंद्र और राज्य सरकारों को तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है, इस भयानक स्थिति को कम करने के लिए वे जो भी कदम उठाएंगे, हम सभी उनका समर्थन और सहयोग करेंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि साल दर साल दिल्ली के नागरिक बिना किसी उपाय के इस जहर का सामना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, जिन लोगों को सांस की दिक्कतें हैं, जो बच्चे रोज स्कूल जाते हैं और खासकर सीनियर सिटीजन्स, उन्हें इस गंदे स्मॉग से छुटकारा दिलाने के लिए तुरंत दखल की जरूरत है, जिसमें हम सब सांस ले रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी, पर्यावरण मंत्री यादव और दिल्ली के सीएम से तुरंत कदम उठाने की अपील की है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, रविवार को दिल्ली की हवा की गुणवत्ता बहुत खराब रही क्योंकि हवा की धीमी गति के कारण शहर में प्रदूषकों का फैलाव कम हो गया। एक्यूआई के डेटा से पता चला कि राष्ट्रीय राजधानी का एयर क्वालिटी इंडेक्स सुबह 386 था, जो शनिवार के 303 से काफी ज्यादा था।

डॉक्टरों और इंजीनियरों को सिविल सर्विस में नहीं जाना चाहिए: उपराज्यपाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने डॉक्टरों व इंजीनियरों द्वारा अपनी फील्ड को छोड़कर सिविल सर्विसेज और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जाने पर चिंता जताते हुए इसे देश के संसाधनों की बर्बादी बताया है। सक्सेना ने कहा कि व्यक्तिगत पसंद मायने रखती है, लेकिन देश को आज ज्यादा इंजीनियरों और डॉक्टरों की जरूरत है।

उपराज्यपाल ने शनिवार को इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी दिल्ली के 14वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए कहा कि जब इंजीनियर और डॉक्टर अपने फील्ड को छोड़कर मैनेजमेंट या सिविल सर्विसेज जैसे एरिया में करियर बनाते हैं तो यह देश के रिसोर्स की बर्बादी है। उन्होंने कहा, स्पेशलाइज्ड एजुकेशन देने वाले संस्थानों को ऐसे ग्रेजुएट तैयार नहीं करने चाहिए जो आगे चलकर अपने फील्ड से अलग डिग्री और नौकरियां हासिल करें। यह सच में देश के रिसोर्स की बर्बादी है, जब इंजीनियरिंग ग्रेजुएट मैनेजमेंट, सेल्स या फाइनेंस में चले जाते हैं। इसी तरह, जब इंजीनियर और डॉक्टर सिविल सर्वेंट बनने का फैसला करते हैं तो यह एकेडमिक ईमानदारी के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हालांकि व्यक्तिगत पसंद मायने रखती है, लेकिन देश को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए बेसिक और एप्लाइड रिसर्च में लगे ज्यादा इंजीनियरों और डॉक्टरों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संस्थानों और सरकार को मिलकर रिसर्च के लिए एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना चाहिए जो खोजों और इनोवेटिव टेक्नोलॉजी की ओर ले जाए।

आईआईआईटी-दिल्ली के 14वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट पाठ्यक्रमों में 780 छात्रों को डिग्री प्रदान की गईं। दिल्ली के उपराज्यपाल और संस्थान के चांसलर विनय कुमार सक्सेना ने सभी स्नातकों को बधाई दी तथा उनकी दृढ़ता और अभिभावकों, मेंटर्स और फैकल्टी मेंबर्स के सहयोग की सराहना की, जिन्होंने उनकी शैक्षणिक यात्रा में उनका मार्गदर्शन किया।' इस समारोह में सक्सेना ने अगली पीढ़ी के इनोवेटर्स और टेक्नोलॉजिस्ट को तैयार करने में संस्थान के योगदान की सराहना की और समाज के प्रति प्रतिबद्धता, उत्कृष्टता और सेवा के महत्व पर जोर दिया।

तंजानिया की राष्ट्रपति हसन विवादित चुनाव में भारी मतों से जीतीं

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया की राष्ट्रपति समिया सुलुहू हसन ने देश के विवादित चुनाव के शनिवार तड़के घोषित आधिकारिक नतीजों में जबरदस्त जीत हासिल की है। हालांकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि यह चुनाव कोई मुकाबला नहीं, बल्कि राष्ट्रपति हसन का ताजपोशी समारोह था। खबरों के अनुसार चुनाव में उन्हें 97त्न से ज्यादा वोट हासिल हुए जो एक तरह का रिकार्ड है। हालांकि हसन के दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को चुनावों में भाग लेने से रोक दिया गया और उन्हें केवल छोटे दलों के 16 उम्मीदवारों का सामना करना पड़ा। इस बीच 29 अक्टूबर को हुए ये चुनाव भारी हिंसा के बीच सम्पन्न हुए हैं जिसमें कई लोगों के मारे जाने की खबर है। कई शहरों में चुनावों को एकतरफा बताते हुए प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और वोट गिनती रोकने की कोशिश की। सेना को पुलिस की मदद के लिए तैनात किया गया है। इस बीच अधिकारियों ने हिंसा में मारे गए या घायल लोगों की संख्या नहीं बताई। हालांकि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रवक्ता सेइफ मगंगो ने शुक्रवार को जिनेवा में वीडियो के जरिए व्यापारिक राजधानी दार अस सलाम, शिन्यांगा और मोरोगोरो शहरों में 10 लोंगो के मारे जाने की पुष्टि की हैं।

अमेरिका-चीन के रिश्ते कभी बेहतर नहीं होंगे...

चीनी रक्षा मंत्री से मुलाकात के बाद अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हाल ही में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की थी। वहीं, अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेटसेथ ने भी चीनी रक्षी मंत्री एडमिरल डोंग जन के साथ मलेशिया में बैठक की थी। दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर बात की है। हालांकि, पीट हेगसेथ का कहना है कि अमेरिका और चीन के रिश्ते कभी नहीं सुधर सकते हैं।

चीनी रक्षा मंत्री से मुलाकात के बाद पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से भी बात की है और चीन के साथ हमारे रिश्ते बेहतर नहीं हो सकते हैं।

पीट हेगसेथ के अनुसार, मैंने अभी राष्ट्रपति ट्रंप से बात की और हमारा मानना है कि अमेरिका और चीन के रिश्ते कभी नहीं सुधर सकते हैं। दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति ट्रंप और शी चिनफिंग की ऐतिहासिक मुलाकात के बाद मेरी भी मलेशिया में चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जन के साथ हुई बैठक शानदार रही। पिछली रात को भी हमारी एक-दूसरे से बात हुई थी। चीनी रक्षा मंत्री के साथ हुई बैठक पर बात करते हुए पीट कहते हैं, दोनों देश शांति, स्थिरता और अच्छे संबंधों के पक्षधर हैं। यही दोनों महान और मजबूत देशों के लिए बेहतर रास्ता है। जैसा की राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा उनकी जी-2 मीटिंग अमेरिका और चीन के लिए लंबे समय तक शांति और सफलता का मार्ग सुनिश्चित करेगी।

ट्रंप और चिनफिंग की मुलाकात

बता दें कि पीट हेगसेथ का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पिछले रविवार को ही डोनल्ड ट्रंप और शी चिनफिंग की मुलाकात देखने को मिली थी। इसकी जानकारी देते हुए ट्रंप ने कहा था, राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मेरी जी-2 मीटिंग दोनों देशों के लिए महान होगी। इससे लंबे समय तक शांति बनी रहेगी।

मेक्सिको के सुपरमार्केट में भयानक विस्फोट, 23 की मौत

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको के हर्मोसिलो शहर में शनिवार को वाल्डो स्टोर में हुए भीषण विस्फोट ने कम से कम 23 लोगों की जान ले ली। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। इस हादसे में 11 लोग घायल हो गए। इन लोगों को शहर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई।

पारदर्शी जांच का आदेश

सोनोरा राज्य के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने वीडियो संदेश में कहा कि मृतकों में कई नाबालिग हैं। उन्होंने पारदर्शी जांच का आदेश दिया है ताकि विस्फोट का कारण पता चल सके और जिम्मेदारों को सजा मिले।

उन्होंने कहा, कोई भी इस दर्द को अकेले नहीं झेलेगा। आपातकालीन, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं ने शुरुआत से ही पेशेवराना तरीके से काम किया और कई जानें बचाईं।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने एक्स पर पोस्ट कर मृतकों के परिजनों और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोनोरा के गवर्नर से संपर्क कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति ने गृह सचिव रोजा इसेला रोड्रिगेज को निर्देश दिया कि वे सहायता टीम भेजें, जो परिवारों और घायलों की मदद करेगी।

11 से ज्यादा घायल

क्या थी विस्फोट की वजह

स्थानीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कोई हमला या हिंसक घटना नहीं थी। शहर के दमकल विभाग प्रमुख ने कहा कि यह जांचा जा रहा है कि वास्तव में विस्फोट हुआ भी या नहीं। सोनोरा के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो सालास ने फॉरेंसिक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि कई मौतें जहरीली गैस सांस लेने से हुईं।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में आग को बिजली की खराबी से जोड़ा गया है। अधिकारियों का कहना है कि स्टोर के अंदर लगा एक इलेक्ट्रिक ट्रांसफॉर्मर इस हादसे की वजह हो सकता है। सोनोरा अभियोजन कार्यालय ने बयान में कहा कि प्रारंभिक अनुमान के अनुसार यह दुर्घटना थी।

हाइड्रोलिक गियर फेल होने पर काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू, एजेंसी। धनगढी से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाले श्री एयरलाइंस के विमान (फ्लाइट क्यू-400222) को हाइड्रोलिक गियर में समस्या आने के बाद भैरहवा के गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन रूप से उतारा गया। काठमांडू एयर ट्रैफिक कंट्रोल के मुताबिक काठमांडू में उतरने की तैयारी के दौरान कई प्रयास करने के बावजूद विमान का लैंडिंग गियर नहीं खुल पा रहा था। सुबह 10 बजे धनगढी से उड़ान भरने वाले इस विमान को मूल रूप से काठमांडू में उतरना था, लेकिन समस्या का पता लगने के बाद उसे कुछ समय के लिए सिमरा के ऊपर आसमान में होल्ड कराया गया। इसके बाद भैरहवा हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। हाइड्रोलिक फेल होने के कारण विमान रनवे पर ही रुक गया था। विमान में 82 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। लगभग एक घंटे बाद विमान को रनवे से खींचकर हटाया गया। इस विमान के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को बाद में दूसरे विमान से काठमांडू भेजा गया है। श्री एयरलाइंस ने बिगड़े हुए विमान की मरम्मत के लिए काठमांडू से टेक्निकल टीम भेजी है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने नेमनारायण महतो को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज पूर्व मंत्री स्व. जगरनाथ महतो के चन्द्रपुरा प्रखंड, अलारगो गांव स्थित आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां पूर्व मंत्री स्व. जगरनाथ महतो के पिता एवं पूर्व मंत्री बेबी देवी के ससुर दिवंगत नेमनारायण महतो के "ब्रह्मभोज" कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्मृति शेष-स्व. नेमनारायण महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मरांग बुरु से दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूर्व मंत्री बेबी देवी एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की तथा उन्हें सांत्वना दी। विदित हो कि विगत 21 अक्टूबर 2025 को पूर्व मंत्री स्व० जगरनाथ महतो के पिता एवं पूर्व मंत्री बेबी देवी के ससुर नेमनारायण महतो जी का निधन हो गया था, वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

आइजी- डीसी- एसपी ने पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का किया स्वागत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को बोकारो के चंद्रपुरा प्रखंड के अलारगो पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन पर पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर की व्यवस्था की गई थी, परंतु श्राद्ध कार्यक्रम की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने गार्ड ऑफ ऑनर लेने से विनम्रतापूर्वक इंकार कर दिया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) बोकारो प्रक्षेत्र सुनील भास्कर, उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। जानकारी हो कि, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सूबे के पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. जगरनाथ महतो के पिता एवं झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती बेबी देवी के ससुर स्व. नेम नारायण महतो के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चंद्रपुरा प्रखंड के अलारगो पहुंचे थे। मौके पर जिला - अनुमंडल - प्रखंड स्तरीय अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सत्र समाप्त होने के करीब, लेकिन बीपीएल कोटा से नामांकन प्रक्रिया अब भी अधूरी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद जिले के मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में सीटों में सत्र 2026-27 के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है. लेकिन आरटीई के तहत सत्र 2025-26 के लिए बीपीएल कोटा के तहत नामांकन की प्रक्रिया अब भी अधूरी है. निजी स्कूलों में फरवरी से फाइनल परीक्षा शुरू हो जायेगी. नामांकन लेने वाले बच्चों को एक से दो माह की पढ़ाई के आधार पर ही फाइनल परीक्षा में शामिल होना होगा. अधिकांश निजी स्कूलों में अगले शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो गयी है. जिले के निजी विद्यालय के 25 प्रतिशत सीटों पर आरटीइ के तहत बीपीएल कोटा से नामांकन की प्रक्रिया में शहर के निजी विद्यालयों में आवेदन आते हैं. आवेदनों को छांटना पड़ता है. लेकिन ग्रामीण इलाकों के निजी विद्यालयों में आवेदनों की संख्या बहुत अच्छी नहीं है. कुछ विद्यालयों में एक भी आवेदन नहीं आये हैं. ऐसे में वहां की 25 प्रतिशत सीटें ऐसे ही खाली रह जायेंगी. आवेदन नहीं आने के पीछे निजी विद्यालयों द्वारा प्रचार-प्रसार नहीं होना भी बड़ा कारण है. नियम के अनुसार निजी विद्यालयों को आरटीइ के तहत होने वाले नामांकन की जानकारी डिस्प्ले बोर्ड में रखना है. साथ ही छह किलोमीटर के एरिया में इसका प्रचार-प्रसार करना है. ताकि लोगों को निशुल्क नामांकन व पढ़ाई की जानकारी हो पाये. जिले के 76 निजी विद्यालयों में 1500 से अधिक सीटों पर नामांकन होनी है. नर्सरी में 870 सीटें, प्रेप में 290 व कक्षा एक में 340 सीटें. यह पहली बार है, जब इतनी अधिक संख्या में बीपीएल छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की गयी हैं. आये हुए आवेदन की स्क्रूटनी कर चयन सूची में 770 बच्चों को शामिल किया गया.

संक्षिप्त समाचार

कुष्ठ रोगियों के बीच भोजन का वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सर्वोत्तम प्रयास फाउंडेशन एवं सेफजोन डिजिटल असेट्स के तत्वाधान में संस्था के चेयरमैन सह समाजसेवी सुबल दास के नेतृत्व में निर्मला जनरल एवं कुष्ठ अस्पताल गोविंदपुर, धनबाद में रविवार को भोजन वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत मरीजों के बीच फल एवं भोजन निःशुल्क वितरण किया । जिसमें संस्था के काफी संख्या में लोग उपस्थित होकर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिए। यहां अपने संबोधन में संस्था के चेयरमैन सुबल दास ने कहा कि समाजसेवा के तहत यहां इस तरह का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का कार्यक्रम जनहित व समाज हित में आगे भी जारी रहेगा।

स्थायीकरण और समान वेतन की मांग को ले सहायक शिक्षक करेंगे मंत्री आवास का घेराव

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड के सहायक अध्यापक अपनी मुख्य मांगों स्थायीकरण और समान काम के लिए समान वेतन को लेकर आंदोलन तेज कर चुके हैं। इन्हीं मांगों को लेकर 5 नवंबर को शिक्षकों द्वारा राज्य के शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू के आवास घेराव की तैयारी की जा रही है। आंदोलन को सफल बनाने के लिए पूरे राज्य में बैठकों का दौर जारी है। इसी कड़ी में झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा, धनबाद इकाई की बैठक रविवार को धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में आयोजित की गई, जिसमें जिले के सभी सहायक अध्यापक शामिल हुए। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती ने बताया कि लंबे समय से काम करने के बावजूद हमें न तो स्थायी दर्जा दिया गया है और न ही समान वेतन। सरकार सिर्फ आश्वासन देती रही है। अब हम अपनी मांगों को मनाकर ही आंदोलन समाप्त करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि धनबाद जिले में लगभग 2,460 सहायक शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि पूरे झारखंड में इनकी संख्या करीब 60 हजार है। फिर भी इनकी समस्याओं पर सरकार गंभीर नहीं दिखती।

झरिया-सिंदरी मार्ग पर बना गौफ, गैस रिसाव से लोगों में दहशत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर सूराटांड़ के पास फिर एक बार गौफ बन गया है। सड़क पर बनी गौफ से लागातार गैस रिसाव होने से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। स्थानीय लोग क्षेत्र में लगातार हो रहे गोफ और गैस रिसाव का जिम्मेदार बीसीसीएल प्रबंधन को मान रहे हैं। लोगों ने बताया कि यहां लगातार इस तरह की घटना घटती रहती है। ब्लॉक-ब्लॉक बीसीसीएल मिट्टी भराई करा कर सिर्फ लीपापोती कर रही है। अगर ऐसा ही रहा तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने बताया कि बनियाहीर के समीप ओबी डंपिंग की गई है, जिसके कारण जमीन पर भार बढ़ गया है। अगर बोर होल कर नाइट्रोजन फॉमिंग की जाए तो सड़क सुरक्षित होगी, अन्यथा इस सड़क को कोई नहीं बचा सकता। फिलहाल स्थानीय लोगों ने बैरिकेड कर घटनास्थल को सुरक्षित करने का प्रयास किया है। लोगों ने मांग की है कि बीसीसीएल प्रबंधन और स्थानीय जन प्रतिनिधि इसका हल जल्द ढूंढ कर लोगों के जीवन को बचाएं। बताते चलें कि यह सड़क झरिया व सिंदरी को ही नहीं जोड़ती है, बल्कि बोकारो, जमशेदपुर, पश्चिम बंगाल सहित कई जिलों को धनबाद से जोड़ती है। यह सड़क धनबाद के सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है। यह सड़क एनएच 218 के अंतर्गत है। वहीं, घटना कि सूचना मिलते ही बीबीसीएल के अधिकारी, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, झरिया नगर अध्यक्ष अवधेश साव, पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, भाजपा के मंडल मंत्री राहुल सिंह मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का जायजा लिया। भाजपा कार्यकर्ताओ ने कहा कि झरिया विधायक रागिनी सिंह के निर्देश पर हमलोग घटना स्थल पर पहुंचे हैं। विधायक ने दूरभाष पर ही बीसीसीएल के महाप्रबंधक को घटना से अवगत करा दिया है। विधायक के पहल पर मिट्टी की भराई का काम शुरू किया गया है।

बीएसएल ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स एवं इलेक्ट्रिक मोटरों के लिए बनाया स्पेशल ग्रेड इलेक्ट्रिकल स्टील

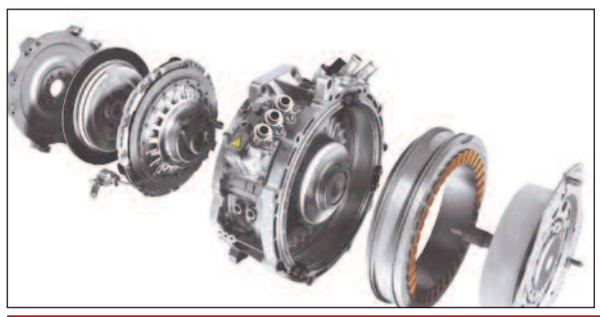

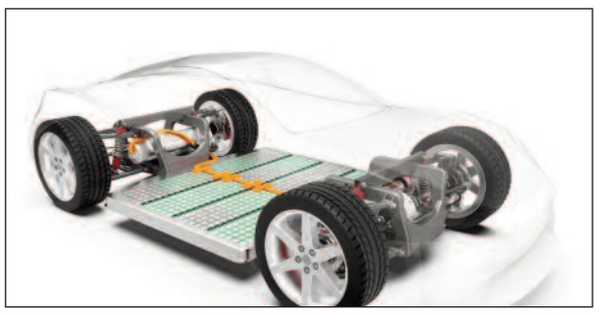

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में लगेगी, बड़े इलेक्ट्रिक मोटरों, जनरेटर इत्यादि में भी उपयोग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेल - बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) निरंतर शोध और अनुसंधान के द्वारा स्टील के नए नए ग्रेड का विकास कर रहा है। इसी क्रम में बीएसएल ने पहली बार आई एसः 18316 के तहत आने वाले नॉन ग्रेन ओरिएंटेड इलेक्ट्रिकल स्टील का सफल विकास कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। पहले ट्रायल में 1100 टन का सफल उत्पादन किया गया है। इस उपलब्धि का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चुनिंदा देशों के पास ही इस तरह के उच्च ग्रेड वाले स्टील को बनाने की क्षमता है और अभी तक इस तरह के स्टील का ज्यादातर हिस्सा भारत में आयात होता रहा है। ऐसे में इस प्रयास को 'आत्मनिर्भर भारत' और मेक इन इंडिया' दोनों की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है.

कैसे बनता है ये स्टीलः

इस प्रकार के उच्च ग्रेड वाले स्टील को बनाने के लिए इसे कई प्रकार की जटिल प्रक्रियाओं से गुजारा जाता है. इस स्टील को एसएमएस - 2 में एक निश्चित संरचना में ढाला जाता है जिसमें कार्बन की मात्रा न्यून रखी जाती है ताकि इलेक्ट्रिक स्टील के लिए जरूरी डक्टिबिलिटी प्राप्त की जा सके वहीं सिलिकॉन की उच्च मात्रा से जरूरी मैग्नेटिक गुणधर्मिता प्राप्त की जाती है. फिर इसे हॉट स्ट्रिप मिल में 2.8 मिमी तक हॉट रोल करने के पश्चात पुनः एक बार फिर सीआरएम - 3 में कोल्ड रॉलिंग की प्रक्रिया से गुजारते हुए उसे 0.5 मिमी पतले शीट में बदला जाता है ताकि उसे उच्च परिशुद्धता, उत्कृष्ट सतह परिष्करण, और सुसंगत चुंबकीय व्यवहार वाले विद्युत स्टील में बदला जा सके. इस तरह के उच्च ग्रेड का सफलतापूर्वक उत्पादन बीएसएल के उत्पादन प्रक्रियाओं के संचालन उत्कृष्टता और तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करता है।

कहां कहां होगा उपयोगः

इस विद्युत इस्पात का प्रयोग मुख्यतः इलेक्ट्रिक मोटर, जनरेटर जैसे विद्युत उपकरणों के कोर को बनाने में होता है जहां विद्युत -चुंबकीय क्षेत्र में लगातार बदलाव होता रहता है. एक समान विद्युत चुंबकीय धर्मिता के कारण ये इस्पात विद्युत ऊर्जा को कुशलता से रूपांतरित करता है. इसके अलावा इलेक्ट्रिक तथा हाइब्रिड कारों में भी इस इस्पात का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जाता है. भविष्य के इसी बड़े बाजार को देखते हुए बीएसएल ने इस इस्पात का विकास किया है.

ग्राहकों की प्रतिक्रियाः गुणवत्ता और प्रदर्शन दोनों में खरा

पहले प्रायोगिक परीक्षण के बाद ग्राहकों ने गुणवत्ता और प्रदर्शन दोनों के आधार पर बीएसएल के इस नए विद्युत इस्पात पर पूर्णतः संतुष्टि जताई है जो दिखाता है कि ये उत्पाद बाजार में अपना स्थान बनाने में सफल हो चुका है. यह सफलता बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्नत, मूल्यवर्धित इस्पात विकसित करने में न केवल बोकारो स्टील प्लांट की क्षमता को उजागर करती है बल्कि बिजली, ऑटोमोटिव और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में इसकी भूमिका को भी मजबूत करती है।

बीएसएल - राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभः

यह उपलब्धि ह्यमेक इन इंडियाह्न पहल के तहत तकनीकी नवाचार, गुणवत्ता वृद्धि और आयात प्रतिस्थापन के प्रति सेल-बीएसएल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, तथा देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास में इसके योगदान की एक बार फिर पुष्टि करती है।

जिला स्तरीय लाइव पेंटिंग एवं ग्रामीण स्वदेशी खेल प्रतियोगिता संपन्न

लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ ललपनिया राजकीय महोत्सव 2025

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ ललपनिया राजकीय महोत्सव झ 2025 के अवसर पर रविवार को जिला प्रशासन, बोकारो के तत्वावधान में फुटबॉल मैदान, टी.टी.पी.एस. ललपनिया, गोमिया में जिला स्तरीय लाइव पेंटिंग एवं ग्रामीणझस्वदेशी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 10 से 30 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताएं चार वर्गों में आयोजित की गईं झ लाइव पेंटिंग (ओपन वर्ग), गुलेल (बालक वर्ग), भार दौड़ (बालिका वर्ग) और मटका दौड़ (बालिका वर्ग)।

लाईव पेंटिंग प्रतियोगिता
1. प्रथम- रेणुका बेसरा
2. द्वितीय-उर्मिला मुर्मू
3. तृतीय- क्रांति किस्कू

गुलेल प्रतियोगिता (बालक वर्ग)
1. प्रथम- रविन्द्र मरांडी
2. द्वितीय-आकाश टुडू
3. तृतीय- रामकुमार सोरेन

भार दौड़ प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)
1. प्रथम- खुशबू मुंडा
2. द्वितीय- पूजा टुडू
3. तृतीय- किरण बेसरा

मटका दौड़ प्रतियोगिता (बालिका वर्ग)
1. प्रथम- संध्या टुडू
2. द्वितीय- पूजा टुडू
3. तृतीय- आरती टुडू

कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, प्रखंड विकास पदाधिकारी गोमिया महादेव महतो, अंचल अधिकारी गोमिया मो. आफताब आलम, थाना प्रभारी गोमिया, बाबुल सोरेन (अध्यक्ष झ महोत्सव आयोजन समिति) तथा तीरंदाजी प्रशिक्षक मोहन कुमार और हेमंत कुमार उपस्थित थे।

अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

लाखों की अवैध शराब बरामद, 11 वाहन भी जब्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड एटीएस, बिहार मद्य निषेध विभाग और बोकारो पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार को चास थाना क्षेत्र के चिराचास इलाके में चल रही एक अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने मौके से गोपाल सिंह के पुत्र सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई देर रात गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध शराब, पैकिंग उपकरण और वाहन बरामद किए गए। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 1563 लीटर विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब बरामद की, जिसकी बाजार में कीमत 17 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। इसके अलावा 360 लीटर स्पिरिट, विभिन्न ब्रांड के रैपर, ढक्कन, खाली बोतलें, पैकिंग मशीन और अन्य सामग्री भी जब्त की गई। मौके से एक बिना नंबर की ऑडी कार, 9 एक्सयूवी वाहन और 3 मोटरसाइकिलें भी जप्त की गईं। सभी वाहन शराब की तस्करी में उपयोग किए जा रहे थे। चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी सौरभ कुमार सिंह के खिलाफ पहले से ही दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, सनी कुमार के खिलाफ बिहार के जमुई थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। एक अन्य आरोपी चंदन कुमार सिंह के खिलाफ पिंडराजोरा थाना में भी मामला दर्ज है। एसडीपीओ सिंह ने बताया कि आरोपी शराब को बिहार भेजने की तैयारी में थे। ट्रकों और एसयूवी गाड़ियों में शराब को लोड किया गया था और ऊपर सब्जी रखकर छिपाने की कोशिश की जा रही थी ताकि जांच से बचा जा सके। गिरफ्तार आरोपियों में कई बिहार के निवासी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई राज्य में शराब माफिया के खिलाफ चल रहे अभियान की बड़ी सफलता है। पुलिस अब पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह के तार किन-किन जिलों और राज्यों से जुड़े हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस छापेमारी ने अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क को करारा झटका दिया है।

अधिवक्ता प्रशांत सिंह को झारखंड हाई कोर्ट का उप सॉलिसिटर जनरल बनाए जाने पर बधाइयों का तांता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद लोकसभा के पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह के ज्येष्ठ पुत्र, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत कुमार सिंह को भारत सरकार के कानून मंत्रालय द्वारा झारखंड हाई कोर्ट में भारत सरकार का उप सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया है। इस खबर से बोकारो के भाजपा एवं समविचारी में खुशी की लहर है। पूर्व सांसद प्रतिनिधि ए के वर्मा, राकेश मिश्रा, रामसुमेर सिंह, बिनोद कुमार सिंह (बी एम एस), योगिंदर कुमार, नीरज कुमार, नागेंद्र कुमार पुरी, रविशंकर, मृगेंद्र सिंह, धीरज रजक, आर एन ओझा, विद्यासागर सिंह, हरे राम मिश्रा, चंदन कुमार, मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, अमरदीप झा, राजीव कंठ, रंजेश सिंह, विजय नाथ कुंवर, शैलेश कुमार वर्मा, एस एन दास, प्रशांत कुमार ने प्रशांत कुमार सिंह को झारखंड हाई कोर्ट का उप सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया नियुक्त किए जाने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सभी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशांत कड़ी मेहनत, समर्पण और कानूनी कौशल से यहां तक पहुंचे हैं। विश्वास है कि मिली जिम्मेवारी वे सफलतापूर्वक निभाएंगे।

बोकारो कलाकार संघ की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

कलाकारों के हित में मानदेय सहित कई बिंदुओं पर सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को बोकारो कलाकार संघ की एक जरूरी बैठक चीरा चास आशियाना फेज 4 में हुई। संघ के अध्यक्ष जगदीश बाबला की अध्यक्षता व महासचिव मनबोध मिश्रा के संचालन में आयोजित इस बैठक में बोकारो कलाकार संघ के कार्यकारिणी समिति एवं प्रतिनिधिमंडल के सभी अधिकारीगण सहित संघ से जुड़े सभी कलाकार और कार्यक्रम ऑर्गेनाइजर उपस्थित हुए। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के समय सीमा पर चर्चा की गई और आर्केस्ट्रा, भजन एवं चौकी जागरण की अवधि 4 घंटे एवं संपूर्ण जागरण की अवधि 6 घंटे तय की गयी है। कार्यक्रम के लिए कलाकारों का न्यूनतम मानदेय 4 घंटे की अवधि के लिए प्रति कलाकार न्यूनतम राशि 1500 रुपए तय की गई है और संपूर्ण जागरण का न्यूनतम राशि प्रति कलाकार 2000 रुपए तय की गई है। कार्यक्रम के लिए 25 किलोमीटर तक लोकल दूरी मान्य है। उसके बाद दूरी और कार्यक्रम के अनुसार कलाकार अपना मानदेय तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि न्यूनतम मानदेय में वृद्धि प्रत्येक वर्ष बाजार भाव को देखते हुए 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम मा प्रमोटर/ऑगेर्नाइजर से मिले हुए इनाम की राशि का 60 प्रतिशत ऑगेर्नाइजर रखेंगे और 40 प्रतिशत कलाकारों में वितरण होगा। जिसमें गायक, साउंड और वाद्य यंत्र कलाकारों को 40 प्रतिशत आपस में वितरण करना होगा। उपयुक्त बिंदुओं पर सभी कलाकारों के सर्वसम्मति एवं कार्यकारिणी समिति एवं निदेशकमण्डल के द्वारा निर्णय लिया गया। बैठक में जगदीश बावला, मनबोध मिश्रा, अरुण कुमार, रंजू सिंह, पूर्णेंदु कुमार सिंह, मृत्युंजय भट्टाचार्य, राजेश भट्टाचार्य, विधान दत्ता, राजेश चौधरी, कस्तूरी सिन्हा, राजेंद्र, राजेश, पंकज राय, कन्हैया वर्मा, पप्पू प्रभाकर, मनोज, संतोष, अशोक बावला, मनोज, राजू, अमित सरकार, बीएनपी सुमन, महेश, अमरजीत सिंह, मृत्युंजय झा, संजय झा, शशिकांत शर्मा, प्रमोद कुमार, अजीत माथुर, संजीत, राहुल आदि उपस्थित रहे।

रसल वाइपर एक अफवाह, लोगों को न घबराने की सलाह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में इन दिनों ऑस्ट्रेलियन रसल वाइपर सांप को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर यह अफवाह फैल रही है कि शहर और आसपास के इलाकों में यह अत्यंत विषैला सांप देखा गया है। बताया जाता है कि रसल वाइपर के काटने के बाद व्यक्ति का बचना मुश्किल होता है। इस चर्चा के बीच बोकारो इस्पात संयंत्र के सुरक्षा विभाग में कार्यरत एम.पी. पांडेय, जो लंबे समय से सांपों को सुरक्षित रूप से पकड़ने का कार्य करते हैं, ने स्थिति पर स्पष्टता दी है। एम.पी. पांडेय ने बताया कि अब तक बोकारो में एक भी रसल वाइपर सांप नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि झारखंड में पाया जाने वाला पायथन सांप देखने में रसल वाइपर से कुछ हद तक मिलता-जुलता है, जिससे लोग भ्रमित हो जाते हैं। पांडेय ने हाल ही में कई पायथन, कोबरा और धामिन सांपों को पकड़कर सुरक्षित रूप से वन विभाग को सौंपा है। उन्होंने बताया कि इन दिनों सांपों का ह्यमीटिंग का समयह्न चल रहा है- यानी यह उनका प्रजनन काल है, जिसके दौरान वे अक्सर खुले इलाकों में दिखाई देते हैं। इस वजह से लोगों को ऐसा लग सकता है कि सांपों की संख्या बढ़ गई है। एम.पी. पांडेय ने जनता से अपील की कि सांपों को मारे नहीं, बल्कि उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखें और किसी विशेषज्ञ या वन विभाग को सूचना दें।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com